खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 30 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-118

जवाहरलाल नेहरू का देशघाती फैसला था सिंधु जल समझौता

संधि भी की और करोड़ों रुपए भी दिए

पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि के बारे में यह कहावत कि लम्हों ने खता की थी और सदियों ने सजा पाई, पूरी तरह चरितार्थ होती है। 19 सितंबर 1960 को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के तानाशाह जनरल अयूब खान के बीच सिंधु जल समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था। अप्रैल 2025 के पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद इस समझौते पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। इसका कारण है कि भारत ने इस समझौते को निलंबित कर दिया है।

मगर सिंधु जल समझौते में कई तथ्य हैं जो जनमानस से छुपाए गए या उसे जान बूझकर सबके सामने नहीं आने दिया गया। इस समझौते में भारत के साथ बहुत बड़ा धोखा किया गया था। तत्कालीन जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने इस समझौते में न केवल पाकिस्तान को पानी दिया था, बल्कि 83 करोड़ भी दिए थे। इस समझौते में सिंधु के पानी के साथ पाकिस्तान को 83 करोड़ रुपए क्यों दिए गए थे? यह समझौता भारत के लिए केवल घाटे का सौदा था। इस समझौते में देश के लिए पानी भी गया पैसा भी गया और बदले में मिला केवल आतंकवाद और अविश्वास।

65 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के नेतृत्व में भारत ने दरियादिली दिखाकर न केवल पाकिस्तान को सिंधु नदी का 80.52 प्रतिशत पानी दे दिया था, बल्कि अपना खजाना भी लुटा दिया था। नेहरू ने सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान को सिंधु नदी का पानी देने के साथ-साथ 83 करोड़ रुपए भी दिए थे। यह धन पाकिस्तान के अंदर सिंधु नदी पर नहरें बनाने के लिए दिए गया था। 83 करोड़ रुपए की रकम पाकिस्तान को भारतीय मुद्रा में नहीं दी गई थी, बल्कि विदेशी मुद्रा डॉलर, पोंड, स्टर्लिंग में दी गई थी। यह मामला और भी गंभीर इस कारण से हो जाता हैं क्योंकि उस समय हमारा विदेशी मुद्रा का भंडार नहीं के बराबर था। आज के समय में उस समय का 83 करोड़ रुपए वर्तमान में 5500 करोड़ के बराबर हैं।

पाकिस्तान को आज के हिसाब से मिले थे 5500 करोड़ रुपए

सिंधु जल समझौता और इतनी बड़ी रकम पाकिस्तान को देने के एवज में भारत को 1965, 1971 में युद्ध, 1980 के दशक से भारत में अनवरत आतंकवाद और 1999 में कारगिल में पाकिस्तान से युद्ध का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं साथ में उरी, पठानकोट, पुलवामा और अब पहलगाम में आतंकी हमला भी झेलना पड़ा। देश का बंटवारा होने के बाद दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे के मुद्दे पर मोहम्मद अली जिन्ना ने बड़े आत्मविश्वाश या यों कहें कि घमंड के साथ कहा था कि वो हिंदुओं के पानी से पाकिस्तान की धरती पर सिंचाई नहीं करेंगे। इस हेकड़ी में पाकिस्तान 1948 में इस बात पर राजी हो गया कि भारत अपनी उन नदियों को रोक सकता है जो बहकर पाकिस्तान जाती है। लेकिन, इसके बाद भी उस समय की नेहरू सरकार ने इस पानी को रोक कर नहरें बनाकर भारत के लिए इस्तेमाल नहीं किया। वहीं पाकिस्तान की हेकड़ी भी जल्दी ही निकल गई उसे सिंधु नदी के पानी की जरूरत महसूस होने लगी।

इसी बीच एक अजीबोगरीब वाकया हुआ। 60 के दशक की शुरुआत में अमेरिका के एक नदी विशेषज्ञ डेविड लिंथल ने अचानक भारत और पाकिस्तान का दौरा किया। डेविड लिंथल अमेरिका की टेनसी वैली अथॉरिटी और अमेरिका के परमाणु ऊर्जा आयोग से जुड़े हुए थे। डेविड लिंथल ने भारत के दौरे के बाद एक विदेशी पत्रिका में एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी के जल बंटवारे की वकालत की। इस लेख को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने भी पढ़ा और इतना ही नहीं नेहरू ने डेविड लिंथल से मुलाकात भी की और उन्होंने माना था कि डेविड लिंथल ने उन्हें सिंधु जल समझौते के लिए प्रेरित किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच इस द्विपक्षीय मामले में में वर्ल्ड बैंक मध्यस्थ की भूमिका में शामिल हो गया। आखिरकार नेहरू और अयूब खान के बीच सिंधु जल समझौता हो गया।

सिंधु जल समझौते को लेकर आज 65 साल बाद पूरे देश में चर्चा और बहस हो रही है, मगर जब यह संधि हुई थी तो इस पर उस समय भी तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू को इस एकतरफा संधि करने के लिए तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा था और इस संधि के बाद नवंबर 1960 को विपक्ष की मांग पर लोकसभा में जबरदस्त बहस हुई थी। ▶10 पर

पीएम मोदी ने की शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक

पाकिस्तान पर कार्रवाई की रणनीति पर मंथन जारी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान मौजूद थे। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई के विकल्पों के बारे में विचार-विमर्श के लिए यह बैठक बुलाई गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि हमले के जिम्मेदार आतंकियों और उनके आकाओं को धरती के आखिरी कोने तक भी खोजकर सबसे सख्त सजा दी जाएगी। उनका इशारा पाकिस्तान की ओर था, क्योंकि पाकिस्तान का भारत में आतंकवाद फैलाने का इतिहास है। पहलगाम हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। इसमें

रक्षा मंत्री, एनएसए, सीडीएस और तीनों सेना प्रमुख मौजूद थे

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का सोशल मीडिया खाता भारत में बंद

विपक्षी दलों ने आतंकियों के खिलाफ सरकार की किसी भी कार्रवाई को पूरा समर्थन देने की बात कही थी। हमले के अगले दिन कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक भी हुई थी। इस बैठक में बताया गया कि इस आतंकी हमले के तार सीमा पार से जुड़े हुए हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब जम्मू-कश्मीर में चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं और राज्य धीरे-धीरे आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कार्रवाइयों को आगे बढ़ाते हुए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का सोशल मीडिया अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिया है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री लगातार जहर उगल रहे थे। वे भारत के खिलाफ अनरगल बयानबाजी कर रहे थे साथ ही भारत के सैन्य हमले का डर भी दिका रहे थे। आसिफ ने कहा था कि भारत की तरफ से हमला तय है और यह करीब है। भारत के हमले की आशंका के मद्देनजर ख्वाजा आसिफ ने कहा था, हमने अपने सुरक्षाबलों को मजबूत करना शुरू कर दिया है, क्योंकि भारत की तरफ से हमला निश्चित है। इन हालात में कुछ कूटनीतिक फैसले लेने होंगे और यह फैसले लिए जा रहे हैं।

इस बीच भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान की जमकर क्लास लगाई। ख्वाजा ने हाल ही में आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने और उन्हें धन मुहैया कराने की बात कबूल की थी। उन्होंने हाल ही में एक साक्षात्कार में स्वीकार किया था कि उनके मुल्क ने वर्षों से आतंकवाद का समर्थन किया। भारत ने इसे लेकर ही पड़ोसी मुल्क से कड़े सवाल किए और उसका वैश्विक मंच पर उसका नापाक चेहरा उजागर किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल ने कहा कि यह कबूलनामा चौंकाने वाला नहीं था। इसने पाकिस्तान को एक दुष्ट देश के रूप में उजागर किया है। एक ऐसा मुल्क, जो वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

इससे पहले भड़काऊ और संवेदनशील सांप्रदायिक सामग्री फैलाने के लिए भारत ने कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर भी कड़ी कार्रवाई की थी। कुल 63 मिलियन सब्सक्राइबर वाले 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जिन चैनलों पर प्रतिबंध लगाया गया, उनमें पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर का यूट्यूब चैनल भी शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिशों के बाद यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाया गया। ▶10 पर

खुफिया एजेंसियों की सूचना के बाद सरकार ने लिया फैसला

जम्मू कश्मीर के 48 पर्यटन स्थल फिलहाल बंद

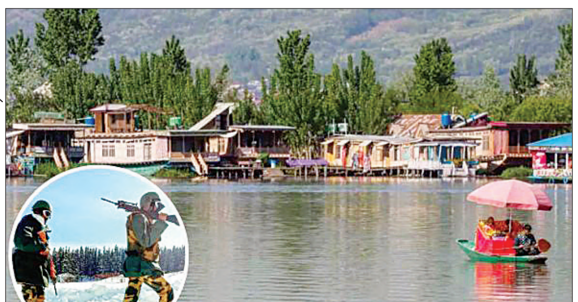

जम्मू, 29 अप्रैल (ब्यूरो)। खुफिया एजेंसियों की तरफ से आगाह किए जाने के बाद जम्मू कश्मीर की सरकार ने घाटी के 87 में से 48 पर्यटन स्थल फिलहाल बंद कर दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी सिफारिश की थी। पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार का यह बड़ा फैसला है। पहलगाम हमले के बाद घाटी में कुछ स्लीपर सेल सक्रिय हो गए हैं, उन्हें आतंकी गतिविधि तेज करने के पाकिस्तान से निर्देश मिले हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर उन्हें गोली मार दी। आतंकवादियों ने केवल हिंदुओं को पहचान कर मारा। हमले में करीब 14 लोग घायल हुए। इस बेहूदा और कायराना हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। हालांकि बाद में टीआरएफ ने कहा कि हमले से उनका कोई वास्ता नहीं हैं। फरवरी 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है। पुलवामा हमले में सीआरपीएफ के 47 जवान मारे गए थे।

कश्मीर में सुरक्षा कारणों से जिन पर्यटन स्थलों को बंद किया गया है, उनमें बांदीपोरा जिले में गुरेज वैली, बडगाम जिले में युसमर्ग, तोसामैदान, दूधपथरी, कुलगाम जिले में अहरबाल, कौसरनाग, कुपवाड़ा जिलेम में बंगस घाटी, करिवान देवर,

पर्यटकों से सुरक्षा सलाह मानने की अपील

चंडीगाम, हंदवाड़ा जिले में बंगस वैली, सोपोर जिले में वुलर झील, रामपोरा, राजपोरा, चेयरहार, मुंडजी-हमाम-मारकूट वाटरफॉल, खम्पू, बोस्निया, विजीटॉप, अनंतनाग जिले में सन टेम्पल, मट्टन, वेरीनाग गार्डन, सिंथन टॉप, मार्गण टॉप, अकड़ पार्क, बारामुला जिले में हब्बा खातून पॉइंट (कव्नर), बाबा ऋषि, रिंगावली, गोगलदारा, बंदरकोट, श्रुन्ज वाटरफॉल, कमान पोस्ट, नामब्लान वाटरफॉल, इको पार्क, खादनियार, पुलवामा जिले में संगरवानी, श्रीनगर जिले में जामिया मस्जिद, नौहट्टा, बादामवाड़ी, राजौरी कदल (होटल काना), आली कदल (जेजे फूड रेस्टोरेंट), आइवरी होटल, गोंडताल (थीड), पद्शापल रिसॉर्ट (फकीर गुजरी), चेरी ट्री रिसॉर्ट (फकीर गुजरी), नॉर्थ क्लिफ कैफे (अस्तनमार्ग, पैराग्लाइडिंग पॉइंट), फॉरेस्ट हिल कॉटेज, इको विलेज रिसॉर्ट, अस्तनमार्ग व्यू पॉइंट, अस्तनमार्ग पैराग्लाइडिंग स्पॉट, मामनेठ और महादेव हिल्स (फकीर गुजरी के रास्ते), ▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र के मंच पर पाकिस्तान ने फिर की दुष्टता

भारत ने सार्वजनिक मंच पर पाकिस्तान को धो दिया

न्यूयॉर्क, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

आतंकवाद के विरोध में संयुक्त राष्ट्र में हुए एक कार्यक्रम में भारत ने पाकिस्तान की बखिया उधेड़ कर रख दी। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने पाकिस्तान की हरकतों की सार्वजनिक निंदा की और उसकी तुलना दुष्ट राज्य से की। योजना पटेल ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार में लिप्त होने और भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने का प्रयास किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने इस मंच का दुरुपयोग करने और इसे कमजोर करने का विकल्प चुना।

हाल ही में एक टेलीविजन साक्षात्कार में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण और धन देने के पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार किया है। योजना पटेल ने कहा कि यह खुला कुबूलनामा अब आश्चर्यचकित नहीं करता बल्कि पाकिस्तान को एक दुष्ट राज्य के रूप में उजागर करता है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

दुनिया अब और आंखें नहीं मूंद सकती। आतंकवाद-रोधी मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव ने राष्ट्रीयता, जातीयता या धर्म की परवाह किए बिना सभी पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

कनाडा में हारा खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह

उसकी पार्टी एनडीपी ने पार्टी का दर्जा भी खो दिया

टोरंटो, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा में हो रहे आम चुनाव में खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह की हार हुई है। उसकी पार्टी एनडीपी 12 सीटें जीतने में कामयाब नहीं रही है। कनाडा आम चुनाव में जनता ने खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह को आइना दिखा दिया है। चुनाव में उसकी पार्टी की करारी हार हुई है। 12 सीटें न मिलने पर न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने पार्टी का दर्जा भी खो दिया है। खास बात यह है कि पार्टी प्रमुख जगमीत सिंह अपनी ही सीट से चुनाव हार गए।

चुनाव परिणाम रुझान आने के बाद खालिस्तान समर्थक और एनडीपी के प्रमुख जगमीत सिंह ने घोषणा की है कि कनाडा के संघीय चुनाव में उनकी पार्टी के लिए समर्थन कम होने और अपनी सीट गंवाने के बाद वह पद छोड़ देंगे। जगमीत सिंह हाउस ऑफ कॉमन्स में 2019 से बर्नबी सेंट्रल सीट से प्रतिनिधित्व कर रहे थे। वे इस सीट पर पहले से तीसरे स्थान पर आ गए। आम चुनाव में एनडीपी ने अपना आधिकारिक दर्जा भी खो दिया है, क्योंकि वह आवश्यक 12 सीटें हासिल करने में विफल रही।

जगमीत सिंह ने कहा कि एनडीपी का नेतृत्व करना और बर्नबाई सेंट्रल के लोगों का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। प्रधानमंत्री कार्नी और अन्य सभी नेताओं को कड़ी मेहनत वाले अभियान के लिए बधाई। मुझे पता है कि यह रात न्यू डेमोक्रेट्स के लिए निराशाजनक है। मुझे निराशा है कि हम और सीटें नहीं जीत सके। लेकिन मैं अपने आंदोलन से निराश नहीं हूं। मैं अपनी पार्टी के लिए आशावान हूं। ▶10 पर

पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका की पुष्टि

पाकिस्तानी सेना का पूर्व कमांडो हैं हाशिम मूसा

श्रीनगर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

स्थानीय मददगारों से हुआ अहम खुलासा

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में शामिल एक आतंकी पाकिस्तानी सेना का पूर्व कमांडो हाशिम मूसा था। पाकिस्तानी हाशिम की पहचान पहलगाम मामले की जांच के क्रम में हुई है। पहलगाम हमले के बाद 15 कश्मीरी ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्लू) से पूछताछ के दौरान यह जानकारी सामने आई है। ओजीडब्लू को पहलगाम हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों को सहायता देने के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है। पूछताछ के दौरान ही यह सुराग मिला कि हाशिम मूसा पाकिस्तानी फौज का पूर्व कमांडो है और लश्कर के जेहादी ऑपरेशनों में हिस्सा लेता है।

हाशिम मूसा पहले भी कई आतंकी हमलों में शामिल रहा है। इसमें अक्टूबर 2024 में गांदरबल के गांगनगीर में हुआ हमला शामिल है, जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए थे। इसके अतिरिक्त वह बारामूला के बूटा पथरी में हुए हमले में भी शामिल था, जिसमें दो भारतीय सेना के जवान और दो पोर्टर शहीद हो गए थे। आतंकवादियों को सहायता देने वाले ओजीडब्लू ने आतंकवादियों के लिए लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था करने और हमले से पहले इलाके की रेकी करने में मदद की थी। इससे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की भूमिका का साफ पता चलता है। ▶10 पर

कनाडा चुनाव में लिबरल पार्टी को मिली जीत

कनाडा,29 अप्रैल (एजेंसियां) । कनाडा में प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव संपन्न हो चुके हैं। इसके साथ ही चुनाव के परिणाम भी सामने आ गए हैं। कनाडा के संघीय चुनाव में एक बार फिर से लिबरल पार्टी की जीत हुई है। हालांकि, पार्टी बहुमत से कुछ सीटें पीछे रह सकती है और गठबंधन की सरकार बना सकती है। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी लिबरल पार्टी के उम्मीदवार व प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे के बीच हो रहा था। बता दें कि कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो भी लिबरल पार्टी के ही थे जिन्होंने चुनाव से पहले ही घटती लोकप्रियता के कारण इस्तीफा दे दिया था। चुनाव परिणाम के बाद एक बार फिर से मार्क कार्नी की ही पीएम बनने की पूरी संभावना है। आइए जानते हैं कि इस चुनाव में किस पार्टी को कितनी सीटें मिली और इस चुनाव परिणाम का भारत पर क्या असर होने वाला है। मार्क कार्नी– कनाडा के प्रधानमंत्री और लिबरल पार्टी के उम्मीदवार मार्क कार्नी 60 साल के हैं। वह पूर्व इन्वेस्टमेंट बैंकर हैं जिन्होंने पूर्व में कनाडा और ब्रिटेन दोनों के केंद्रीय बैंकों के गवर्नर के रूप में काम किया है। जस्टिन ट्रूडो के पीएम पद से इस्तीफे के बाद हाल ही में मार्क कार्नी को कनाडा की पीएम बनाया गया था। राजनीति में नए होने के बावजूद कार्नी को खुद को ऐसे शख्स के रूप में पेश किया है जो कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पेश की जा रही चुनौतियों से निपट सकते हैं।

पियरे पोइलिवरे– कंजर्वेटिव पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार पियरे पोइलिवरे एक पेशेवर राजनेता हैं। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की तरह ही कनाडा में प्रचार किया और मुख्य ध्यान कनाडा के घरेलू मुद्दों पर रखा। जस्टिन ट्रूडो को बेहद अलोकप्रिय बनाने में पियरे पोइलिवरे का सबसे ज्यादा हाथ रहा है। माना जा रहा था कि पियरे पोइलिवरे आसानी से चुनाव जीत जाएंगे लेकिन कनाडा पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिए गए एक्शन के बाद मार्क कार्नी ने पोइलिवरे को कड़ी टक्कर दी और बीते कुछ दिनों में लोकप्रियता में पोलीवरे से आगे निकलते हुए चुनाव को जीत लिया।लिबरल पार्टी के नेता और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा के संबंधों को कई देशों के साथ बुरी तरह से बिगाड़ दिया था। भारत के साथ तो कनाडा के संबंध ऐतिहासिक रूप से खराब दौर में चले गए थे।

न्यूज ब्रीफ

सऊदी अरब ने अनधिकृत हज यात्रियों के लिए दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू

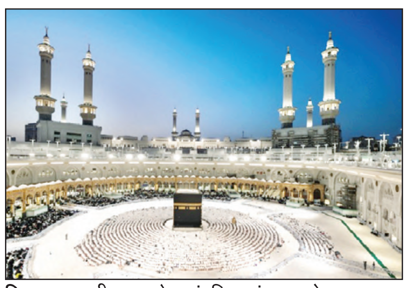

रियाद। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने हज परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और उनके मददगारों के लिए दंड की घोषणा की है। मंत्रालय ने कहा कि यह दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू कर दी गई है। यह 10 जून तक प्रभावी रहेगी। बिना परमिट के हज करने या कराने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर सऊदी रियाल 20 हजार (5,331.43 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अरब न्यूज अखबार के अनुसार आंतरिक मंत्रालय ने साफ किया है कि विजिट वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर एक लाख सऊदी रियाल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आर्थिक दंड उन सभी लोगों पर लागू होगा, जो यात्रा वीजा धारकों को निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों पर ले जाते हैं या ले जाने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को होटल, अपार्टमेंट, निजी आवास, आश्रय या आवास स्थलों सहित किसी भी आवास में आश्रय देने वालों से भी यह आर्थिक दंड वसूला जाएगा। विशेष मामलों में आर्थिक दंड को और भी बढ़ाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि वह निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों तक यात्रा वीजा धारकों के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को जब्त कर ले, यदि उनका स्वामित्व ट्रांसपोर्टर, सुविधाकर्ता या किसी सहयोगी के पास है।

इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने की इस्तीफे की घोषणा, 15 जून को पद छोड़ देंगे

तेल अवीव। इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने इस्तीफे की घोषणा की है।

वह 15 जून को पद छोड़ देंगे। बार की यह घोषणा कतरगेट की जांच के दौरान आई है। शिन बेट पर सात अक्टूबर के हमास के हमलों को रोकने में विफलता का आरोप भी लग चुका है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विफलता की सार्वजनिक जांच कराने की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने मेमोरियल डे कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार शाम घोषणा की कि वह 15 जून को अपना पद छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कोशिश भी की थी। विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल में आतंकवाद–रोधी जांच का जिम्मा संभालने वाली शिन बेट नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है। नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा था कि वह काफी पहले रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के सरकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन ने दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इसलिए बर्खास्त करना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने इजराइली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने समेत विभिन्न आग्रहों को मानने से इनकार कर दिया था। इन आरोपों के जवाब में नेतन्याहू ने रोनेन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

भाजपा विदेश विभाग के प्रभारी चौथाईवाले का नेपाल दौरा आज से

काठमांडू। भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले का नेपाल दौरा आज शुरू

होगा। वह 30 अप्रैल से दो मई तक काठमांडू रहेंगे। इस दौरान नेपाल के सभी प्रमुख नेताओं से उनकी मुलाकात संभव है। भाजपा विदेश विभाग के अनुसार, चौथाईवाले की नेपाल के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्षी दल के नेताओं से मुलाकात तय की गई है। चौथाईवाले प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सतारूढ़ गठबंधन के नेता शेर बहादुर देउवा, प्रमुख विपक्षी दल के नेता माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, एकीकृत समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा चौथाईवाले नेपाल के दोनों उपप्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह और विष्णु पौडेल, विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा से भी मुलाकात कर सकते हैं। चौथाईवाले से मधेशी मोर्चा के नेताओं की सामूहिक मुलाकात होनी है है। वह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

नुश्की में ऑयल टैंकर में लगी भीषण आग चालक की मौत, 40 से अधिक घायल

नुश्की (बलूचिस्तान) ,29 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सोमवार की रात एक ऑयल टैंकर में भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में चालक की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग झुलसने से घायल हो गए। इस घटना की पुष्टि नुश्की के डिप्टी कमिश्नर अमजद हुसैन ने की है। डिप्टी कमिश्नर के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल 26 व्यक्तियों को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस के जरिये क्वेटा स्थानांतरित किया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक डिपो में खड़े तेल भरे टैंकर पर वेल्डिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। संभावित बड़े हादसे को टालने के प्रयास में टैंकर चालक जलते वाहन को टर्मिनल से बाहर खुले मैदान में ले गया, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया।

चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक डीएसपी और तीन अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को घटनास्थल से हटाने के प्रयास में लगे थे। घटना में एक फायर ब्रिगेड वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि नुश्की में इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों को गंभीर रूप से जलने की चोटें आई हैं। घायलों के इलाज के लिए क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि इस दुखद घटना में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

यूएन महासचिव ने भारत और पाकिस्तान से तनाव बढ़ाने से बचने का आग्रह किया

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान से सैनिकों के बीच गोलीबारी की खबरों के मद्देनजर उपमहाद्वीप में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने इस बात की जानकारी दी है। उप–प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि वह दोनों सरकारों से अधिकतम संयम बरतने और तनाव बढ़ाने से बचने का आग्रह करते हैं। उन्होंने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि यूएन महासचिव भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं। जटिल मुद्दों को भी सार्थक बातचीत से शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जा सकता है भारतीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सोमवार को लगातार चौथे दिन पाकिस्तानी सेना ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसका भारतीय सैनिकों ने तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (यूएनएमओजीआईपी) उस क्षेत्र में मौजूद नहीं है, जहां यह हमला हुआ। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने एक टीवी चैनल से कहा कि दोनों देशों के बीच टकराव का तत्काल खतरा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप–प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि महासचिव का दृढ़ विश्वास है कि सबसे जटिल मुद्दों को भी सार्थक और रचनात्मक बातचीत से शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य किसी भी पहल का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, जो बातचीत को बढ़ावा देती है और इसे फिर से शुरू करती है।

इजराइल ने कश्मीर हमले को बताया अस्वीकार्य पाक पर सख्त रुख

मुंबई,29 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोब्बी शोशनी ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले को अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि वहां से सामने आईं तस्वीरें अत्यंत दिल दहला देने वाली हैं। उन्होंने पाकिस्तान से कश्मीर में जारी आतंकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने की अपील की। कोब्बी शोशनी ने कहा, भारत और इजराइल के बीच संबंध गहरे और अटूट हैं।

यह केवल सरकारों या नेताओं तक सीमित नहीं, बल्कि दोनों देशों की जनता के बीच भी एक मजबूत बंधन है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, जो कुछ हमने कश्मीर में देखा, वह एक इंसान, एक दोस्त और भारत के भाई के तौर पर हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। तस्वीरें देखकर गहरा दुख हुआ।

इजराइल के राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान को आतंकी गतिविधियों से निपटने की जरूरत

पाकिस्तान को सीधे तौर पर संबोधित करते हुए शोशनी ने कहा, पाकिस्तान को कश्मीर में उसकी ओर से हो रही आतंकी गतिविधियों से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने भारत की विदेश नीति की भी सराहना करते हुए कहा, भारत बहुत ही कुशलतापूर्वक और चतुराई से कूटनीतिक मोर्चे पर काम कर रहा है।

इजराइली राजनयिक के इस बयान ने भारत–इजराइल के घनिष्ठ संबंधों को एक बार फिर मजबूती से रेखांकित किया है। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर लगातार एकजुटता दिखाई है।

कनाडा में भारतीय छात्रा वंशिका की मौत पर उच्चायोग ने दुख जताया

कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय छात्रा वंशिका सैनी की मौत पर दुख जताया है। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर कहा, ओटावा में भारत की छात्रा वंशिका की मौत की सूचना पाकर हम बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है और मामले की जांच की जा रही है। भारतीय उच्चायोग ने कहा, हम हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए शोक संतप्त परिजनों और स्थानीय सामुदायिक संघों के साथ निकट संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि वंशिका ढाई साल पहले भारत से कनाडा पढ़ाई के लिए आई थी। वह ओटावा में एक शैक्षणिक संस्थान में स्टडी कर रही थी। वह 25 अप्रैल को रात करीब नौ बजे किराये का कमरा तलाशने के लिए घर से निकली थी।

यमन की राजधानी पर अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हुई

सना,29 अप्रैल (एजेंसियां) । यमन की राजधानी सना में तीन घरों पर रविवार रात को हुए अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बयान में ये जानकारी दी। बयान में कहा गया कि मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

हूती द्वारा संचालित अल–मसीरा टीवी ने सोमवार को 15 हवाई हमलों की सूचना दी, जिनमें राजधानी सना सहित उत्तरी यमन प्रांतों में कई स्थानों को निशाना बनाया गया। इस बीच, हूती टेलीविजन के अनुसार, उत्तरी प्रांत सादा में एक प्रवासी केंद्र पर अमेरिकी हमलों में हताहतों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है, जिनमें से सभी अफ्रीकी प्रवासी हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार अमेरिकी सेना इस घटना की जांच कर रही है। इससे पहले अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार दर्जनों लोग घायल हो गए हैं, जबकि बचावकर्मी उत्तरी सना के बानी अल–हरिथ जिले में अमेरिकी लड़ाकू विमानों द्वारा बमबारी किए गए तीन घरों के मलबे के नीचे जीवित लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं।

15 मार्च को वाशिंगटन द्वारा यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले फिर से शुरू करने के बाद से हूती समूह और अमेरिकी सेना के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया है। इन हमलों का उद्देश्य हूती ग्रुप को लाल और अरब सागर में इजरायल और अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग को निशाना बनाने से रोकना था। 2014 के अंत में यमन में गृह युद्ध शुरू होने के बाद से हूती समूह उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण कर रहा है। 15 मार्च से हूती और अमेरिकी सेना के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया है, जब वाशिंगटन ने यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले फिर से शुरू कर दिए थे, इस अभियान की कई क्षेत्रीय सरकारों ने व्यापक स्थिरता के लिए खतरा बताते हुए आलोचना की थी।

वायरल वीडियो पर मचे हंगामे के बाद बोला तुर्की- हमने पाकिस्तान को हथियार नहीं दिए

अंकारा,29 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत पाकिस्तान की तनातनी के बीच एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया है तुर्की ने पाकिस्तान को हथियारों की एक खेप भेजी है। यह माल वाहक विमान कराची में उतारा गया है। इस पर मचे हंगामे के बाद तुर्की ने सफाई देते हुए कहा कि हमने पाकिस्तान को कोई हथियार नहीं भेजे हैं और दोनों देशों को मिलकर तनाव कम करना चाहिए। यह बयान तब आया है जब सोशल मीडिया पर खबरें वायरल हो रही हैं कि तुर्की का एक सैन्य परिवहन विमान सी–130ई हरक्यूलिस कराची में उतरा, जिसमें कथित तौर पर सैन्य उपकरण थे।

तुर्की के राष्ट्रपति संचार निदेशालय ने स्पष्ट किया कि विमान केवल तेल भरने के लिए पाकिस्तान में रुका था और इसका कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था। सोमवार, 28 अप्रैल को अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते हुए देखे गए इस विमान ने भारत–पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच व्यापक अटकलों को जन्म दिया। कुछ मीडिया रिपोर्टों ने दावा किया गया कि करीब छह सी–130ई विमान पाकिस्तान में उतरे।

हालांकि, तुर्की ने इन दावों को निराधार बताया और कहा, पाकिस्तान में एक कार्गो विमान केवल ईंधन भरने के लिए रुका था और फिर अपनी यात्रा पर आगे बढ़ गया। अधिकृत व्यक्तियों और संस्थानों के बयानों के बिना की गई अटकलों पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

तुर्की और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुई है। तुर्की पाकिस्तान को ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है। फिर भी, इस ताजा घटना में तुर्की ने स्पष्ट रूप से किसी भी सैन्य सहायता से इनकार किया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है।

तुर्की के एर्दोआन भी कर रहे अपील

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने की अपील की है। यह बयान जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ी तनातनी के मद्देनजर आया है। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।अंकारा में एक कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एर्दोआन ने कहा, हम नहीं चाहते कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव गंभीर स्तर तक पहुंचे। हम दोनों देशों से आग्रह करते हैं कि वे स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने पाकिस्तानी जनता के प्रति तुर्की के मजबूत समर्थन की भी पुष्टि की।

युवाओं को कौशल से सशक्त बनाकर

भारत को वैश्विक नवाचार केन्द्र बनाना है: मोदी

नई दिल्ली 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार का प्रयास युवाओं को ऐसे कौशल से सशक्त बनाना है जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं और भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करें।

श्री मोदी ने मंगलवार को यहां भारत मंडपम में युग्म नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन के माध्यम से भारत की नवाचार क्षमता और 'डीप-टेक' में इसकी भूमिका को बढ़ाने के प्रयासों को गति मिलेगी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और मुंबई में कृत्रिम बुद्धिमत्ता , जैव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुपर हब के उद्घाटन का जिक्र किया। उन्होंने वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क के शुभारंभ का भी उल्लेख किया, जो राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। प्रधानमंत्री ने वाधवानी फाउंडेशन, प्रौद्योगिकी संस्थानों और इन पहलों में शामिल सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के बीच सहयोग के माध्यम से देश की शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने में रोमेश वाधवानी की समर्पण और सक्रिय भूमिका की भी विशेष सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में शिक्षा प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैश्विक शिक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। उन्होंने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, शिक्षण सामग्री और कक्षा एक से सात तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकों के विकास पर टिप्पणी की। उन्होंने पीएम ई-विद्या और दीक्षा प्लेटफार्मों के तहत एआई-आधारित और स्केलेबल डिजिटल शिक्षा अवसंरचना मंच - 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा अवसंरचना' के निर्माण पर प्रकाश डाला, जिससे 30 से अधिक भारतीय भाषाओं और सात विदेशी भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा सकेंगी।

श्री मोदी ने कहा कि नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क ने छात्रों के लिए एक साथ विविध विषयों का अध्ययन करना आसान बना दिया है, जिससे आधुनिक शिक्षा मिलती है और नए करियर के रास्ते खुलते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भारत के शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत में नवाचार संस्कृति के तेजी से विकास पर कहा कि इसमें 2014 में लगभग 40,000 से 80,000 से अधिक पेटेंट दाखिल किये गये हैं। प्रधानमंत्री ने शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 50,000 करोड़ रूपये के राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन की स्थापना और एक राष्ट्र, एक सदस्यता पहल पर प्रकाश डाला, जिसने उच्च शिक्षा के छात्रों के लिए विश्व स्तरीय शोध पत्रिकाओं तक पहुँच की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप पर जोर दिया, जो यह सुनिश्चित करती है कि प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अपने करियर को आगे बढ़ाने में कोई बाधा न आए।

उन्होंने वाधवानी फाउंडेशन जैसी संस्थाओं और श्री वाधवानी तथा उनकी टीम के प्रयासों को देखकर संतोष व्यक्त किया, जिन्होंने भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को सही दिशा में आगे बढ़ाया। उन्होंने श्री वाधवानी की उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला, जिसमें विभाजन के बाद की स्थिति, अपने जन्मस्थान से विस्थापन, बचपन में पोलियो से जूझना और इन चुनौतियों से ऊपर उठकर एक विशाल व्यापारिक साम्राज्य का निर्माण करना शामिल है। श्री मोदी ने भारत के शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्रों को अपनी सफलता समर्पित करने के लिए श्री वाधवानी की सराहना की और इसे एक अनुकरणीय कार्य बताया। उन्होंने स्कूल शिक्षा, आंगनवाड़ी प्रौद्योगिकियों और कृषि-तकनीक पहलों में फाउंडेशन के योगदान को भी माना।

त्रिनिदाद - टोबैगो के चुनाव में कमला प्रसाद बिसेसर की पार्टी को मिली जीत, मोदी ने दी बधाई

नयी दिल्ली/ पोर्ट ऑफ स्पेन 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

कैरेबियायी सागर क्षेत्र के देश त्रिनिदाद - टोबैगो के चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री सुश्री कमला प्रसाद-बिसेसर के नेतृत्ववाली यूनाइटेड नेशनल कांग्रेस को जीत मिली है और सुश्री कमला का दोबारा प्रधानमंत्री बनना तय लगता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुश्री कमला को जीत की बधाई दी है और भारत के साथ उसके पारिवारिक संबंधों तथा दोनों देशों बीच घनिष्ठ संबंधों का उल्लेख करते हुए दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए मिल कर काम करने की इच्छा जाहिर की है।

श्री मोदी ने एक्स पर एक संदेश में लिखा, चुनावों में जीत पर एमपीकमला (कमला प्रसाद-बिसेसर) को हार्दिक बधाई। हम त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ अपने ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और पारिवारिक संबंधों को हृदय से लगाते हैं। मैं अपने लोगों की साझा समृद्धि और कल्याण के लिए हमारी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

पूर्व प्रधानमंत्री सुश्री कमला (73) 2010-2015 तक प्रधानमंत्री थीं। वह दूसरी बार प्रधानमंत्री बन रही हैं। वह देश का नेतृत्व करने वाली एकमात्र महिला हैं।

देश के ताजा चुनाव के सोमवार आये नतीजों में मतदाताओं ने सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल मूवमेंट (पीएनएम)की पार्टी को सत्ता से बाहर करने का जनादेश दिया है।

सोमवार की देर समर्थकों की भीड़ के समक्ष अपने विजय भाषण में प्रसाद-बिसेसर ने चुनावी वादों को पूरा करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपनी जीत को वरिष्ठ नागरिकों को उनकी पेंशन बनाए रखने , सरकारी कर्मचारियों को उनके उचित वेतन वृद्धि पाने, बच्चों के अस्पताल को फिर से खोलने , देश के बच्चों को एक बार फिर लैपटॉप दिलाने, 50,000 से अधिक नौकरियों का सृजन करने के लिए जनता की जीत बताया है।

उनका यह भाषण पीएनएम द्वारा हार स्वीकार करने के कुछ ही मिनटों बाद आया। निवर्तमान प्रधानमंत्री स्टुअर्ट यंग ने कहा, मतदाताओं ने आज रात बात की है, और हम कल सुबह का इंतजार कर रहे हैं, कल सुबह आप एक मजबूत पीएनएम को सड़क पर वापस देखेंगे, जो आबादी की सेवा कर रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री और पीएनएम पार्टी के नेता कीथ रोवले ने कहा, आज की रात पीएनएम के लिए अच्छी रात नहीं है, लेकिन यह त्रिनिदाद के लिए अच्छी रात हो सकती है...अब परिणाम आ रहे हैं। और जो कुछ भी हमारे पास आ रहा है, उससे...यह इस समय स्पष्ट है कि हम चुनाव हार गए हैं।

मोदी ने कार्नी को प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी

नई दिल्ली 29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी की जीत और श्री मार्क कार्नी को देश का नया प्रधानमंत्री चुने जाने पर उन्हें बधाई दी है।

श्री मोदी ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, 'कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुने जाने और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं।' श्री मोदी ने कहा, 'मैं हमारी साझीदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक से अधिक अवसरों का उपयोग करने के लिए आपके साथ काम करने के लिए तत्पर हूं।'

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु ऑनर किलिंग मामले में दोषियों को ठहराया दोषी

नई दिल्ली 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तमिलनाडु के कुख्यात 'कन्नगी-मुरुगेसन' ऑनर किलिंग मामले में 'दोषियों' को 'दोषी' ठहराया और मद्रास उच्च न्यायालय के 2022 के फैसले को चुनौती देने वाले नौ दोषियों और दो पुलिसकर्मियों की अपील को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति पी.के. मिश्रा की पीठ ने कन्नगी के पिता और भाई सहित दोषियों को दी गई आजीवन कारावास की सजा की पुष्टि की और जांच के दौरान सबूत गढ़ने के लिए 'दोषी' ठहराए गए दो पुलिस अधिकारियों की अपील को खारिज कर दिया।

यह मामला अंतरजातीय जोड़े एस. मुरुगेसन और डी. कन्नगी की नृशंस हत्या से जुड़ा था। दलित और केमिकल इंजीनियरिंग स्नातक मुरुगेसन और वन्नियार समुदाय से वाणिज्य स्नातक कन्नगी ने पांच मई, 2003 को गुप्त रूप से विवाह किया था। विवाह का पता चलने पर, कन्नगी के परिवार ने सात जुलाई, 2003 को जोड़े को पकड़ लिया, उन्हें ज़हर पीने के लिए मजबूर किया और बाद में उनके शवों को जला दिया।

तमिलनाडु में पहले ऑनर किलिंग मामलों में से एक के रूप में पहचाने जाने वाले इस मामले को स्थानीय पुलिस की ओर से दोषपूर्ण जांच के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इसकी जांच सौंप दी गयी।

वर्ष 2021 में, ट्रायल कोर्ट ने कन्नगी के भाई मरुदुपांडियन को मौत की सजा सुनाई और उसके पिता सहित 12 अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वर्ष 2022 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने मरुदुपांडियन की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया और नौ अन्य की आजीवन कारावास की सजा की पुष्टि की, जबकि दो लोगों को बरी कर दिया।

शीर्ष न्यायालय ने आज न केवल उच्च न्यायालय के निष्कर्षों को बरकरार रखा, बल्कि राज्य को मुरुगेसन के पिता और सौतेली माँ को संयुक्त रूप से पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश भी दिया।

जाति आधारित हिंसा के खिलाफ एक कड़ा संदेश देते हुए न्यायालय ने कहा,इस अपराध की जड़ में भारत में गहराई से जड़ जमाए हुए पदानुक्रमित जाति व्यवस्था है, और विडंबना यह है कि इस सबसे अपमानजनक कृत्य को ऑनर किलिंग के नाम से जाना जाता है। न्यायालय ने यह भी कहा,अपराध राज्य के खिलाफ एक कृत्य है। लेकिन एक दुष्ट और घिनौना अपराध, जैसा कि हमने अभी निपटाया है, हमारी गहराई से जड़ जमाए हुए जाति संरचना की बदसूरत वास्तविकता है। ऑनर किलिंग, जैसा कि इसे कहा जाता है, को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और गोपाल शंकरनारायणन अपीलकर्ताओं की ओर से पेश हुए, जबकि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी ने सीबीआई का प्रतिनिधित्व किया। अधिवक्ता राहुल श्याम भंडारी मुरुगेसन के माता-पिता की ओर से पेश हुए।

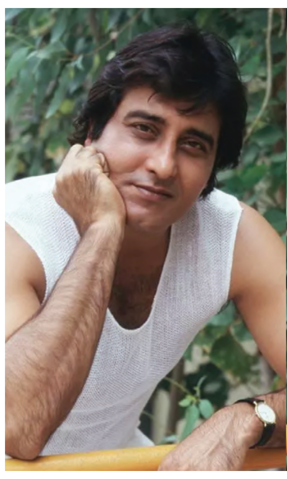

अपने ही पिता के साथ काम नहीं करना चाहते थे अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना बॉलीवुड के उन उम्दा एक्टर्स में से एक हैं, जिन्हें अक्सर अंडररेटेड कहा जाता है। दिवंगत अभिनेता विनोद खन्ना के बेटे अक्षय ने अपने करियर की शुरुआत भी अपने पिता के साथ फिल्म हिमालय पुत्र से की थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिर कभी विनोद खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर नहीं की।

एक इंटरव्यू में अक्षय खन्ना ने पिता के साथ काम ना करने की वजह का खुलासा किया था और बताया था कि एक और दिग्गज अभिनेता के साथ भी वह काम करने से बचते हैं।

अक्षय खन्ना की पहली फिल्म हिमालय पुत्र 1997 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ उनके पिता विनोद खन्ना के अलावा हेमा मालिनी, डैनी डेन्जोंगपा, अमरीश पुरी और जॉनी लीवर जैसे बड़े सितारे भी नजर आए थे। कहा जाता है कि अक्षय और उनके पिता विनोद खन्ना के रिश्ते थोड़े जटिल थे, लेकिन इसके बावजूद अक्षय अपने पिता की आध्यात्मिक यात्रा और व्यक्तित्व का गहरा सम्मान करते थे।2008 में आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में अक्षय खन्ना ने बताया था कि अपने पिता के साथ काम करना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण अनुभव था। 'दृश्यम 2' अभिनेता ने कहा था, कुछ ऐसे लोग होते हैं जिनके साथ काम करना आपके आत्मविश्वास के लिए मुश्किल होता है। मेरे पिता उनमें से एक हैं और अमिताभ बच्चन दूसरे। उनके साथ एक ही फ्रेम में खड़ा होना बहुत कठिन होता है।

अक्षय ने आगे खुलासा किया था कि वह अपने पिता के साथ दोबारा काम क्यों नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा था, मेरे पिता की स्क्रीन पर मौजूदगी इतनी प्रभावशाली होती थी कि उनके सामने टिक पाना मुश्किल हो जाता था। ऐसा करिश्मा या तो आपके पास होता है या नहीं। मेरे पास वह स्क्रीन प्रजेंस नहीं है। कुछ अभिनेता होते हैं जो स्क्रीन पर आते ही आपको पूरी तरह अपनी ओर खींच लेते हैं, मेरे पिता उन्हीं में से एक थे।गौरतलब है कि विनोद खन्ना न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता थे, बल्कि एक स्टाइल आइकन भी थे। उन्हें मरणोपरांत दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साल 2017 में लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया था।

पूजा हेगड़े ने पहनी 70 साल पुरानी कांजीवरम की साड़ी, बोलीं–

ताजा होती हैं दादी की यादें

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक अपने शानदार अभिनय की छाप छोड़ने वाली अभिनेत्री पूजा हेगड़े अपकमिंग फिल्म 'रेट्रो' को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह 70 साल पुरानी कांजीवरम की साड़ी पहने नजर आईं।

तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, कोठरी से 70 साल पुरानी शानदार साड़ी यह मुझे मेरी खूबसूरत अज्जी (दादी) की याद दिलाती है, जो कांजीवरम साड़ी में अपना पूरा दिन बिताती हैं, शादी के लिए तैयार होने से पहले घर में मल्लिगे की ताजा खुशबू और पहली बारिश के बाद गीली मैंगलोर मिट्टी की खुशबू... इन सरल चीजों में सुंदरता है, रेट्रो।हरे और बैंगनी रंग की साड़ी के साथ अभिनेत्री बालों में गजरा लगाए और माथे पर बिंदी के साथ पोज देती नजर आईं।

रेट्रो में पूजा हेगड़े के साथ अभिनेता सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म के टाइटल रेट्रो की घोषणा करते हुए टीजर को दर्शकों के साथ शेयर किया था।

सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री पूजा हेगड़े मोस्ट-अवेटेड फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट को शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर कर अहम जानकारी दी थी। पूजा हेगड़े ने दो मिनट के टीजर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा, इस किरदार में मेरे दिल का एक टुकड़ा है। रेट्रो भावनाओं के उतार-चढ़ाव भरी एक प्रेम कहानी का टाइटल टीजर रेट्रो आ चुका है।

शेयर किए गए टीजर में पूजा हेगड़े और सूर्या एक तालाब के किनारे बैठे नजर आए। वीडियो में अभिनेत्री एक गांव की लड़की की भूमिका में हैं। वह सूर्या की कलाई पर प्रेमिका के तौर पर रक्षा सूत्र बांधती हैं। इसके बाद टीजर में सूर्या कहते हैं, मैं अपने गुस्से पर काबू रखूंगा, मैं इस पल से सब कुछ पीछे छोड़ दूंगा। मैं मुस्कुराने और खुश रहने की कोशिश करूंगा। मेरे जीवन का उद्देश्य, शुद्ध प्रेम है, केवल शुद्ध प्रेम।

वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा हेगड़े के पास रेट्रो के साथ ही और भी कई खास प्रोजेक्ट हैं। पूजा के पास थलपति विजय के साथ थलापति 69 और 'है जवानी तो इश्क होना है' सहित कई अन्य रोमांचक प्रोजेक्ट हैं।

अभिनेत्री ने हाल ही में चेन्नई में थलपति 69 की शूटिंग शुरू होने की जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दी थी। थलापति 69 के साथ हेगड़े, विजय के साथ पहली बार ऑनस्क्रीन नजर आएंगी। एच. विनोथ फिल्म के निर्देशक हैं और निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले वेंकट के. नारायण ने किया है।

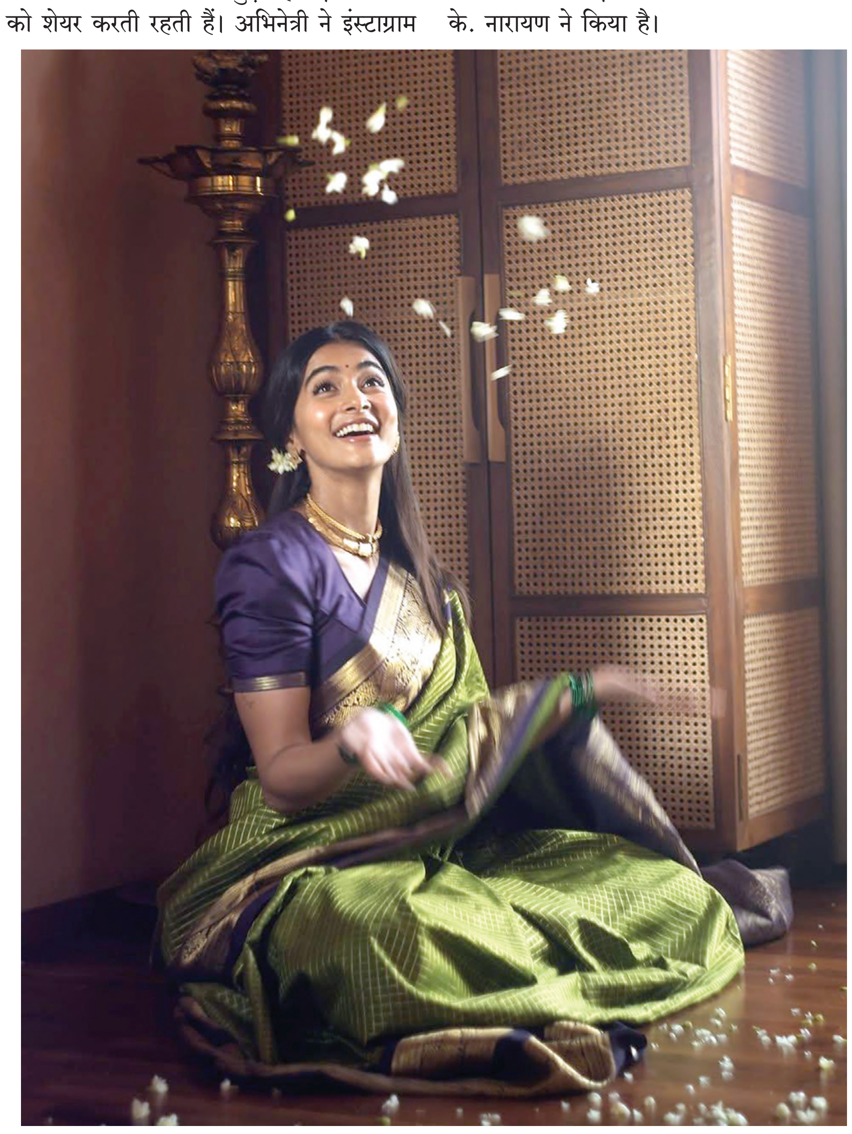

ज्यादा सोचने का नहीं, बस कर डालते हैं : मोनालिसा

मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा का लेटेस्ट फोटोशूट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह फोटोशूट उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फोटो में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। लुक की बात करें तो मोनालिसा ने प्रिंटेड शर्ट के साथ स्कर्ट पहनी हुई है और अपने बालों को खुला छोड़ा है। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने वाइट शूज पहने हुए हैं। अपनी इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा – 'ज्यादा सोचने का नहीं, बस कर डालते हैं!'

हाल ही में उन्होंने अपने मां-बाबा को 11 लाख रुपए की कार गिफ्ट में दी है, जिसकी तस्वीर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। उन तस्वीरों में कार खरीदने की खुशी एक्ट्रेस और उनके परिवार वालों के चेहरे पर साफ दिखाई दी। वह केक काटकर इस खुशी का जश्न मनाती भी नजर आईं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए

उन्होंने कैप्शन में लिखा, नई शुरुआत... मां और बाबा के लिए गिफ्ट उनकी एक और इच्छा पूरी हुई।

इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ उनके साथी भी खूब सराहना कर रहे हैं और बधाई दे रहे हैं।

एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने कमेंट किया – बधाई हो।

दीया और बाती फेम दीपिका सिंह ने कमेंट में लिखा – मुबारक हो।

एक्टर अंकित भाटिया ने लिखा – बधाई, भगवान आपको खुश रखे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मोनालिसा इन दिनों सुपरनैचुरल शो श्मशान चंपा में मोहिनी का किरदार निभा रही हैं। श्मशान चंपा टेलीविजन की पसंदीदा डायन मोनालिसा को उनके सबसे पसंदीदा अवतार में वापस लाता है, इससे प्रशंसकों में उत्साह देखा जा सकता है।

यह शो शेमारू उमंग पर प्रसारित होता है।

उल्लेखनीय है कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। उन्होंने भोजपुरी फिल्म हो या टीवी इंडस्ट्री, सभी में तहलका मचाया हुआ है। उन्होंने टीवी सीरियल नजर में डायन का किरदार निभाया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, उन्होंने नमक इश्क का, बेकाबू, लाल बनारसी, आखिरी दास्तान जैसे शोज में भी काम किया।

उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 10 से भी पॉपुलैरिटी हासिल की, जिसमें मनवीर गुर्जर विनर रहे। वह बंटी और बबली, ब्लैकमेल, मनी है तो हनी है, काफिला जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

शुभमन गिल ने अवनीत कौर और सारा तेंदुलकर को डेट करने की खबरों पर तोड़ी चुप्पी, कहा– मेरी जिंदगी में अभी...

क्रिकेट और मनोरंजन जगत का रिश्ता पुराना है। कई क्रिकेटर्स का दिल बॉलीवुड हसीनाओं या फिर मॉडल पर अटक चुका है। कुछ समय से स्टार क्रिकेटर शुभमन गिल का नाम भी ग्लैमर वर्ल्ड की हसीनाओं के साथ जुड़ा था। अब आखिरकार शुभमन ने डेटिंग की अफवाहों पर पहली बार रिएक्शन दिया है।

दरअसल, शुभमन गिल का नाम कई अभिनेत्रियों के साथ जुड़ चुका है। पिछले साल ऐसी खबर आई थी कि शुभमन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी और मॉडल सारा तेंदुलकर को डेट कर रहे हैं।

फिर उनका नाम टीवी एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित के साथ जुड़ा। बहू हमारी रजनीकांत एक्ट्रेस के साथ तो शुभमन गिल की शादी करने की खबरें भी आई थीं। इसके बाद अवनीत कौर के साथ भी उनके लिंकअप की खबरें आईं। यही नहीं, कॉफी विद करण में सारा अली खान से भी शुभमन के साथ अफेयर की अफवाहों को लेकर सवाल किया गया था।

अफेयर की अफवाहों पर बोले शुभमन

अब आखिरकार शुभमन गिल ने अफेयर की फवाहों पर रिएक्ट किया है। उन्होंने द हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ बातचीत में अफेयर की अफवाहों को खारिज किया है और बताया है कि वह इस वक्त क्रिकेट पर ध्यान दे रहे हैं। शुभमन ने कहा, मुझे अलग-अलग लोगों के साथ जोड़ने वाली बहुत सारी अफवाहें और अटकलें लगाई गई हैं। कभी-कभी यह बहुत बकवास होता है क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में उस शख्स को देखा ही नहीं या उससे कभी मिला ही नहीं।

रिलेशनशिप के लिए शुभमन के पास नहीं टाइम

शुभमन गिल का साफ-साफ कहना है कि वह अभी अपनी लव लाइफ नहीं बल्कि क्रिकेट करियर पर ध्यान दे रहे हैं। क्रिकेटर ने कहा, अभी मैं अपने प्रोफेशनल करियर में जो करना चाहता हूं, उस पर पूरा फोकस कर रहा हूं। मेरी जिंदगी में किसी के साथ रहने के लिए कोई जगह नहीं है। तीन सौ दिन हम रोड पर ही होते हैं, कहीं जर्नी कर रहे होते हैं। इसलिए किसी के साथ रिश्ते में इन्वेस्ट करने के लिए समय ही नहीं है।

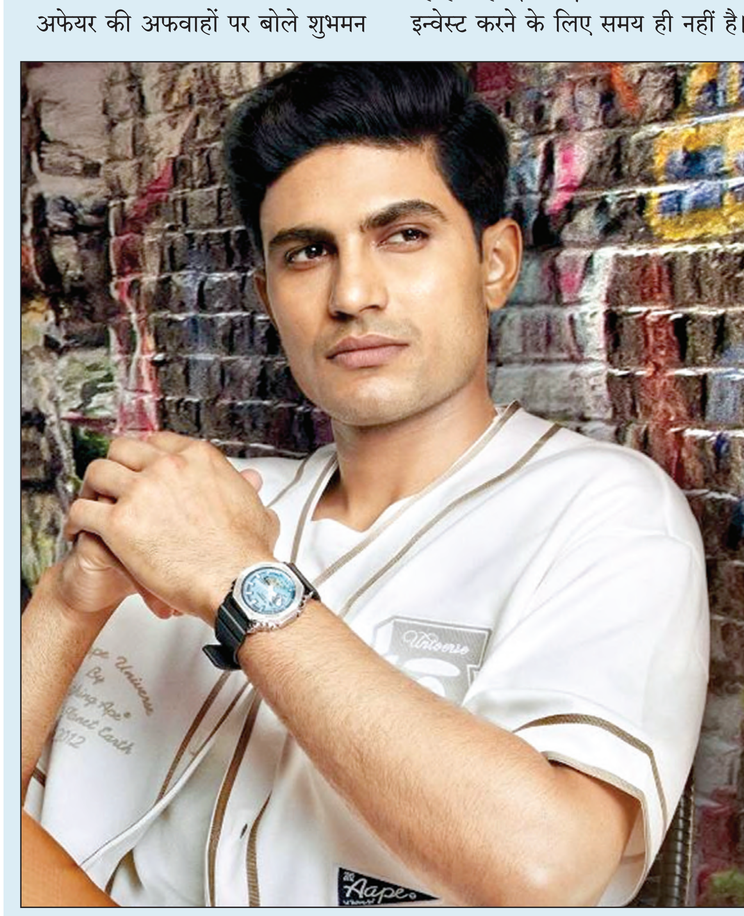

शादी की सालगिरह पर सुगंधा मिश्रा ने पति के लिए लिखा प्यारा नोट

तुम मेरी शांति, रोमांच और घर भी हो

मशहूर कमीडियन, होस्ट और सिंगर सुगंधा मिश्रा शनिवार को अपनी शादी की चौथी सालगिरह मना रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पति डॉ. संकेत भोसले के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें खास दिन की मुबारकबाद दी। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में सुगंधा समंदर किनारे पति के साथ रोमांटिक पोज दे रही हैं। उन्होंने ब्लू कलर की बेहद खूबसूरत ड्रेस पहनी हुई है, वहीं संकेत कैजुअल में नजर आ रहे हैं।

एक तस्वीर में संकेत सुगंधा को किस करते भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा– किनारे को छूने वाली हर लहर मुझे हमारे साथ बिताए हर पल की याद दिलाती है, कभी वो पल शांत थे, कभी जोशीले, लेकिन हमेशा खास और खूबसूरत रहे। आज हम सिर्फ एक और साल नहीं मना रहे, बल्कि उस रिश्ते का जश्न मना रहे हैं जो हर दिन और भी मजबूत होता जा रहा है, जैसे हर डूबता सूरज हमारे प्यार को और गहरा बना देता है। तुम्हारा शुक्रिया... तुम मेरी शांति भी हो, रोमांच भी हो, और मेरा घर भी। हैप्पी एनिवर्सरी माय लव

बता दें कि सुगंधा ने 26 अप्रैल 2021 को संकेत भोसले के साथ सात फेरे लिए थे। सभी रस्में लुधियाना में हुई थीं। संकेत पेशे से स्किन स्पेशलिस्ट (डॉक्टर) हैं और कमीडियन भी हैं। उन्हें कई बार द कपिल शर्मा शो में संजय दत्त की मिमिक्री करते हुए भी देखा गया है। इसी शो में सुगंधा भी टीचर विद्यावती के रोल में दर्शकों को हंसाती थीं। अपनी प्रेम कहानी दोनों कई बार विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर बता चुके हैं। उनकी लव स्टोरी डेटिंग अफवाहों के बाद शुरू हुई थी। अफवाह थी कि सुगंधा और संकेत एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, जबकि उस वक्त ऐसा कुछ नहीं था, लेकिन जब खबरें आने लगीं तो दोनों के मन में एक-दूसरे के लिए फीलिंग्स आनी शुरू हो गईं। वहीं फैमिली भी अफवाहों को सच मानकर उन पर शादी का दबाव बनाने लगी। जिसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। कपल की एक बेटी भी है, जिसका जन्म 15 दिसंबर 2023 को हुआ। उन्होंने अपनी बेटी का नाम इहाना रखा है।

रोहिणी नक्षत्र, सर्वार्थसिद्धि योग, शोभन योग और रवि योग में मनाई जाएगी अक्षय तृतीया

स्नान-दान से मिलेगा अक्षय पुण्य

आज अक्षय तृतीया है। इस दिन परशुराम जयंती भी मनाई जाती है। इसे अक्षय तृतीया और आखा तीज कहते हैं। अक्षय यानी जिसका कभी क्षय नहीं होता है। इस तिथि पर किए गए शुभ कामों से मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। ग्रंथों के मुताबिक इसी दिन सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत हुई थी। इस दिन किया गया जप, तप, ज्ञान, स्नान, दान, होम आदि अक्षय रहते हैं। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया 30 अप्रैल को है। इसे अक्षय तृतीया और आखा तीज कहा जाता है। हर वर्ष वैशाख शुक्ल की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाले अक्षय तृतीया के दिन रोहिणी और मृगशिरा नक्षत्र का संयोग है। इस साल अक्षय तृतीया पर बेहद ही शुभ संयोग बनने जा रहा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ शोभन और रवि योग का संयोग बन रहा है। अक्षय तृतीया पर सर्वार्थ सिद्धि योग पूरे दिन रहेगा। इसके साथ ही लक्ष्मी नारायण राज योग का निर्माण हो रहा है। मान्यताओं के अनुसार इस योग में धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करने और सोना खरीदने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इस दिन किए गए व्रत-उपवास और दान-पुण्य से अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी ऐसा पुण्य जिसका कभी क्षय (नष्ट) नहीं होता है। अक्षय तृतीया पर जल का दान जरूर करना चाहिए। साल में चार अबूझ मुहूर्त आते हैं। इन मुहूर्त में विवाह आदि सभी मांगलिक कार्य बिना शुभ मुहूर्त देखे किए जा सकते हैं। ये चार अबूझ मुहूर्त हैं - अक्षय तृतीया, देवउठनी एकादशी, वसंत पंचमी और भड़ली नवमी। ये चारों तिथियां किसी भी शुभ काम की शुरुआत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ मानी गई हैं। शुभ संयोग और ग्रहों की विशेष स्थिति में अक्षय तृतीया पर दान करने से पुण्य की प्राप्ति होगी। इस दिन जल से भरे कलश पर फल रखकर दान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन अबूझ मुहूर्त में किसी भी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया को एक शुभ मुहूर्त और महत्वपूर्ण तिथि माना जाता है। अक्षय तृतीया के त्योहार को आखा तीज कहा जाता है। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर यह पर्व मनाया जाता है। इस तिथि पर सभी तरह के मांगलिक और शुभ कार्य किया जा सकता है। अक्षय तृतीया के दिन खरीदारी करना बेहद शुभ होता है। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा है। इस दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इसलिए इसे परशुराम तीज भी कहते हैं। इसी दिन भगवान विष्णु ने नर और नारायण के रूप में अवतार लिया था।

अक्षय तृतीया धर्म-कर्म के साथ ही दान-पुण्य करने का महापर्व है। इस दिन घर के लिए जरूरी सामान की खरीदारी करने का भी विशेष महत्व है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के व्रत-उपवास और दान-पुण्य से अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी ऐसा पुण्य जिसका कभी क्षय (नष्ट) नहीं होता है। ज्यादा दान न कर सके तो इस दिन कम से कम जल का दान जरूर करना चाहिए। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजें लंबे समय तक खराब नहीं होती हैं। इस तिथि पर सोना-चांदी खरीदने की परंपरा भी है।

शुभ समय

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने के लिए शुभ समय 30 अप्रैल को सुबह 5:41 मिनट से लेकर दोपहर 2:12 मिनट तक है। इस दौरान सोने की खरीदारी कर सकते हैं। इसके साथ ही 29 अप्रैल की शाम के भी सोने की खरीदारी कर सकते हैं।

शुभ योग

अक्षय तृतीया पर दुर्लभ शोभन योग का संयोग बन रहा है। शोभन योग का समापन दोपहर 12:02 मिनट पर होगा। साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है। इस योग में खरीदारी करने से शुभ फल मिलेगा। साथ ही शुभ काम में सिद्धि मिलेगी। रात्रि के समय रवि योग का निर्माण हो रहा है। भगवान परशुराम का भी जन्मोत्सव भी मनाया जाएगा अक्षय तृतीया के दिन रोहिणी और मृगशिरा नक्षत्र का संयोग है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ शोभन और रवि योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही लक्ष्मी नारायण राज योग का निर्माण हो रहा है। मान्यताओं के अनुसार इस योग में धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करने और सोना खरीदने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

पितरों की तृप्ति का पर्व

इसी दिन बद्रीनाथ धाम के पट खुलते हैं। अक्षय तृतीया पर तिल सहित कुश के जल से पितरों को जलदान करने से उनकी अनंत काल तक तृप्ति होती है। इस तिथि से ही गौरी व्रत की शुरुआत होती है। जिसे करने से अखंड सौभाग्य और समृद्धि मिलती है। अक्षय तृतीया पर गंगास्नान का भी बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने या घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

तीर्थ स्नान और अन्न-जल का दान

इस शुभ पर्व पर तीर्थ में स्नान करने की परंपरा है। ग्रंथों में कहा गया है कि अक्षय तृतीया पर किया गया तीर्थ स्नान जाने-अनजाने में हुए हर पाप को खत्म कर देता है। इससे हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं। इसे दिव्य स्नान भी कहा गया है। तीर्थ स्नान न कर सकें तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहा सकते हैं। ऐसा करने से भी तीर्थ स्नान का पुण्य मिलता है। इसके बाद अन्न और जलदान का संकल्प लेकर जरुरतमंद को दान दें। ऐसा करने से कई यज्ञ और कठिन तपस्या करने जितना पुण्य फल मिलता है।

दान से मिलता है अक्षय पुण्य

अक्षय तृतीया पर घड़ी, कलश, पंखा, छाता, चावल, दाल, घी, चीनी, फल, वस्त्र, सत्तू, ककड़ी, खरबूजा और दक्षिणा सहित धर्मस्थान या ब्राह्मणों को दान करने से अक्षय पुण्य फल मिलता है। अबूझ मुहूर्त होने के कारण नया घर बनाने की शुरुआत, गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठा जैसे शुभ कामों के लिए भी ये दिन खास माना जाता है।

अक्षय तृतीया

तृतीया तिथि आरंभ: 29 अप्रैल, सायं 05: 31 मिनट पर

तृतीया तिथि समाप्त: 30 अप्रैल,दोपहर 02:31 मिनट पर

उदया तिथि के अनुसार अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को मनाई जाएगी।

ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का प्राकट्य दिवस

अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहते हैं। अक्षय का अर्थ है, जिसका क्षय न हो। इस तृतीया का विष्णु धर्मसूत्र, भविष्य पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण में उल्लेख है। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का इसी दिन प्राकट्य दिवस रहता है। दान के लिए खास दिन इस दिन अन्न व जल का दान करना शुभ माना है। खास कर जल से भरा घड़ा या कलश किसी मंदिर या प्याऊ स्थल पर जाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से सुखसमृद्धि बढ़ती है। इस दिन प्रतिष्ठान का शुभारंभ, गृह प्रवेश व अन्य मंगलकार्य करना विशेष फलदायी रहता है।

भगवान विष्णु ने लिए कई अवतार

अक्षय तृतीया को चिरंजीवी तिथि भी कहा जाता है, क्योंकि इसी तिथि पर भगवान विष्णु के अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था। परशुराम जी चिरंजीवी माने जाते हैं यानी ये सदैव जीवित रहेंगे। इनके अलावा भगवान विष्णु के नर-नरायण, हयग्रीव अवतार भी इसी तिथि पर प्रकट हुए थे।

विष्णु-लक्ष्मी की विशेष पूजा

अक्षय तृतीया पर सुबह जल्दी उठें और स्नान आदि के बाद घर के मंदिर में विष्णु जी और लक्ष्मी जी पूजा करें। सबसे पहले गणेश पूजन करें। इसके बाद गाय के कच्चे दूध में केसर मिलाकर दक्षिणावर्ती शंख में भरकर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की प्रतिमाओं का अभिषेक करें। इसके बाद शंख में गंगाजल भरकर उससे भगवान विष्णु जी और देवी लक्ष्मी का अभिषेक करें। भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी को लाल-पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। हार-फूल, इत्र आदि अर्पित करें। खीर, पीले फल या पीली मिठाई का भोग लगाएं। पीपल में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसलिए इस दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं। किसी मंदिर में या जरूरतमंद लोगों को अन्न-जल, जूते-चप्पल, वस्त्र, छाते का दान करें। सूर्यास्त के बाद शालिग्राम के साथ ही तुलसी के सामने गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाएं। अक्षय तृतीया पर किसी सामूहिक विवाह में धन राशि भेंट करें। किसी अनाथ बालिका की शिक्षा या उसके विवाह में आर्थिक मदद करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

अक्षय तृतीया पर यह निम्न उपाय करने से पूरे साल बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

पूजा और सोना खरीदने का शुभ मुहूर्त

अक्षय तृतीया, जिसे आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में यह बहुत महत्वपूर्ण और शुभ दिन माना जाता है। यह वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन किए गए किसी भी शुभ काम का फल अक्षय रहता है। इस साल यह पर्व 30 अप्रैल, 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। यह दिन नए कामों की शुरुआत, विवाह, गृह प्रवेश और सोना-चांदी जैसी चीजों की खरीदारी के लिए बहुत ही शुभ माना जाता हैं।

सोना खरीदने और पूजन का शुभ मुहूर्त

अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदन के लिए शुभ समय सुबह 05 बजकर 41 मिनट से लेकर दोपहर 02 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। वहीं, पूजा के लिए मुहूर्त) सुबह 05 बजकर 41 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक रहेगा।

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय तृतीया के दिन पूजा का विशेष महत्व है। भक्त इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। उन्हें फल, फूल, मिठाई और तुलसी दल अर्पित करते हैं। कई घरों में इस दिन विशेष हवन और दान-पुण्य के कार्य भी किए जाते हैं। अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदना एक महत्वपूर्ण परंपरा है। माना जाता है कि इस दिन सोना खरीदने से भविष्य में धन और समृद्धि में वृद्धि होती है।

पूजा सामग्री –रोली (कुमकुम), चावल (अक्षत), फूल (गुलाब, कमल, चमेली आदि),धूप,दीप (घी या तेल का), नैवेद्य (मिठाई, फल, खीर या जौ का सत्तू), तुलसी दल, पीला चंदन, गंगाजल

अक्षय तृतीया पूजा विधि

हाथ में जल, अक्षत और फूल लेकर अक्षय तृतीया की पूजा का संकल्प लें। भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी का ध्यान करते हुए उनका आह्वान करें। अगर संभव हो तो भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का पंचामृत से अभिषेक करें। फिर शुद्ध जल से स्नान कराएं। लाल रंग के वस्त्र अर्पित करें और उनका शृंगार करें। भगवान विष्णु को पीला चंदन और माता लक्ष्मी को कुमकुम का तिलक लगाएं। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को फूल अर्पित करें। पूजा में तुलसी दल जरूर शामिल करें। धूप और दीप जलाएं। सत्तू, खीर, मिठाई और ऋतु फल अर्पित करें। इन मंत्रों ॐ नमो भगवते वासुदेवाय , ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमो नमः का जाप करें। अंत में आरती करें।इसके बाद पूजा में हुई भूल-चूक के लिए माफी मांगे।

आज घर लाएं यह वस्तुएं, मिलेगा अक्षय फल

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया को विशेष महत्व दिया जाता है, क्योंकि ऐसा माना गया है कि इस दिन किए गए कार्य शुभ कार्यों का व्यक्ति को अक्षय फल मिलता है, यानी इसका पुण्य कभी कम नहीं होता।

जरूर खरीदें ये चीजें –सोने के अलावा आप अक्षय तृतीया के दिन चांदी से बने आभूषण या फिर मूर्ति भी खरीदकर घर ला सकते हैं। इसी के साथ आप शुभ परिणामों के लिए इस दिन पर पीतल, कांसे या फिर मिट्टी के बर्तन के साथ-साथ कलश भी खरीदकर अपने घर ला सकते हैं।

मिलेगा शुभ फल–अक्षय तृतीया के दिन संपत्ति जैसे घर, दुकान या मकान आदि के साथ-साथ वाहन और फर्नीचर आदि भी खरीद सकते हैं। ऐसा करना काफी शुभ फलदायी माना जाता है। कुछ धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पर नए कपड़े और किताबों खरीदना भी काफी शुभ होता है।

मिलेगी मां लक्ष्मी की कृपा– अगर आप अक्षय तृतीया के दिन के दिन पीली कौड़ी अपने घर लाते हैं, तो इससे देवी लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आखा तीज पर जौं या फिर पीली सरसों खरीदकर घर लाना भी विशेष फलदायी माना जाता है।

क्या नहीं खरीदना चाहिए – अक्षय तृतीया पर भूल से भी एल्युमिनियम, स्टील या प्लास्टिक के बर्तन नहीं खरीदने चाहिए। ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। इसी के साथ अगर आप अक्षय तृतीया पर कपड़े खरीद रहे हैं, तो इस दिन भूलकर भी काले रंग के कपड़े न खरीदें। वहीं अक्षय तृतीया पर कांटेदार पेड़-पौधों घर लाना भी शुभ नहीं माना जाता।

देवी लक्ष्मी को लगाएं इन वस्तुओं का भोग

अक्षय तृतीया का पर्व धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। यह दिन माता लक्ष्मी की पूजा के लिए समर्पित है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाने वाली यह तिथि स्वयं सिद्ध मुहूर्त है, जिसमें किए गए सभी काम सफल होते हैं। इस पावन दिन मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और उन्हें प्रसन्न करने के लिए तरह-तरह के भोग अर्पित किए जाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर देवी लक्ष्मी को उनकी प्रिय वस्तुओं का भोग लगाने से पूरे साल घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती और सुख-समृद्धि बनी रहती है, तो आइए यहां देवी के प्रिय भोग के बारे में जानते हैं।

मां लक्ष्मी के प्रिय भोग

खीर – खीर मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। अक्षय तृतीया के दिन गाय के दूध से बनी खीर में केसर, मेवे और इलायची डालकर भोग लगाना शुभ माना जाता है। इससे मां खुश होकर सुख-शांति का वरदान देती हैं।

हलवा – सूजी या आटे का हलवा भी मां लक्ष्मी को अर्पित किया जा सकता है। देवी को इसे चढ़ाने से घर में बरकत बनी रहती है।

श्रीफल – नारियल को श्रीफल कहा जाता है और यह मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है।

अक्षय तृतीया के दिन नारियल या उससे बनी मिठाई का भोग लगाना बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इसे अर्पित करने से घर में धन की कमी नहीं रहती है।

कमल गट्टे – कमल गट्टे मां लक्ष्मी को बहुत प्रिय हैं। पूजा में इनका प्रयोग और भोग लगाने से धन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

सफेद रंग की मिठाई – मां को सफेद रंग की मिठाई जैसे पेड़ा या बर्फी भी चढ़ाया जा सकता है। इससे घर में शांति और समृद्धि बनी रहती है।

तुलसी दल – भोग में तुलसी दल अवश्य डालें, क्योंकि भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी दोनों को ही तुलसी बेहद प्रिय हैं।

भोग का महत्व – अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी को उनका प्रिय भोग अर्पित करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में कभी धन, धान्य, सुख और समृद्धि की कमी नहीं होती है। यह दिन माता लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए उत्तम माना जाता है।

ऐसे में इस दिन माता रानी की श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा करें और उन्हें उनकी प्रिय चीजें चढ़ाएं। इससे पूरे साल आपके घर में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।

अक्षय तृतीया पर राशि अनुसार रत्न खरीदने से मिलती है समृद्धि और सफलता

अक्षय तृतीया को हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ और फलदायी तिथि माना जाता है। इस दिन किए गए कार्यों का अक्षय फल मिलता है, यानी इसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है। अक्षय तृतीया यानी आखा तीज पर सोना-चांदी जैसी कीमती धातुएं खरीदने की परंपरा है, जिससे घर में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। खासतौर पर इस दिन न सिर्फ सोना-चांदी, बल्कि जमीन-जायदाद या रत्न खरीदना बहुत ही शुभ माना जाता है। यदि आप इस अक्षय तृतीया 2025 पर अपनी राशि के अनुसार रत्न खरीदते हैं, तो यह आपके जीवन में सौभाग्य, समृद्धि और सफलता ला सकता है।

राशिनुसार शुभ रत्न

मेष राशि – इस राशि के जातकों के लिए मूंगा या हीरा पहनना शुभ होता है। मूंगा साहस और आत्मबल बढ़ाता है, जबकि हीरा वैवाहिक जीवन में मिठास लाता है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि वालों को हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। यह रत्न आर्थिक तंगी से उबरने और जीवन में विलासिता बढ़ाने में सहायक होता है।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के लिए पन्ना रत्न अत्यंत लाभकारी है। यह बुद्धिमत्ता, संवाद कौशल और आत्मविश्वास में वृद्धि करता है।

कर्क राशि – इस राशि के लोगों को मोती पहनना चाहिए। यह मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और पारिवारिक सुख बढ़ाने में मदद करता है।

सिंह राशि – सिंह राशि के लिए माणिक रत्न अत्यंत शुभ माना जाता है। यह आत्म-विश्वास, नेतृत्व क्षमता और यश प्राप्ति में सहायक होता है।

कन्या राशि – कन्या राशि वालों को पन्ना रत्न धारण करना चाहिए। यह व्यवसायिक उन्नति और आय में वृद्धि के योग बनाता है।

तुला राशि – तुला राशि के लिए हीरा रत्न लाभकारी होता है। यह संबंधों में मधुरता और वैभव में वृद्धि करता है।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि वालों को मूंगा रत्न पहनने से साहस, आत्मबल और निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि होती है।

धनु राशि – धनु राशि के लिए पुखराज रत्न सबसे उत्तम है। यह ज्ञान, धन, सुख और समृद्धि का प्रतीक है।

मकर राशि – मकर राशि वालों को नीलम धारण करने से अचानक लाभ, उन्नति और प्रतिष्ठा मिल सकती है।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के लिए भी नीलम रत्न शुभ होता है। यह करियर में स्थायित्व और सकारात्मक परिणाम दिलाता है।

मीन राशि – मीन राशि के लिए पुखराज शुभ माना गया है। यह रत्न आध्यात्मिकता, ज्ञान और समृद्धि में सहायक होता है।

रत्न धारण करते हुए इन बातों का रखें ध्यान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार रत्न बहुत शक्तिशाली होते हैं, लेकिन इन्हें बिना विशेषज्ञ की सलाह के पहनना नुकसानदायक हो सकता है। जैसे मूंगा अगर सूट न करे तो जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है, हीरा आर्थिक नुकसान और नीलम शारीरिक पीड़ा दे सकता है। रत्न धारण करने के बाद बार-बार उतारना नहीं चाहिए, इससे उसका असर कम हो जाता है। खंडित या रंग बदले हुए रत्न कभी न पहनें। किसी और का रत्न न पहनें और न ही अपना किसी को दें। रत्न ऐसा पहनें कि वह त्वचा से स्पर्श करता रहे, तभी उसका पूरा लाभ मिल पाता है।

आज के दिन गृह प्रवेश करना शुभ

अक्षय तृतीया स्वयं ही एक शुभ मुहूर्त है, लेकिन फिर भी आप और अधिक विशिष्ट मुहूर्त चाहते हैं, तो पंडित से सलाह ले सकते हैं। गृह प्रवेश की पूजा विधि-विधान से करें। नए घर में प्रवेश करते समय तांबे के कलश में जल भरकर और उसमें कुछ सिक्के, हल्दी और कुमकुम डालकर प्रवेश करें। घर में प्रवेश करते समय मंगल गीत गाएं और शंख नाद करें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

नए घर में प्रवेश करते समय दाहिना पैर पहले अंदर रखें। गृह प्रवेश के दिन नए घर में खीर या कोई मीठी चीज जरूर बनाएं। घर में पर्याप्त रोशनी रखें।

गृह प्रवेश से पहले घर को अच्छी तरह से साफ कर लें। घर के वास्तु के अनुसार ही सभी चीजें व्यवस्थित करें। अपनी श्रद्धा अनुसार ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान-दक्षिणा दें।

संपादकीय

'आतंकिस्तान' का कबूलनामा

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रहस्योद्‌घाटन किया है कि पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों के लिए आतंकवाद जैसा 'गंदा धंधा' कर रहा था। हमने आतंकियों को पालने-पोसने, टेऊनिंग देने और पैसा देने का काम किया है। जाहिर है कि पाकिस्तान में आतंकी संगठन सक्रिय रहे हैं। हमने बहुत बड़ी गलती की है, जिसका खामियाजा हमने भुगता है। हमने सोवियत संघ के खिलाफ 1980 और 90 के दशक में और फिर न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद अमरीका का सहयोग नहीं किया होता, तो आज हमारा 'टैऊक रिकार्ड' (आतंकवाद के मामले में) कहीं बेहतर होता! पाक रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान में अमरीका ने सोवियत संघ के खिलाफ जंग में आतंकियों को खुलकर समर्थन दिया था।' बहरहाल सोवियत संघ का अस्तित्व खत्म हो चुका है। अमरीकी सेनाओं के अफगानिस्तान को छोड़ कर गए कई साल गुजर चुके। जो तालिबान वैश्विक पटल पर 'आतंकवादी' थे, वे आज अफगानिस्तान में हुकूमत कर रहे हैं, लेकिन आज अफगानिस्तान पाकिस्तान को 'नंबर 1 दुश्मन' मानता है और सरहद पर लड़ाई जारी है। वैसे तो पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की कीमत दो टके की है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके कबूलनामे को मान्यता दी जाएगी। उन्होंने अमरीका के 'स्काई टीवी' के एक लाइव शो में यह कबूला है कि पाकिस्तान आतंकियों का मुल्क है। बहरहाल पाकिस्तान के मौजूदा हालात के मद्देनजर यह 'नंगई वाला बयान' है। अफगानिस्तान में लडऩे के बाद पाकिस्तान के आतंकियों और उनके आकाओं को एहसास हुआ कि वे भारत के खिलाफ जेहाद का इस्तेमाल कर सकते हैं, लिहाजा 90 के दशक से वर्ष 2000 तक दुनिया में जहां भी आतंकी हमले हुए, वहां पाकिस्तान की मौजूदगी और उसके सबूत पाए गए। भारत में भी जेहाद की आड़ में पाकपरस्त आतंकवाद और कश्मीर में अलगाववाद 90 के दशक में ही पनपे और फैलते गए। पाकिस्तान में आतंकियों को जेहादी ही नहीं, मुल्क के नायक और स्वतंत्रता सेनानी तक माना जाता रहा है। जिन आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में नरसंहार किया था, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इसहाक डार उन्हें भी 'स्वतंत्रता सेनानी' मान रहे हैं। फिर वह संभावना जताने लगते हैं। चूंकि पाकिस्तान 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' (फाट्फ) को लिखित आश्वासन दे चुका है कि उनके मुल्क में आतंकी मौजूद नहीं हैं और न ही हुकूमत आतंकी संगठनों को पैसा और पनाह देती है। पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान में जो खलबली मची है, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों में स्थित मस्जिदें और मदरसे खाली कराए गए हैं। करीब 200 एकड़ में फैले लश्कर के मदरसों में पढऩे वाले करीब 2000 छात्र और मौलवी-मौलाना वहां से चले गए हैं। आतंकियों और छात्रों-मौलानाओं को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। पाकिस्तान में ऐसा किस खौफ और संभावित हमले के मद्देनजर किया गया है? खबर तो यह भी है कि लश्कर के सरगना हाफिज सईद को एबटाबाद के 'आईएसआई सेफ हाउस' में रखा गया है। इसी इलाके में अलकायदा का सरगना ओसामा बिन लादेन छिपा था, जहां अमरीका के कमांडो सैनिकों ने उसे ढेर किया था।

पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों के लिए आतंकवाद जैसा 'गंदा धंधा' कर रहा था। हमने आतंकियों को पालने-पोसने, टेऊनिंग देने और पैसा देने का काम किया है। जाहिर है कि पाकिस्तान में आतंकी संगठन सक्रिय रहे हैं। हमने बहुत बड़ी गलती की है, जिसका खामियाजा हमने भुगता है। हमने सोवियत संघ के खिलाफ 1980 और 90 के दशक में और फिर न्यूयॉर्क में 9/11 आतंकी हमले के बाद अमरीका का सहयोग नहीं किया होता, तो आज हमारा 'टैऊक रिकार्ड' (आतंकवाद के मामले में) कहीं बेहतर होता! पाक रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान में अमरीका ने सोवियत संघ के खिलाफ जंग में आतंकियों को खुलकर समर्थन दिया था।' बहरहाल सोवियत संघ का अस्तित्व खत्म हो चुका है। अमरीकी सेनाओं के अफगानिस्तान को छोड़ कर गए कई साल गुजर चुके। जो तालिबान वैश्विक पटल पर 'आतंकवादी' थे, वे आज अफगानिस्तान में हुकूमत कर रहे हैं, लेकिन आज अफगानिस्तान पाकिस्तान को 'नंबर 1 दुश्मन' मानता है और सरहद पर लड़ाई जारी है।

कश्मीर को सुरक्षित माने जाने से कश्मीर में देश और दुनिया के पर्यटकों के कदम तेजी से बढऩे लगे

कश्मीर में पर्यटन पर आतंकी आघात

डा. जयंतीलाल भंडारी

कश्मीर में लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन है। अब इस आतंकी हमले के बाद कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या दम तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल व फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे है। इसका सीधा असर स्थानीय कश्मीरी लोगों और वहां के पर्यटन उद्योग और कारोबार पर दिखाई देने लगा है।

यकीनन 22 अप्रैल को कश्मीर की सबसे खूबसूरत वादियों में से एक और भारत का स्विटजरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में 26 पर्यटकों को क्रूरतापूर्वक मारे जाने के आतंकी हमले ने जम्मू-कश्मीर में उभरते हुए पर्यटन क्षेत्र को करारा झटका दिया है। साथ ही इस हमले ने कश्मीर में पर्यटन से जुड़े लाखों कश्मीरियों के जीवन में निराशा की काली चादर ढंक दी है। कश्मीर में लगभग 5 लाख लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन उद्योग-कारोबार में रोजगार मिला हुआ है। इनमें से अधिकांश के लिए टैक्सी सर्विस, होटल, गाइड, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां जीविका का साधन है। अब इस आतंकी हमले के बाद कश्मीर में रिकार्ड तोड़ती पर्यटकों की संख्या दम तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक अपनी होटल व फ्लाइट बुकिंग कैंसिल करा रहे है। इसका सीधा असर स्थानीय कश्मीरी लोगों और वहां के पर्यटन उद्योग और कारोबार पर दिखाई देने लगा है। गौरतलब है कि 1990 के दशक में जब कश्मीर में आतंकवाद ऊंचाई पर था और जब कश्मीरी पंडित कश्मीर छोडक़र जा रहे थे, तब कश्मीर में पर्यटकों की संख्या नगण्य हो गई थी, लेकिन कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और विधानसभा चुनाव के बाद कश्मीर को सुरक्षित माने जाने से कश्मीर में देश और दुनिया के पर्यटकों के कदम तेजी से बढऩे लगे। पर्यटन की ताकत के दम पर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तेजी से बढने लगी। वर्ष 2024-25 में कश्मीर की विकास दर 7 फीसदी से अधिक रही है। साथ ही कश्मीर का सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) करीब 2.65 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यहां के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी करीब 11 फीसदी बढक़र डेढ़ लाख रुपए से अधिक हो गई है। बेरोजगारी दर भी घटी है। यदि हम पर्यटकों की संख्या देखें तो यह वर्ष 2020 में करीब 34 लाख थी। वर्ष 2023 में जम्मू और कश्मीर में 2.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। यह संख्या वर्ष 2024 में बढक़र 2.36 करोड़ पहुंच गई, जो एक रिकार्ड है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि इस समय कश्मीर के पर्यटन उद्योग का आकार लगभग 12 हजार करोड़ रुपए का है। कश्मीर में आर्थिक गतिविधियों के दायरे में वृद्धि होने से जम्मू-कश्मीर की आर्थिकी में सेवा क्षेत्र का योगदान करीब 61 फीसदी हो गया है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह करीब 55 फीसदी ही है। कश्मीर में गैर कर राजस्व (एनटीआर) में पर्यटन क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढक़र 25 फीसदी से अधिक हो गई है। लेकिन अब इस आतंकी हमले ने कश्मीर के पर्यटन पर ब्रेक लगा

दिया है। पहलगाम आतंकी हमले ने वर्ष 2019 में कश्मीर के पुलवामा में हुए आत्मघाती आतंकी हमले की याद दिला दी है, जिसके कारण कश्मीर में पर्यटन को बड़ा झटका लगा था और 2019 में कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या घटकर आधी रह गई थी। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कश्मीर पर कई आर्थिक चुनौतियां लेकर आया है। कश्मीर का बढ़ता हुआ पर्यटन उद्योग कश्मीर की नई आर्थिक शक्ति है। यदि हम एक दशक पहले के कश्मीर की आर्थिकी को देखें तो पाते हैं कि कश्मीर की आर्थिकी में केंद्र सरकार के द्वारा दिए गए संसाधनों की अधिक भूमिका रही है। जम्मू-कश्मीर के अधिकांश लोग जीवन निर्वाह के लिए परंपरागत कृषि कार्य में लगे हुए दिखाई देते हैं। लेकिन उनकी कृषि में परंपरागत साधनों का ही उपयोग किया जाता रहा है। यद्यपि कश्मीरी लोग चावल, मक्का, गेहूं, जौ, दालें, तिलहन तथा तम्बाकू आदि उत्पादित करते हैं। साथ ही कश्मीर में बड़े-बड़े बागों में सेब, नाशपाती, आडू, शहतूत, अखरोट और बादाम उगाए जाते है, लेकिन इन सबकी उत्पादकता बहुत कम है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में देशी और विदेशी पर्यटकों के बढऩे का परिणाम यह रहा है कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में सुधार होने लगा है। कश्मीर के हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों का विकास दिखाई देने लगा है। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख हस्तशिल्प उत्पादों में कागज़ की लुगदी से बनी वस्तुएं, लकड़ी पर नक्काशी, कालीन, शॉल और कशीदाकारी का सामान आदि शामिल हैं। कश्मीर के प्रसिद्ध पश्मीना का उत्पादन यहीं पाली जाने वाली बकरियों से होता है। रेशम पालन भी कश्मीर में बहुत प्रचलित है। हस्तशिल्प उद्योग से काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित होती है। इसके साथ ही परिशुद्धता की जांच करने वाले उपकरण, धातु के बरतन, खेल का सामान, फर्नीचर, माचिस और राल व तारपीन जम्मू-कश्मीर के मुख्य औद्योगिक उत्पादन है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद देश के अन्य क्षेत्रों से इन छोटे उद्योगों एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में नई पूंजी प्राप्त होने से ये उद्योग आगे बढऩे लगे हैं। इसका फायदा यहां के लोगों को सीधे तौर पर रोजगार के अवसर के रूप में मिलने लगा है। ऐसे में कश्मीर से अपने घर को छोडक़र दूसरे राज्यों में नौकरी के लिए जाने वाले युवाओं की संख्या में कमी आने लगी है। कश्मीरी लोगों की प्रति व्यक्ति आय में इजाफा होने के साथ-साथ जीवनस्तर में सुधार होने लगा है। नया देशी-विदेशी निवेश आने से बुनियादी ढांचे, शिक्षा सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में इजाफा होने के साथ जम्मू-कश्मीर में आर्थिक-सामाजिक खुशहाली बढऩे लगी है। कश्मीर में प्रॉपर्टी के दामों में उछाल का लाभ जम्मू-कश्मीर के लोगों को मिलने लगा है। ऐसे में पहलगाम में आतंकी हमला न केवल कश्मीर के पर्यटन उद्योग की रीढ़ तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है, वरन् इससे पूरे देश में पर्यटन उद्योग और बढ़ते विदेशी पर्यटकों की संख्या पर भी असर पड़ सकता है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीसी) के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा पर्यटक क्षेत्र से आता है। भारत में पर्यटन उद्योग का आकार वर्ष 2024 में लगभग 256 अरब डॉलर रहा है। पर्यटन उद्योग भारत में करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। तेजी से बढ़ता भारत का पर्यटन उद्योग अगले 10 वर्षों में 523 अरब डॉलर का हो सकता है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पहलगाम में आतंकी हमले से निर्मित चुनौती का प्रतिकार करते हुए आतंकियों व पाकिस्तान को ऐसा सबक देगी, जिससे भविष्य में वे ऐसा दुस्साहस नहीं कर पाए। सरकार के द्वारा पाकिस्तान सहित दुनिया को यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब साफ्ट स्टेट नहीं रहा, वह वैचारिक स्तर पर भी आतंक को समूल खत्म करने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। निस्संदेह अब कश्मीर सहित पूरे देश की निगाहें सरकार के द्वारा पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के पर्यटन संबंधी दुष्परिणामों को दूर करने और पाकिस्तान और आतंकियों का दुस्साहस तोडऩे की ऐसी रणनीति पर लगी हुई है, जिससे फिर से कश्मीर सहित पूरे देश में पर्यटन की निराशायुक्त काली छाया को पर्यटन की नई आशाओं में बदला जा सके। इस बात को ध्यान में रखा जाना होगा कि कश्मीर में फिर से पर्यटकों की बहार के दम पर ही भारत में वर्ष 2030 तक विदेशी पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2047 तक भारत को एक लाख करोड़ डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था बनाने की डगर पर तेजी से आगे कदम बढाए जा सकेंगे।

दृष्टि कोण

बेरोजगारी : सही नीति निर्धारण से समाधान संभव

संपूर्ण भारतवर्ष में ही बेरोजगारी एक गंभीर तथा जटिल समस्या बनी हुई है। विभिन्न विश्वव्यापी घटनाओं तथा प्राकृतिक आपदाओं जैसे कोविड, बाढ़ आदि ने इसे और भी जटिल बना दिया है। बेरोजगारी व्यक्ति के लिए निर्धनता, समाज के लिए अपमानजनक तथा राष्ट्र के लिए मानवीय संसाधन की हानि का प्रतीक है। बेरोजगार वे व्यक्ति होते हैं जो पंद्रह से साठ वर्ष की आयु वर्ग में होते हैं और वे काम करने के इच्छुक हैं, पर उनके पास काम नहीं होता। हिमाचल प्रदेश में भी बेरोजगारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। हिमाचल में संपन्न हुए चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में राज्य में युवाओं को 5 लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का वादा किया था। इस गारंटी को पूरा करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय उप-समिति भी गठित की है। इस गारंटी को पूरा करना वर्तमान सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार की कैबिनेट उप-समिति, जो संसाधन जुटाने के सुझाव के लिए बनाई गई है, ने सरकार को अनुशंसित किया है कि हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को 58 वर्ष से 59 वर्ष किया जाए। घाटे में चले हुए कुछ उपक्रमों को बंद करने की भी सिफारिश की है। अगर सरकार इन निर्णयों को लेती है तो बेरोजगार युवा और हताश होंगे और नशाखोरी एवं नशे के कारोबार में ज्यादा संलिप्त होंगे। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में 8 लाख से भी अधिक बेरोजगार हैं। आंकड़ों के मुताबिक बेरोजगारी दर हर साल एक प्रतिशत के हिसाब से बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी के मुख्य कारण हैं-औद्योगिकीकरण की कमी, सरकारी नौकरियों पर निर्भरता, कौशल विकास की कमी, कृषि और पर्यटन में मौसमी रोजगार तथा शिक्षा का स्तर आदि। हिमाचल प्रदेश को कुदरत ने बहुत से प्राकृतिक संसाधनों से नवाजा है। अगर सही ढंग से इनका दोहन किया जाए तो यहां कोई भी बेरोजगार नहीं रहेगा। बेरोजगारी के निवारण के लिए हिमाचल प्रदेश को ठोस नीति बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए वेतनभोगी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। युवाओं को स्वरोजगार की तरफ भी अपनी रुचि को मोडऩा होगा। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार या नौकरियां भिन्न-भिन्न विभागों में खाली पड़े पदों पर पारदर्शी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बेरोजगारों को दी जा सकती हैं। इसके लिए बेरोजगार युवा पिछले कई वर्षों से प्रदर्शन करते रहे हैं। सरकारी विभागों में इस समय हजारों की संख्या में खाली पद पड़े हैं। विभिन्न विभागों में खाली पदों के होने से जनता के काम सुचारू रूप से नहीं होते। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जो भर्तियां अभी तक की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में बहुत कम हैं, बाकी पदों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरा जा रहा है। आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती न ही युवाओं के लिए सही है और न ही सरकार के लिए, क्योंकि अगर आउटसोर्सिंग के कर्मियों ने किन्हीं कारणों से काम बंद कर दिया तो सरकार के सभी दफ्तरों के काम बंद हो जाएंगे। आउटसोर्सिंग से काम की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार के साधन सीमित हैं, परंतु कृषि एवं बागबानी, पर्यटन, हाइड्रो पावर परियोजनाओं तथा खनिज क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन तथा पनबिजली दो ऐसे क्षेत्र हैं जिनका सही नीति निर्धारण कर अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सैलानियों के लिए स्वर्ग है। लोग देश और विदेशों से हिमाचल प्रदेश में पर्यटक स्थल, धार्मिक स्थल, मंदिर आदि देखने आते हैं। एक अच्छी पर्यटक नीति, अच्छी सडक़ें, हवाई हड्डे, सैलानियों के ठहरने के लिए अच्छी व्यवस्था, पर्यटकों के जान-माल और शोषण की रक्षा आदि से पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

कुछ अलग

फटी अखबार पर मीडिया

अचानक उस पैसे वाले को लगा कि छवि चमकाने के लिए एक मीडिया हाउस खोलकर अखबार से लेकर डिजीटल माध्यम चला लेना चाहिए। पैसे वाले साहूकार ने इसलिए सलाहकारों का पैनल बनाकर एक दिन मीटिंग रख दी। राजनेता मित्र को बुलाया और पूछा आपको कैसा मीडिया चाहिए, तो उत्तर मिला, 'राजनीति को अब मीडिया का बिछौना चाहिए, जिसे चिपका कर चुनाव प्रचार किया जा सके और जिसे बिछाकर सरकार चल सके। इसमें काफी किफायत और बरकत है। अगर अखबार को सियासत के जरिए बचे रहना है तो बिछना सीख ले।' यह सुनकर अखबार बिफर गई। चुनावी रैली उसे बिछा कर खाना खा रही थी कि अखबार ने चालाकी में वहां से उडऩा मंजूर कर लिया। वह उड़ती-उड़ती चुनाव प्रचार कार्यालय लौट आई। यह देखते ही वहां पार्टी के एक कार्यकर्ता ने उसे जमीन से उठाया। ठीक से झाड़ा और प्रचार के लिए मिले नोटों की गड्डियों के इर्द गिर्द लपेट दिया। अखबार की सांस घुट रही थी। उसने नोटों से पूछा, 'कहां से आए, कहां जा रहे हो।' नोट कडक़ थे, अहंकार की अकड़ से भरे थे। उन्हें अखबार का इस तरह प्रश्न पूछना पसंद नहीं आया। कल इसी अखबार के पत्रकार ने चुनावी चंदा लिया था। वे नोट भी पूरे थे। सारा साल मीडिया की रोजी-रोटी में चुनावी प्रचार होता है, तो बुरा नहीं लगता, मगर इसमें पैसे को लपेटने और बांटने के लिए गोपनीयता बरती, तो अखबार के पन्ने बोल पड़े। चुनावी फंड और अखबार की लड़ाई बढ़ गई, तो एक तरफ नेता थे, दूसरी तरफ मीडिया के मुगल थे। नेताओं ने डांटने के लहजे से दो टके की अखबारी रद्दी से पूछा, 'है तेरी इतनी औकात कि चुनाव प्रचार के सारे खर्च को ढो पाए। तेरा तो हर शब्द बिका है, तेरा तो हर मर्म बिका है।' अखबार की छाती से लिपटे नोट उसे दर्द दे रहे थे। वह जहां तक संभव था, लड़ती रही, चुनाव, चुनाव के धंधे में प्रचार और प्रचार में मीडिया के इस्तेमाल से। अंततः वो फट गई, तो कार्यकर्ता के 'हक' के पैसे गिरते-गिरते बचे। उसने नोट बचाने के लिए अखबार को और नीचे गिराने के लिए धक्का दे दिया। फटी हुई अखबार का एक हिस्सा मालिक के चरणों में, दूसरा संपादक और तीसरा पत्रकारों के पास आकर गिरा। मालिक को अखबार का टुकड़ा गर्म लगा, संपादक को बेरहम लगा, जबकि पत्रकार यह तय नहीं कर पा रहा था कि अखबार ज्यादा ठंडी है या उसका किरदार। हर किसी को अपने-अपने हिस्से की सूचना मिली थी। मालिक को मिला टुकड़ा रंगीन था, लेकिन विज्ञापन की वजह से दीन था। अखबार के इस टुकड़े में भी टुकड़े-टुकड़े विज्ञापन थे। ऐसे ज्योतिषियों के, जो मनमुटाव पर शादी तुड़ाने का यंत्र भेज सकते थे, राजनेताओं को चुनाव की टिकट और विरोधियों के छक्के छुड़ाने का विज्ञापन कर रहे थे। कोई क्रीम सारी कालिख मिटा कर सुंदर बना रही थी, तो साथ लगता विज्ञापन उचित वर ढूंढ कर ला रहा था। संपादक ने अपने हिस्से के टुकड़े को समझने के लिए पहले सामने रखे 'रुह अफजाह शरबत' का घूंट भरा, लेकिन खबर का मजा नहीं आया। पुनः मजे के लिए बाबा रामदेव का 'रोज' शरबत उस रोज भी उठा लिया। पीते ही संपादक की धडक़न तेज हो गई। उसने तुरंत अलोम-विलोम किया। फिर दंडवत मुद्रा में स्वीकार किया कि संपादक को भी बाबा हो जाना चाहिए। उसे बिना शीर्षासन चक्कर आ रहा था, क्योंकि अखबार के टुकड़े में एक और बाबा भी आंख दिखा रहा था। अखबार के उसी टुकड़े में उसे एक कोने में देश के दर्शन हुए।

देश दुनिया से

कश्मीरियों को नहीं पसंद पाकिस्तानियों का दखल

पहलगाम में गत सप्ताह जिस तरह मौत का तांडव मचा, जब आतंकवादियों ने पहचान के आधार पर छांट-छांट कर सैलानियों को गोलियों का शिकार बनाया, उससे किसी सख्त से सख्त दिल तक की रीढ़ में सिहरन दौड़ जाए। इन पर्यटकों में अधिकांश भारत के छोटे शहर जैसे कि शिवमोगा, पनवेल, विशाखापट्टनम, नेल्लोर, थाणे, करनाल, हैदराबाद, भावनगर, लोअर सुबानगिरी के ताजांग गांव, कोझीकोड जैसी जगहों से कश्मीर घूमने आए थे। जन्म से ही हमें बताया जाता है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है। अगर 2008 के मुंबई हमलों का उद्देश्य भारत के वित्तीय राजधानी को पंगु करना और इस तरह भारत को अपने घुटनों पर लाना था, तो बैसरन के अपराधियों का संदेश और भी स्पष्ट है कि मुस्लिम बहुल कश्मीर को सामान्य बनाने की कोशिश न की जाए, जो कि 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' का हृदयस्थल है और यह फलसफा जितना जायज विभाजन के वक्त था, उतना ही आज भी है। हिंदू और मुसलमान अलग-अलग हैं और उन्हें पृथक ही रहना होगा। इसलिए एक पल के लिए भी यह मत सोचिएगा कि कन्नड़, मलयाली, महाराष्ट्रीयन, गुजराती और हरियाणवी कश्मीर के मैदानों में मनमाफिक विचरेंगे और झूठमूठ मान लेंगे कि वे स्विट्ज़रलैंड में सैर कर रहे हैं– हालांकि मानने की बात कि यह इलाका स्विट्ज़रलैंड से कहीं ज्यादा खूबसूरत है- सिर्फ इसलिए कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है और इसके वर्तमान को नया स्वरूप प्रदान करना चाहती है। लेकिन अगर आप इस बारे में विचार करें, तो बैसरन का संदेश वास्तव में काफी अलग है। जिस तरह से कश्मीरी लोग इस नृशंस नरसंहार की निंदा करने के लिए उठ खड़े हुए हैं, उमर अब्दुल्ला से लेकर टट्टू की सवारी करवाकर रोजी-रोटी कमाने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार तक, जिसने एक आतंकवादी के हाथ से बंदूक छीनने की कोशिश की और आतंकी ने उसे मार डाला। इससे यह स्पष्ट संदेश गया कि हफ्ते का दिन कोई भी हो, कश्मीरी आवाम अलगाववाद के प्रयोजन को बढ़ावा देने वाले ढोंगियों की बजाय शांति बनाए रखने को तरजीह देना चाहता है। जब से समूची मुस्लिम बहुल घाटी में 'आज़ादी' के नारे गूंजने के बाद कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था और बाद के तमाम सालों में विद्रोही गतिविधियां जारी रहीं, 35 वर्षों में यह पहली बार है जब कश्मीर के मुसलमान एक बार फिर से तथाकथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के मलबे पर थूक रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने यह 1947 में किया था, जिसने घुसपैठिए भेजने वाला नव-स्वतंत्र पाकिस्तान को नाराज़ कर डाला। फिर भारतीय सेना को कारगिल की चोटियों पर काबिज हुए घुसपैठियों की पहली सूचना देकर उन्होंने 1999 में भी यही किया। आज फिर से वही कर रहे हैं। यह सच है कि 2019 में अनुच्छेद-370 को बहुत ही असहज तरीके से हटाया गया, जिसके कारण बहुत लोगों को कर्फ्यू के कारण लंबे समय तक अपने ही घरों में कैद रहना पड़ा था। साथ ही,

संवैधानिक रूप से गारंटी के रूप में प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन का आक्षेप है। लगा कि आम कश्मीरी के पास खुलकर सांस लेने की जगह बहुत कम बची। लेकिन, अंततः मांएं और बच्चे पार्कों में बेधड़क बैठकर दिन भर की घटनाओं पर गप-शप करने की साधारण किंतु कीमती आजादी का अनुभव कर पाए। बच्चे फिर से स्कूल जाने लगे और स्कूल की दीवारें इतनी छोटी हैं कि आप उन्हें अंदर फुटबॉल खेलते हुए देख सकते हैं। श्रीनगर में झेलम के तट पर काले हिजाब में महिलाएं पुरुष साथियों के साथ बैठकर आइसक्रीम का लुत्फ लेते दिखाई देती हैं। शेष हिंदुस्तान अमीर खुसरो की जन्नत की ओर उमड़ने लगा, पिछले साल दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। इन दिनों, आत्म-सम्मान, स्वायत्तता और श्रीनगर-जम्मू और दिल्ली के बीच अक्सर तनावपूर्ण संबंधों को लेकर चलने वाली बहस पर ध्यान कुछ हटा हुआ है। फिलहाल जिस मुद्दे पर बहसें होती रहती हैं और जिस पर चर्चा घूम फिर कर वहीं आ जाती है– उसकी वजह मुख्यतः इस तथ्य पर है कि शांतिपूर्ण चुनाव के सात महीने बाद भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया। अब जब राज्यवासी भी देश के बाकी हिस्सों के साथ शोक मना रहे हैं, कश्मीरी लोग पाकिस्तानियों से कह रहे हैं कि न सिर्फ़ वे अपने काम से मतलब रखें, बल्कि उनसे दूर रहें और अकेला छोड़ दें। पाकिस्तान के भीतर की प्रतिक्रिया पर भी ध्यान दें। उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार को भारत के इस आरोप का बचाव करने के लिए विदेशी मीडिया के सामने उतारा गया कि नरसंहार करने वाले आतंकवादी पाकिस्तानी हैं। आरोप नकारने को उन्होंने यह कहकर समाप्त किया कि असली मुद्दा यह है कि 'कश्मीर प्रश्न' एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है और इसे 1949 के संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए। शायद डार ने यह गौर नहीं किया कि इस सप्ताह की शुरुआत में पहलगाम नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रोष मार्चों में भाग लेकर कश्मीरियों ने उनके लिए इस प्रश्न को हल कर दिया है, जो 'मेरे नाम पर नहीं' से शुरू हुआ और समाप्त हुआ। पाकिस्तानी मीडिया भी यही खबरें दे रहा है कि यह एक घरेलू नाकामी छिपाने का 'छद्म अभियान' है, अर्थात् केंद्र सरकार की घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए भारतीय एजेंसियों ने खुद ऐसा किया। तब तो कोई भी हैरान हो सकता है कि अगर अजमल कसाब जिंदा पकड़ा नहीं गया होता, तो मुंबई हमले का जिम्मेवार कौन होता। वैसे भी, इस कांड के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए पाकिस्तान में कोई कदम नहीं उठाया गया है। 17 साल गुजर चुके हैं, लेकिन इसके मास्टरमाइंड आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। फिर भी, इस बड़े खेल का एक नया अध्याय पहले से ही शुरू हो चुका है। जहां भारत और अमेरिका एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं, वहीं गौरतलब है कि चीन ने अभी तक पहलगाम हमले की निंदा नहीं की है, सिवाय भारत में चीनी राजदूत के एक ट्वीट के। स्पष्ट रूप से, चीन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इस मुद्दे पर सघन वार्ता पर नज़र रखे हुए होगा।

आप का नजरिया

पुलिसकर्मी की भूमिका का नूर

पुलिस महकमे से पुलिस कर्मी के आंगन तक सुधार की गुंजाइश का एक नजरिया, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश से निकला है। माननीय अदालत ने पुलिस पहरे की शिनाख्त में श्रम की आरजू और श्रम की सीमा को रेखांकित किया है। कठिन ड्यूटी के मुकाम पर तैनात सिपाही के मानसिक तनाव, सतर्क निगहबानी का हिसाब और हर पल जवाबदेही का खिंचाव जिस समय से गुजरता है, उसके वक्त का कानूनी मानदंड तय हुआ है। न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और सुशील कुकरेजा की खंडपीठ ने सरकार को पुलिस कर्मियों की सेवा शर्तों में सुधार लाने का आदेश ही नहीं दिया, बल्कि यह सुनिश्चित करने को कहा कि इनकी सेवाओं के बदले पैंतालीस दिन का अतिरिक्त वेतन मिले, आवास परियोजनाओं को गति मिले तथा पूरे करियर में कम से कम तीन पदोन्नतियां हर सूरत मिलें। अदालती आदेश से मानवीय पहलू रोशन होते हैं और जो सुधारों की पैरवी में एक नया अभियान खड़ा करते हैं। अदालत भीड़ में पुलिस वाले को देख रही है, वह ट्रैफिक नियंत्रण की स्थिति में उसे निहारते हुए यह देखती है कि किस तरह प्रदूषण के बीच उसकी जिम्मेदारी के हाथ, अपने ही फेफड़ों में जहरीली गैसों का उत्सर्जन भर रहे हैं। कानून-व्यवस्था के रखवालों को कानून की शरण लेनी पड़ी, तो अदालत ने उनके हर तनाव और दबाव को बारीकी से देखा। इस तरह पुलिस प्रशासन के तहत पुलिस कर्मी के जीवन से जुड़े हर पहलू को ड्यूटी और फर्ज से संलग्न होने में मदद मिलेगी। यानी कल का पुलिस थाना, आज से भिन्न कैसे होगा और उसके भीतर सकारात्मकता के लिहाज से कौन से कदम प्रभावशाली होंगे। विधि व्यवस्था के लिए सबसे पहले हर नागरिक का बचाव और विश्वास पुलिस यूनिफार्म पर आता है। कहना न होगा के प्रदेश के किसी भी संकट के समय, राहत की तलब तब पूरी होती है जब सामने पुलिस व्यवस्था के तहत सतर्कता और बचाव की तैयारी गूंजती है। अंततः हमारी सुरक्षा के सारे हाथ उसके हैं, जो कभी ट्रैफिक को चला रहा या कभी अपराध की तफतीश में जान लड़ा रहा है। उसके कत्र्तव्य क्षेत्र के फलक पर लोगों की चिंताएं, कानून की हिफाजत और व्यवस्था की छवि घूम रही है। अदालत के फैसले ने पुलिस महकमें का आत्मबल और उसकी भूमिका का नूर बढ़ाया है। कोई सिपाही न आर्डर को मना कर सकता और न ही ड्यूटी को फाइल बना कर पटक सकता है। होते होंगे बहुत सारे ऐसे विभाग जहां फाइलें घूंघट में काम करती हैं, लेकिन सिपाही हर ड्यूटी में एक मोर्चा है- एक तत्परता है। यह दीगर है कि विभागीय तौर तरीकों में इस महकमे में भी कत्र्तव्य की कई छननियां और जवाबदेही आलोच्य हो जाती है, लेकिन जब सिपाही की इकाई में मूल्यांकन होता है, तो प्रतिकूलता के कई दौर उसके भीतर तक चोट करते हैं। कर्नाटक, इलाहाबाद और कोलकाता जैसे हाई कोर्ट समय-समय पर पुलिस सुधारों के मानकों पर सुझाव देते रहे हैं, लेकिन इस बार हिमाचल उच्च न्यायालय ने मानवीय संवेदना के कई पहलुओं पर एक पुलिस कर्मी को उसका वांछित हक दिलाया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं हैं आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद्द कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्द–रुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इरादों के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिल–येगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल–ए–तारीफ़ है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 30 अप्रैल 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 02:15 तक
नक्षत्र : रोहिणी सायं 04:19 तक
योग : शोभन दोपहर 12:01 तक
करण : गर दोपहर 02:15 तक
चन्द्र राशि : वृषभ रात्रि 03:16 तक
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : अक्षय तृतीया , युगादि तिथि,कल्पादि तिथि, श्री बसवेश्वर जयंती, भद्रा रात्रि 12:44 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्री ने की ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक

जयपुर,29 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसमें ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र तथा शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार से राज्य सरकार को भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। हमारी डबल इंजन की सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतार रही है, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ जनता को लाभ मिल रहा हैं।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजन–ाओं को केन्द्र के साथ समन्वय बनाते हुए समयबद्ध रूप से पूरा करें। शर्मा ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि हम राज्य के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे है। इस लक्ष्य को हासिल करने में पीएम कुसुम योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत राज्य में कम समय में ही लगभग 800 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति के लिए उत्पादन इकाइयों एवं प्रसारण तंत्रों का उचित रख–रखाव सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। पिछली राज्य सरकार की नीतियों की वजह से हमारी थर्मल इकाइयां कोयला आपूर्ति के संकट से जूझ रही थीं लेकिन केन्द्र सरकार के सहयोग से अब हमारे थर्मल बिजलीघरों के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की है। साथ ही, फरवरी से अब तक की पीक डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट को भी पूरा किया गया है। उन्होंने केंद्रीय विद्युत उत्पादन संयंत्रों के कॉमन पूल से प्रदेश को आवंटित अस्थायी विद्युत कोटे के रूप में पूरा सहयोग देने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया। श्री शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री से प्रदेश की पीक ऑवर्स में बिजली की मांग के अनुरूप बिजली के आवंटन में बढ़ोतरी का आग्रह किया। जिस पर केन्द्रीय मंत्री द्वारा सकारात्मक आश्वासन दिया गया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में खासतौर से अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। पीएम कुसुम योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है। केन्द्रीय मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम द्वारा दिसम्बर माह तक 355 करोड़ रूपये से अधिक का लाभ अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पीक ऑवर्स में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य में पंप स्टोरेज एवं बैटरी स्टोरेज की क्षमता को तेजी से विकसित किया जाए।

मनोहर लाल ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदूषण मुक्त एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। बैठक में केन्द्रीय मंत्री को जानकारी दी गई कि राज्य बजट 2025–26 में मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ते हुए 150 यूनिट बिजली नि:शुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत कार्यों में गति लाते हुए अधिक से अधिक परिवारों को जोड़ा जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी विभागों सहित उपभोक्ताओं के आवास पर स्मार्ट प्री–पेड मीटर्स लगाने को प्राथमिकता दी जाए। इसमें केन्द्र सरकार द्वारा अंशदान भी दिया जाएगा।

नगरीय विकास विभाग की समीक्षा के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय में सीवरेज अनिवार्य रूप से हो तथा आवश्यकतानुसार पुराने और जर्जर सीवरेज को बदलने तथा एलाइनमेंट ठीक करने के कार्य भी किए जाएं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों की मदद तथा अनुपयोगी वस्तुओं के पुन: उपयोग के लिए शुरू किये गए मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र को अच्छी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।बैठक में पीएम ई–बस सेवा योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस योजना के तहत राजस्थान को 675 बसों का प्रारम्भिक आवंटन हुआ था। राज्य सरकार के अनुरोध पर अब इसके लिए केन्द्र द्वारा अतिरिक्त 125 बसें भी दी जाएगी जिससे शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती मिलेगी।

ईडी ने जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी मामले में की बड़ी कार्रवाई

84.82 लाख की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क

जोधपुर,29 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), जयपुर ने जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पीएमएलए, 2002 (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के तहत पुनीत गोदावत और अन्य से संबंधित लगभग 84.82 लाख रुपये मूल्य की चल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की गई हैं।

ईडी ने यह कार्रवाई 28 अप्रैल 2025 को की। यह संपत्तियां कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों से अर्जित धन से जुड़ी बताई जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय मामले की जांच कर रही है जिसमें शिक्षा क्षेत्र की आड़ में आर्थिक अनियमितताओं और अवैध लेनदेन के आरोप शामिल हैं।ईडी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह कुर्की आगे की जांच प्रक्रिया का हिस्सा है और मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है। यह मामला राजस्थान में शिक्षा क्षेत्र में हो रहे आर्थिक घोटालों की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तानी 841 नागरिकों ने लांग टर्म वीजा मांगा

109 की पाक नागरिकों की वापसी

जयपुर,29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में पाकिस्तान से आए अल्पसंख्यक नागरिकों की उपस्थिति एक बार फिर चर्चा में है। पुलिस मुख्यालय की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, विभिन्न प्रकार के वीज़ा पर राजस्थान में रह रहे 841 पाकिस्तानी अल्पसंख्यक नागरिकों ने लॉन्ग टर्म वीज़ा के लिए आवेदन किया है। ये वे लोग हैं, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा रखते हैं और नागरिकता अधिनियम के तहत राहत की उम्मीद में हैं।

वहीं दूसरी ओर, हाल ही के दिनों में वीज़ा अवधि समाप्त होने या नियमों का उल्लंघन करने के कारण 109 पाकिस्तानी नागरिकों को राजस्थान से वापस पाकिस्तान भेजा गया है। यह कार्रवाई भारतीय कानूनों और वीज़ा नियमों के तहत की गई।

ड्ढत भारत सरकार द्वारा उन पाकिस्तानी अल्पसंख्यकों (हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, पारसी, बौद्ध) को दिया जाता है, जो धार्मिक प्रताड़ना के चलते भारत आए हैं और यहां स्थायी निवास की इच्छा रखते हैं। यह वीज़ा नागरिकता प्राप्ति की दिशा में पहला कदम माना जाता है, जिसमें शिक्षा, नौकरी, संपत्ति खरीदने जैसी कई सुविधाएं सशर्त रूप से दी जाती हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि 2020 में लागू नागरिकता संशोधन अधिनियम के बावजूद अभी तक ज़मीनी स्तर पर इसका व्यापक क्रियान्वयन नहीं हो सका है। ऐसे में LTV के लिए आवेदन कर रहे इन नागरिकों का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है।यह केवल आंकड़ों का मामला नहीं है, बल्कि मानवीय सरोकारों का विषय भी है। इनमें से कई परिवार सालों से भारत में रह रहे हैं, उनकी अगली पीढ़ी यहीं पली–बढ़ी है। ऐसे में उन्हें भारत में स्थायी नागरिकता देने की मांग लगातार उठती रही है।

हरियाणा की नौकरियों पर होना चाहिए हरियाणवियों का पहला हक : हुड्डा

चंडीगढ़,29 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा की नौकरियों पर पहला हक हरियाणवियों का होना चाहिए। अगर तमाम राज्य अपनी नौकरियों में स्थानीयों को प्राथमिकता देते हैं तो हरियाणा की बीजेपी सरकार ऐसा क्यों नहीं करती? जबकि हमारे युवाओं को नौकरी की सबसे ज्यादा जरूरत है। क्योंकि हरियाणा बेरोजगारी के मामले में देश का नंबर वन राज्य है। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी हरियाणवी युवाओं को नौकरियों से पूरी तरह वंचित करने की नीति पर आगे बढ़ रही है। इसीलिए जानबूझकर सरकारी भर्तियों के लिए ऐसे नियम बनाए जा रहे हैं, जिसका लाभ अन्य राज्य के युवाओं को हो सके। हाल ही में सिंचाई विभाग में हुई अस्सिटेंट इंजीनियर्स की भर्ती इसका स्पष्ट उदाहरण है। हैरानी की बात है कि इस भर्ती में सामान्य वर्ग के 42 पदों पर अन्य राज्यों के 28 लोगों को नौकरी दे दी गई। ये बेहद निंदनीय है कि इसी तरह एचपीएससी की लगभग 70 प्रतिशत नौकरियां नॉन–हरियाणवियों को दे दी जाती हैं। इससे पहले बिजली विभाग की एसडीओ, बीडीपीओ से लेकर लेक्चरर्स तक कई भर्तियों में स्थानीय युवाओं के साथ यही धोखा हो चुका है।

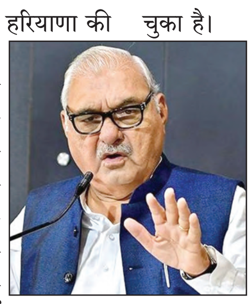

एचपीएससी द्वारा सहायक पर्यावरण अभियंता भर्ती के सिलेबस से हरियाणा जीके को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। इतना ही नहीं एचपीएससी ने एच–सीएस परीक्षा के लिए भी उन अभ्यार्थियों को अप्लाई करने की छूट दे दी है जिनके पास हरियाणा डोमिसाइल नहीं है। सिविल जज की भर्ती हुई जिसमें 110 में से 60 पदों पर बाहरी उम्मीदवारों को भर्ती किया गया। तकनीकी शिक्षा विभाग में प्राध्यापकों के सामान्य वर्ग के 153 में से 106 पदों पर बाहरी लोगों का चयन हुआ।आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर भर्ती में सामान्य वर्ग के 427 में से 394 पदों की लिस्ट जारी हुई। लेकिन उसमें 75% उम्मीदवार बाहर के चयनित किए गए।

अनिल विज का कांग्रेस पर हमला

यह एकता दिखाने का समय, मोदी के साथ खड़े हों

अंबाला,29 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने पहलगाम आतंकी हमले पर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध का समय है और ऐसे समय में आपसी मतभेद नहीं उठाने चाहिए। विज ने देशवासियों से एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होने का आह्वान किया। पत्रकारों से बात करते हुए विज ने कहा, यह समय सारे देश की एकता दिखाने का है, हर भारतवासी को खड़े होकर यह कहना चाहिए कि 'नरेंद्र मोदी हम आपके साथ हैं, आप लड़ाई करो हम आपके साथ हैं।

पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को लॉन्च पैड से हटाकर कैंप में भेजने पर विज ने कहा कि वे पाकिस्तान में ही रहेंगे और उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कश्मीर की खुशहाली पर पाकिस्तान की जलन का जिक्र करते हुए कहा, कश्मीर की खुशहाली देखकर इनके सीने पर जो सांप लोटता है कि हम तो भूखे मर रहे हैं और कश्मीर तो तरक्की कर रहा है।

विज ने कश्मीर में धर्म के नाम पर हिंदुओं की हत्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि अगर हिंदू वैष्णो देवी, अमरनाथ या कश्मीर की यात्रा बंद कर दें, तो कश्मीर की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी। पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा के पाकिस्तान से होने के आरोपों पर विज ने कहा, आज तक किसी चोर ने यह नहीं कि मैं चोर हूं, इसका फैसला तो निष्पक्ष ताकतें कर दी है और फैसला भारत ने कर दिया है कि हम किसी भी हालत में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के वादे को दोहराते हुए कहा कि दोषियों को न्याय मिलेगा।विज ने 1965, 1971 और 1999 के युद्धों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत आज भी हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

जल्द होगी हरियाणा में भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा : बड़ौली

चंडीगढ़,29 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के एक्स अकाउंट पर एक फोटो शेयर को लेकर भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस के बयान आतंकवादियों के हौंसले बढ़ाने वाले हैं। आतंकियों और कांग्रेस की मिली–जुली सोच बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा शेयर की गई फोटो ''सर तन से जुदा'' वाली घृणित मानसिका का प्रतिबिंब है। बड़ौली मंगलवार को पंचकूला स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय पंचकमल में जिला अध्यक्षों की मीटिंग लेने पहुंचे थे। यहां श्री बड़ौली ने मीडिया के सवालों का जवाब भी दिया और प्रदेश में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी भी दी।

मीटिंग के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदा ही विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति करती आई है। पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए हमले पर उन्होंने कहा कि आतंकियों ने धर्म को टारगेट किया है। आतंकियों की भारत में हिंसा भड़काने की जो मंशा थी वह कभी पूरी होने वाली नहीं है। देश की 140 करोड़ जनता का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। पीएम मोदी आतंकवाद को नेस्तानाबूद करने के लिए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ जो कड़े निर्णय लिए हैं जनता ने उनका स्वागत किया है।बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस ने देश में लंबे समय तक शासन किया और उनके समय में आतंकवादी घटनाएं भी हुई। भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए सदा सरकार का साथ दिया। कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस के लोग भले ही सर्वदलीय बैठक में आए, लेकिन बाहर निकलते ही उलटी सीधी बयानबाजी करते हैं।

सिख गुरुओं की शिक्षाओं को बढ़ावा दे रही हरियाणा सरकार : सैनी

चंडीगढ़,29 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार सिख गुरुओं की शिक्षाओं को प्रचारित और प्रसारित करने के साथ–साथ सिख समाज के इतिहास को संरक्षित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार सिख समाज के कल्याण के लिए कई कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर में सिख समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार किसानों की सच्ची हितैषी हैं और प्रदेश में सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले साढ़े दस सालों में किसानों को फसल खराबे के लिए 14,500 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया गया है, जबकि कांग्रेस सरकार ने इससे पहले केवल 1,155 करोड़ रुपये दिए थे।

मुख्यमंत्री ने सिख समुदाय के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि यमुनानगर में बन रहे मेडिकल कॉलेज का नाम श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखा गया है। लोहगढ़ में बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के नाम से एक संग्रहालय का निर्माण जल्द शुरू होगा और वहां एक मार्शल आर्ट स्कूल भी बनाया जाएगा। नाडा साहिब से पोंटा साहिब सड़क का नाम श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर रखा गया है।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है, जहां सिख इतिहास से जुड़ी धरोहरों को संरक्षित किया जाएगा। इससे युवाओं को इतिहास की जानकारी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सिख समुदाय को उनकी मांगों के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद और सरदार तिरलोचन सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंबेडकर के आधे चेहरे पर अखिलेश ने लगवा दी अपनी फोटो

समाजवादी पार्टी ने किया बाबा साहब का सार्वजनिक अपमान

होर्डिंग से प्रदर्शित हो रही बाबा साहब के प्रति सपा की घृणा : पाठक

बाबा साहब के समान खुद को दिखाना, सपा की दूषित सोच : अरुण

लखनऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के होर्डिंग में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर उस हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाए जाने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण, विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, राज्य सभा सदस्य बृजलाल, भाजपा विधायक मीनाक्षी सिंह और प्रो. श्याम बिहारी लाल समेत कई नेताओं ने घोर निंदा की है। भारतीय जनता पार्टी के सभी नेताओं ने सपा अध्यक्ष अखि-लेश यादव के कृत्य को बेहद शर्मनाक बताया। उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि यह बाबा साहब और उनके अनुयायियों का अपमान है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने होर्डिंग पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये सपा की दूषित मानसिकता है। बाबा साहब का जिस तरह से इन लोगों ने अपमान किया है इसको देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी और समय आने पर इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इससे पहले भी कई बार समाजवादी पार्टी के नेता बाबा साहब का अपमान कर चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में बाबा साहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज और बाबा साहब की पत्नी रमाबाई अंबेडकर के नाम से बने जिले कानपुर देहात से भी रमाबाई अंबेडकर का नाम हटाया था। बाबा साहब के प्रति सपा की घृणा पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित हो रही है। डिप्टी सीएम ने पोस्टर लगाने वाले के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की बात भी कही।

समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि सपा द्वारा लगाई गई होर्डिंग में बाबा साहब का बहुत बड़ा अपमान किया गया है। यह लोग हमेशा से बाबा साहब का अपमान करते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि होर्डिंग में बाबा साहब के बराबर खुद को प्रदर्शित करना, इनकी दूषित मानसिकता को दर्शाता है। यह एक कानूनी जुर्म के साथ बाबा साहब के अनुयायियों की आस्था पर कुठाराघात है। ये हमें बिल्कुल स्वीकार नहीं है। हम सभी इसकी निंदा करते हैं। मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग की जितनी भी योजनाएं थीं, सभी को समाप्त कर दिया था। इन्होंने सारे महापुरुषों का अपमान किया है। इसे जनता कभी भी नहीं भूलेगी।

दलित चिंतक एवं विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हम अंबेडकरवादी लोग बाबा साहब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का कृत्य खुद दलित विरोधी है, उन्होंने अपने शासनकाल में दलित कार्मिकों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई, जिससे लाखों दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना पड़ा। दलित समाज अभी तक इसे भूला नहीं है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव दलितों को अपमानित करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। बाबा साहब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगाकर वे शायद दलित समाज को यह बताना चाहते हैं कि वे बाबा साहब के बराबर हैं, लेकिन उनके इस कृत्य से दलित समाज न सिर्फ आहत है बल्कि इसे अखिलेश द्वारा जानबूझकर बाबा साहब का अपमान किए जाने का कुत्सित प्रयास मान रहा है।

डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि अखिलेश यादव दलित विरोधी है। वे दलितों को अपमानित करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। बाबा साहब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगाकर वे शायद दलित समाज को यह बताना चाहते हैं कि वे बाबा साहब के बराबर हैं, लेकिन उनके इस कृत्य से दलित समाज न सिर्फ आहत है बल्कि इसे अखिलेश द्वारा जानबूझकर बाबा साहब का अपमान किए जाने का कुत्सित प्रयास मान रहा है। डॉ. निर्मल ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से बने संस्थानों से डॉ. अंबेडकर का नाम हटा दिया था। इतना ही नहीं बाबा सहब की पत्नी रमाबाई अंबेडकर के नाम से बने जिले कानपुर देहात से भी रमाबाई अंबेडकर का नाम हटाया था। डॉ. निर्मल ने कहा अगर अखिलेश यादव के दिल में बाबा साहब के प्रति थोड़ा भी सम्मान है तो उन्हें बाबा साहब की आधी तस्वीर के साथ अपनी जोड़ी गई तस्वीर को तत्काल हटाना चाहिए और इसके लिए दलित समाज से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए।

राज्य सभा सदस्य बृजलाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने ये जो पोस्टर लगाया है और पोस्टर के माध्यम से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जो संदेश देना चाहते हैं उसकी हम लोग निंदा करते हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने आपको बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बराबर समझ रहे हैं जबकि अखिलेश यादव बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के पैरों की धूल भी नहीं हैं। उनकी इस हरकत पर उन्हे देश की जनता माफ नहीं करेगी।

भाजपा विधायक मीनाक्षी सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का फोटो आधा काटकर लगाया गया जोकि बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने कहा कि समाजव-ादी पार्टी हमेशा पीडीए की बात करती है और दूसरी तरफ इस पार्टी के कार्यकर्ता बाबा साहब का आधा फोटो लगाकर उनका अपमान कर रहे हैं। वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस कृत्य पर मौन धारण कर रखा है। इसका सीधा अर्थ है कि बाबा साहब के इस अपमानजनक कृत्य में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की सहमति है। मैं स्वयं और दलित समाज के सभी लोग बाबा साहब का यह अपमान कदापि सहन नहीं करेंगे। मैं अखिलेश यादव से मांग करती हूं कि वो इस अक्षम्य कृत्य के लिए माफ़ी मांगें।

प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल ने सपा के कृत्य पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और लोहिया वाहिनी की कुंठित मानसिकता का प्रतीक है। इसे बाबा साहब के अनुयायी स्वीकार नहीं करेंगे। वह आने वाले समय में समाजवादी पार्टी को एक वोट नहीं देंगे और बता देंगे कि बाबा साहब का अपमान करना, उन्हे कितना भारी पड़ा।

राम मंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ 42 फीट का ध्वज दंड

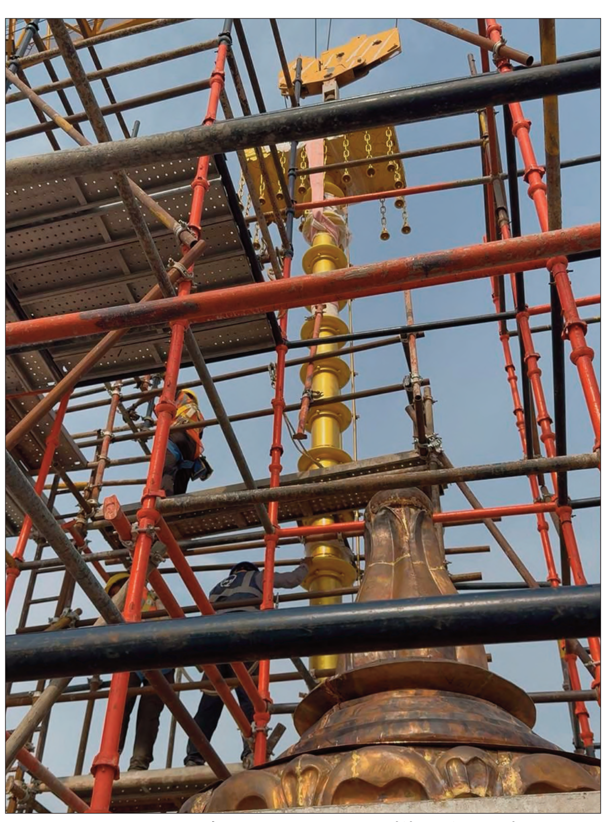

अयोध्या, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण अब शीघ्र पूरा होने वाला है। इसी क्रम में मंगलवार 29 अप्रैल को सुबह 8 बजे मंदिर के मुख्य शिखर पर 42 फुट ऊंचा ध्वज दंड लगाया गया। यह कार्य वैशाख शुक्ल द्वितीया विक्रमी संवत 2082 को सम्पन्न हुआ।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के निर्माण समिति अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि मंदिर का निर्माण 5 जून 2025 तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 99 प्रतिशत काम खत्म हो चुका है। गर्भगृह पहले ही बन गया था। अब शिखर का काम भी पूरा हो गया है। 23 मई को प्रथम तल पर राम दरबार की मूर्तियां, जिसमें भगवान राम, सीता जी और हनुमान जी होंगे, स्थापित होंगी। 5 जून 2025 को भगवान राम की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा होगी। मंदिर परिसर में सात अन्य मंदिर, जैसे महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ जी और शबरी माता के मंदिर भी बनकर तैयार हैं, जो 5 जून के बाद भक्तों के लिए खुलेंगे। मंदिर को 1,000 साल तक टिकने लायक बनाया गया है।

पहलगाम हमले से दुखी नेहा खान ने छोड़ा इस्लाम

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सनातन धर्म में लौटीं

गाजियाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजियाबाद में नेहा खान नाम की मुस्लिम युवती ने हलाला और पहलगाम आतंकी हमले से आहत होकर सनातन धर्म अपना लिया। अब वह नेहा शर्मा के नाम से जानी जाएंगी। हिंदू रक्षा दल के सहयोग से विधि-विधान के साथ धर्म परिवर्तन हुआ। नेहा ने बताया कि उनका निकाह हुआ, फिर तलाक के बाद अब्बू ने ही हलाला का दबाव बनाया, जिससे वह काफी निराश थी।

इस बीच, पहलगाम हमले की घटना ने उन्हें तोड़ दिया। नेहा शर्मा ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों द्वारा हिंदुओं को धर्म पूछकर मारे जाने की घटना ने उन्हें झकझोर दिया। नेहा ने कहा कि इस्लाम में कुरीतियों और आतंक की छवि से वह दुखी थीं। इस दौरान हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने नेहा को बेटी की तरह अपनाया और उनकी सुरक्षा का वादा किया। समारोह में महिलाओं ने नेहा पर पुष्प वर्षा की। नेहा ने पिंकी चौधरी को रक्षा सूत्र बांधा और गर्व से कहा कि वह सनातन की बेटी हैं। पिंकी ने इसे घर वापसी बताया और कहा कि संगठन स्वेच्छा से धर्म अपनाने वालों का स्वागत करता है।

एक लाख का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर

मैनपुरी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में पुलिस ने हाथरस के इनामी बदमाश को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इस दौरान पुलिस और बदमाश के बीच कई राउंड गोलियां चलीं। मैनपुरी के थाना एलाऊ क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तड़के हाथरस के गांव पहाड़पुर निवासी एक लाख का इनामी एसटीएफ आगरा औरा एलाऊ पुलिस से हुई मुठभेड़ में ढेर हो गया। मुठभेड़ तारापुर जाने वाले मार्ग पर हुई।

थाना एलाऊ क्षेत्र के तारापुर से दिलाखर जाने वाले मार्ग पर मंगलवार की सुबह तड़के एसटीएफ आगरा और एलाऊ थानाध्यक्ष अवीनश त्यागी अपनी टीम के साथ हाथरस निवासी एक लाख के इनामी अपराधी की घेराबंदी करने पहुंचे। सूचना मिली थी कि हाथरस के गांव पहाड़पुर निवासी जीतू उर्फ जितेंद्र तारापुर मार्ग पर देखा गया है। अपराधी पर नजर पड़ते ही पुलिस ने घेराबंदी शुरू की। इस बीच इनामी ने टीम पर फायरिंग कर दी। मुठभेड़ की सूचना मिलने के बाद एसपी सिटी अरुण कुमार, सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। मुठभेड़ के दौरान एक गोली जीतू के पेट में लगी और वह गिर गया।

पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। मगर अस्पताल पहुंचने के दौरान उसकी मौत हो चुकी थी। एसपी सिटी ने बताया कि जीतू पर हाथरस पुलिस की ओर से एक लाख रुपए का इनाम था। वह एक शातिर अपराधी था, उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

राहुल गांधी के रायबरेली दौरे पर पोस्टर वार

तुम जातिवाद से तोड़ोगे, हम राष्ट्रवाद से जोड़ेंगे

रायबरेली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के रायबरेली में सांसद राहुल गांधी के दौरे से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। हरचंदपुर क्षेत्र में सांसद के खिलाफ रात में होर्डिंग और पोस्टर लगा दिए गए। इनमें उनके पिछले बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। पोस्टरों में लिखा तुम जातिवाद से तोड़ोगे, हम राष्ट्रवाद से जोड़ेंगे। राहुल गांधी जी, कृपया हमारी रायबरेली को जातिवाद में मत उलझाइए। होर्डिंग हरचंदपुर के युवा मंडल अध्यक्ष हर्षित सिंह की तरफ से लगाई गई। होर्डिंग लगाने के सवाल पर उन्होंने कहा, जाको प्रिय राम वैदेही, ताहि वोट कोऊ ना देही। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान पर आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने पिछली दिशा बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों की जाति को लेकर सवाल उठाए थे। हर्षित ने कहा कि राहुल गांधी का यह बयान जातिवाद को बढ़ावा देने वाला है। इससे समाज में विभाजन पैदा हो सकता है।

राहुल गांधी ने पिछली दिशा बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों की जाति को लेकर सवाल उठाए थे। इस पर काफी विवाद हुआ था। अब उनके रायबरेली दौरे से पहले इस मुद्दे को फिर से उठाया जा रहा है। विरोध करने वालों का कहना है कि राहुल गांधी को रायबरेली को जातिवाद में उलझाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उनका मानना है कि इस तरह के बयान समाज में तनाव पैदा कर सकते हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर अवैध कब्जे के खिलाफ एक्शन जारी

अवैध मदरसों और धार्मिक स्थलों पर चला बुलडोजर

सीमा सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर सरकार का फोकस

लखनऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भारत-नेपाल सीमा से सटे संवेदनशील जिलों में अतिक्रमण और बिना मान्यता संचालित मदरसों के खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ दिया है। इसके तहत लगातार चौथे दिन मंगलवार को भी नेपाल सीमा से सटे जनपदों में बुलडोजर गरजा और कई अवैध धार्मिक स्थलों व अतिक्रमण को नष्ट कर दिया गया। वहीं, बिना मान्यता चल रहे मदरसों पर भी नकेल कसते हुए उन्हें सील कर दिया गया। कुल मिलाकर अब तक सैकड़ों अवैध अतिक्रमण को हटाया जा चुका है। योगी सरकार का यह कदम न केवल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए है, बल्कि सीमा पार से किसी भी संभावित गतिविधि पर रोक लगाने की रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। बहराइच में भी मंगलवार को योगी सरकार का एक्शन जारी रहा। यहां तहसील नानपारा और मिहींपुरवा में अब तक कुल 117 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं। मंगलवार को मोतीपुर क्षेत्र में एक मदरसा दारूल उलूम अजीजिया हदीकतुल नोमान को सील किया गया। इससे पहले 28 अप्रैल को चार और मदरसों पर इसी तरह की कार्रवाई हुई थी। बलरामपुर जनपद में जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की जांच में 20 मदरसे मानक विहीन पाए गए। किसी के पास मान्यता के अभिलेख नहीं थे, तो किसी में निर्धारित पाठ्यक्रम तक नहीं चल रहा था।

भारत में फुटबॉल को मिलेगा नया बूस्ट प्रीमियर लीग मुंबई में खोलेगा ऑफिस

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने भारत में अपनी मौजूदगी को औपचारिक रूप देते हुए मुंबई में नया ऑफिस खोलने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य भारतीय फैन्स के साथ जुड़ाव बढ़ाना, ग्रासरूट फुटबॉल को प्रमोट करना और देश में फुटबॉल के समग्र विकास में योगदान देना है।

भारत में यह ऑफिस प्रीमियर लीग की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है। इससे पहले 2019 में सिंगापुर, 2023 में न्यूयॉर्क और 2024 में बीजिंग में भी ऑफिस खोले जा चुके हैं।

मुंबई ऑफिस का उद्घाटन इस रणनीति में एक अहम माइलस्टोन माना जा रहा है। यह नया ऑफिस प्रीमियर लीग को भारतीय फैन्स, ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स और स्थानीय फुटबॉल बॉडीज़ के साथ ज्यादा करीबी से काम करने में सक्षम बनाएगा। खासतौर से जियोस्टार जैसे ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स के साथ मिलकर लीग, इवेंट्स और पार्टनरशिप एक्टिविटीज़ के ज़रिए फैन्स के अनुभव को और गहरा बनाएगी।

प्रीमियर लीग 2007 से प्रीमियर स्किल्स%प्रोग्राम के माध्यम से भारत में फुटबॉल डेवलपमेंट से जुड़ी हुई है। ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम के जरिए अब तक 18 राज्यों में 7,300 से ज्यादा कोच, रेफरी और फुटबॉल एजुकेटर्स को ट्रेन किया गया है, जिससे 1.24 लाख से अधिक युवाओं को लाभ मिला है। 2014 से प्रीमियर लीग और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की साझेदारी कई अहम पहलुओं गवर्नेंस, यूथ डेवलपमेंट और कोचिंग ट्रेनिंग पर केंद्रित रही है। 2019 में शुरू हुआ 'नेक्स्ट जेन कप' इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अंतरराष्ट्रीय यूथ टूर्नामेंट का छठा संस्करण मई 2025 में मुंबई में आयोजित होगा, जिसमें आईएसएल की यूथ टीमें प्रीमियर लीग क्लबों की अंडर-19 टीमों से भिड़ेंगी।

प्रीमियर लीग के चीफ एग्जीक्यूटिव रिचर्ड मास्टर्स ने मंगलवार को एक बयान में कहा, भारत में हमारा एक शानदार और समझदार फैन्स बेस है। यहां पर हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को यह ऑफिस और मजबूत करेगा। हम इस क्षेत्र में संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और इस पहल से भारतीय फुटबॉल में सार्थक योगदान देने की उम्मीद रखते हैं।

न्यूज ब्रीफ

डोपिंग के कारण दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मैक्स पर्सेल पर लगा 18 महीने का बैन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के ग्रैंड स्लैम डबल्स चैंपियन मैक्स पर्सेल पर एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के चलते 18 महीने का प्रतिबंध लगाया गया है। यह मामला किसी प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का नहीं, बल्कि निषिद्ध प्रक्रिया के तहत आया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 27 वर्षीय पर्सेल ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अनजाने में 100 मिलीलीटर की निर्धारित सीमा से अधिक विटामिन की आईवी ड्रिप ली थी। नियमों के अनुसार 12 घंटे की अवधि में 100 मिली से अधिक का इन्फ्यूजन प्रतिबंधित है। पर्सेल ने बताया कि उन्होंने क्लिनिक को सूचित किया था कि वे प्रोफेशनल एथलीट हैं और यह इन्फ्यूजन तय मात्रा से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन फिर भी उन्हें दो बार 500 मिली से अधिक का इन्फ्यूजन दिया गया। आईटीआईए के अनुसार पर्सेल ने जांच में पूरा सहयोग किया और सभी जानकारियां साझा कीं। इसी कारण उनकी सजा में 25 प्रतिशत की छूट दी गई। आईटीआईए की सीइओ कैरेन मूरहाउस ने कहा, यह मामला यह दिखाता है कि डोपिंग नियम सिर्फ प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह व्यापक दायरे को कवर करते हैं। मैक्स पर्सेल को दिसंबर, 2023 में ही अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया था। अब उनकी आधिकारिक सजा 11 जून, 2026 तक मानी गई है। इस दौरान वे किसी भी टेनिस टूर्नामेंट में खेलने, कोचिंग देने या उपस्थित रहने के लिए अयोग्य रहेंगे।

वैभव सूर्यवंशी को दस लाख रुपये देगी बिहार सरकार

पटना। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे कम उम्र (14 साल) में शतक लगाने वाले खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फोन पर बात की उन्हें बधाई दी और उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने वैभव कोबिहार सरकार की ओर से 10 लाख रुपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की। बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले वैभव सूर्यवंशी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फोन पर बात की और उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं।अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। सभी को उनपर गर्व है। मेरी शुभकामना है कि वैभव सूर्यवंशी भविष्य में भारतीय टीम के लिए नये कीर्तिमान रचें और देश का नामरोशन करें।इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को राज्य सरकार की तरफ से 10 लाख रुपये की सम्मान राशि देने का भी ऐलान किया। उल्लेखनीय है कि क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने 12 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास 1 अणे मार्ग पर मुलाकात की थी। तब मुख्यमंत्री ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की थी।

क्या आईपीएल में सच होने वाला है धोनी संजू का ऐड, जो बना था बिहार के लड़के पर

नई दिल्ली । भातर में आईपीएल मैच खेले जा रहे हैं। इसमें कब-क्या करिश्मा हो जाए कोई नहीं जानता। किसी ने सोचा भी नहीं था कि 14 साल का लड़का इंटरनेशनल गेंदबाजों के सामने टिक पाएगा अपने शानदार शतक से दुनिया का दिल जीत लेगा वैभव सूर्यवंशी ने शानदार आगाज किया है। कम उम्र में शतक लगाकर बोल्ड स्टेटमेंट दिया। उसने बता दिया कि टीम इंडियाज में अब उसकी एंट्री होने वाली है। वैभव की बदौलत राजस्थान जीत सकती है ट्रॉफी तो धोनी की हो सकती है विदाई वैभव आईपीएल में धूम मचा रहा है। उसके लिए उम्र महज एक नंबर है। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने धुंरधर गेंदबाजों की गेंद को मैदान में चारों और घुमा दिया है। उनके शतक ने सबको चौंका दिया। उसकी चारों ओर तारीफ हो रही है। वैभव सच कहें तो छोटा पैकेज और बड़ा धमाका हैं, जिस अंदाज में वैभव ने सोमवार के मैच में गुजरात को पानी पिलाया, उसने राजस्थान की प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ पारी से लग रहा कि आईपीएल वाले एड की भविष्यवाणी कहीं सच न हो जाए। दरअसल जियो हॉट स्टार पर धोनी-संजू सैमसन का वाला वह ऐड खूब पसंद किया गया। इसमें धोनी कहते हैं- संजू सुना है कि 13 साल के बच्चे खिला रहे हो इसके बाद संजू कहते हैं- जी भैया फिर धोनी कहते हैं- उसके पैदा होने से पहले हमने आईपीएल जीत लिया था।

कोलकाता ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रन से हराया

डुप्लेसिस ने 62 रन बनाए, नरेन को तीन विकेट

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइटराइडर्स जीत की पटरी पर लौट आई है। पिछले तीन मैचों में केकेआर को दो हार मिली थी जबकि एक मैच बारिश की वजह से बेनतीजा रहा। अब केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स को अरुण जेटली स्टेडियम पर 14 रन से हरा दिया। पहले खेलते हुए केकेआर की टीम ने 9 विकेट पर 204 रन बनाए। दिल्ली की टीम एक समय मजबूत स्थिति में दिख रही थी। टीम को 41 गेंद पर 67 रन चाहिए थे और 7 विकेट बचे थे। इसके बाद भी टीम 9 विकेट पर 190 रन ही बना सकी। दिल्ली की 10 मैच में चौथी हार है। टीम के दोनों प्रमुख फिनिशर आशुतोष शर्मा और ट्रिस्टन स्टब्स फेल रहे।केकेआर ने ताबड़तोड़ बैटिंग की

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी प्रदर्शन की बदौलत एक मजबूत स्कोर बनाया। अंगकृश रघुवंशी ने 32 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 44 रन की पारी खेली। रिंकू सिंह ने 25 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के के सहारे 36 रन बनाये। ओपनर रहमानउल्लाह गुरबाज ने 12 गेंदों पर 26 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया।

सुनील नारायण ने 16 गेंदों पर 27 रन में दो चौके और दो छक्के मारे। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 14 गेंदों पर 26 रन में चार चौके और एक छक्का मारा। आंद्रे रसेल ने नौ गेंदों पर 17 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया।कोलकाता ने आक्रामक शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद पावरप्ले के तुरंत बाद ही लगातार विकेट गिरे।

हालांकि फिर रिंकू और रघुवंशी के बीच साझेदारी पनपी और उन्होंने एक बड़े स्कोर की आधारशिला रखी। स्टार्क ने आखिरी ओवर में तीसरी गेंद पर रोवमन पॉवेल और चौथी गेंद पर अनुकूल रॉय का विकेट लिया लेकिन पांचवीं गेंद पर रसेल रन आउट हो गए। वेंकटेश अय्यर सात रन बनाकर आउट हुए।

आगे बढ़ने और आगामी मुकाबलों पर ध्यान देने की जरूरत: हर्षित राणा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुक़ाबले से पहले टीम के दोबारा जीत की राह पर लौटने का विश्वास जताया है। सोमवार को मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राणा ने हालिया हार को भुलाकर भविष्य की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

हर्षित राणा ने कहा, जितना हम अपने पिछले दो मुकाबलों के परिणामों को पीछे छोड़ेंगे, हमारे लिए उतना ही बेहतर रहेगा। अगर हम उन हारों को लेकर ज्यादा सोचेंगे तो टीम का मनोबल प्रभावित हो सकता है। हमें अब आगे के सभी मैच जीतने का लक्ष्य रखना है।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम की सतह को लेकर राणा ने कहा, यहां आमतौर पर उछाल कम होता है। पिछली भिड़ंत में भी देखने को मिला कि गेंद धीमी हो रही थी और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के गेंदबाजों ने इसका लाभ उठाया।

उन्होंने कहा कि सफल होने के लिए ज़रूरी है कि टीम जल्द से जल्द खेल क्षेत्र की प्रकृति को समझे और उसी के अनुसार रणनीति बनाए।

हर्षित ने कोलकाता के भारतीय गेंदबाज़ी दल की तारीफ करते हुए कहा, हमारा भारतीय गेंदबाज़ी दल बेहद मजबूत है। किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारी गेंदबाज़ी काफी प्रभावी रही है। अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए राणा ने कहा कि वे इस सत्र में और बेहतर करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, रिवर्स स्विंग अब बहुत अहम हो गया है। इसके अलावा, अब हम फिर से गेंद पर लार (सलाइवा) का उपयोग कर सकते हैं, जिससे अंतिम ओवरों में गेंदबाज़ी करना आसान हुआ है।

टीम के सहयोगी दल की सराहना करते हुए राणा ने विशेष रूप से सहायक प्रशिक्षक अभिषेक नायर का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, अभिषेक नायर क्रिकेट को गहराई से समझते हैं और भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता से भली-भांति परिचित हैं। उनकी मौजूदगी ने मेरे खेल में भी सकारात्मक बदलाव लाया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक इस सत्र में नौ मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें तीन में जीत मिली है। उनका पिछला मुक़ाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ वर्षा के कारण रद्द हो गया था। अब टीम दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध मजबूत वापसी की उम्मीद कर रही है, जो नौ मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद है।

स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप

चीन के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी डिंग जुन्हुई सोमवार को स्नूकर वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गए। उन्हें गत चैम्पियन बेल्जियम के लुका ब्रेसेल ने 13-4 के बड़े अंतर से हराया। वहीं, उनके हमवतन और युवा खिलाड़ी सि जियाहुई ने लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। डिंग जुन्हुई का सपना फिर अधूरा 38 वर्षीय डिंग पहले ही सोमवार के फाइनल सत्र से पहले लगभग हार के करीब थे। वह ब्रेसेल से 12-4 से पीछे चल रहे थे। सोमवार को ब्रेसेल ने महज 15 मिनट में 71 अंकों की ब्रेक लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब वह क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जुड ट्रंप से भिड़ेंगे। डिंग, जिनके नाम 15 रैंकिंग खिताब हैं, अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत सके हैं। इस साल उन्होंने जर्मनी के जाक सुरेटी को 10-7 से हराकर पांच साल में पहली बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई थी। सि जियाहुई ने फिर दिखाया दम दूसरी ओर, 22 वर्षीय सि जियाहुई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रिटेन के बेन वूलास्टन को 13-10 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

ग्रांड चेस टूर पोलैंड रैपिड: चिथंबरम और प्रज्ञानानंद ने तीसरे दिन चमक बिखेरी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

पोलैंड में जारी ग्रांड चेस टूर: सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तीसरे दिन सोमवार को भारत के अरविंद चिथंबरम और आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन किया।

अरविंद चिथंबरम ने दूसरे दिन की शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए सातवें और नौवें राउंड में जान-क्रिज़टोफ़ डूडा और अलीरेज़ा फिरोजजा को हराया। इस जीत के साथ वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुँच गए हैं। चिथंबरम ने अब तक चार मुकाबले जीते हैं, हालांकि दो मुकाबलों में उन्हें हार का सामना भी करना पड़ा है।

वहीं प्रज्ञानानंद ने दूसरे दिन के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरते हुए डेविड गव्रिलेस्कु और डूडा के खिलाफ लगातार दो जीत दर्ज कीं। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है। खास बात यह रही कि तेज चालों वाले मुकाबलों में उनकी सटीकता ने उन्हें बढ़त दिलाई।

फेडोसीव शीर्ष पर बरकरार

रूस के व्लादिमीर फेडोसीव अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते हैं, लेकिन उनकी पिछली छह बाजियाँ ड्रॉ रही हैं। दूसरी ओर, वेसलिन टोपालोव सबसे निचले पायदान पर हैं, जो अब तक छह हार के साथ केवल पांच अंक ही जुटा सके हैं।

अब ब्लिट्ज की बारी

रैपिड राउंड के समापन के बाद अब ब्लिट्ज मुकाबले शुरू होंगे। मैग्नस कार्लसन की अनुपस्थिति के चलते खिताब की दौड़ खुली हुई है, और चिथंबरम व प्रज्ञानानंद दोनों भारतीय खिलाड़ी मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसका प्रदर्शन पूरे ग्रांड चेस टूर सीजन की फाइनल रैंकिंग पर भी प्रभाव डालेगा।

प्रज्ञानानंद पर रहेगी सबकी नजर

तेजी से चालें चलने में माहिर प्रज्ञानानंद, जिन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स खिताब जीतते हुए विश्व चैंपियन डी. गुकेश को भी हराया था, एक बार फिर प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरे उतरने की कोशिश करेंगे।

टेनिस में विविधता बढ़ाने के लिए यूएसटीए और एटीए की नई पहल, ब्लैक खिलाड़ियों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य टेनिस संघ (यूएसटीए) और अमेरिकन टेनिस एसोसिएशन (एटीए) ने सोमवार को टेनिस में विविधता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई पहल की घोषणा की, जिसका मुख्य फोकस खेल में ब्लैक (अश्वेत) प्रतिनिधित्व को बढ़ाना है।

टेनिस को लंबे समय से एक श्वेत-प्रधान खेल के रूप में देखा जाता रहा है, और अब तक सिर्फ दो ब्लैक पुरुष खिलाड़ी — आर्थर ऐश और यानिक नोआ — ही किसी ग्रैंड स्लैम खिताब को जीत सके हैं। यहां तक कि शीर्ष स्तर पर भी अश्वेत खिलाड़ियों को भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

यूएसटीए की चीफ डाइवर्सिटी, इक्विटी एंड इंक्लूजन ऑफिसर, मारिसा ग्रिम्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम एटीए के साथ अपने संबंधों को औपचारिक रूप देने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। एटीए ने ऐतिहासिक रूप से टेनिस को अधिक समावेशी और विविधतापूर्ण

बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

एटीए की स्थापना 1916 में उस समय हुई थी जब यूएसटीए के पूर्ववर्ती संगठन, यूनाइटेड स्टेट्स लॉन टेनिस एसोसिएशन ने अश्वेत खिलाड़ियों को संगठित टूर्नामेंटों में श्वेत खिलाड़ियों के साथ खेलने से रोक दिया था।

यह साझेदारी एक ऐतिहासिक समय के साथ मेल खा रही है — 1950 में अल्थिया गिब्सन द्वारा रंगभेद की दीवार तोड़ते हुए यूएस नेशनल चैंपियनशिप (अब यूएस ओपन) में खेलने की 75वीं वर्षगांठ। इसके साथ ही यह आर्थर ऐश के 1975 में विंबलडन जीतने की 50वीं वर्षगांठ भी है — वह ऐसा करने वाले पहले और अब तक के एकमात्र अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी हैं।

एटीए अध्यक्ष रॉबर्ट फोस्टर ने कहा, जैसा कि अल्थिया ने एक बार कहा था — आप चाहे जितनी भी उपलब्धियां हासिल करें, किसी न किसी ने आपकी मदद की होती है। यूएसटीए के साथ यह साझेदारी हमें एटीए के बारे में जागरूकता बढ़ाने, हमारे ब्रांड को आगे लाने और टेनिस समुदाय को फैलाने में मदद करेगी।

इस पहल के तहत जूनियर स्तर से लेकर पेशेवर खिलाड़ियों और कोचों तक के लिए एक मेंटरशिप प्रोग्राम शुरू किया जाएगा ताकि विविध पृष्ठभूमियों से आने वाले खिलाड़ियों को बेहतर मौके मिल सकें। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में डाइवर्सिटी, इक्विटी और इंक्लूजन (डीइआई) से जुड़ी पहलों पर राजनीतिक हमला हो रहा है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसे कई कार्यकारी आदेश जारी किए हैं जो डीइआई कार्यक्रमों को खत्म करने की दिशा में हैं, चाहे वह संघीय सरकार हो या निजी क्षेत्र। ट्रंप और उनके समर्थकों का मानना है कि डीइआई कार्यक्रम श्वेत लोगों और पुरुषों के साथ भेदभाव करते हैं और योग्यता के महत्व को कम करते हैं। वहीं डीइआई समर्थकों का कहना है कि यह पहल दशकों से हाशिए पर रही आबादी के खिलाफ हुए अन्याय को दूर करने के लिए जरूरी हैं।

सीसीपीए ने सेवा शुल्क वापस न करने पर दिल्ली के पांच रेस्तरां पर की कार्रवाई

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां) ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली के पांच रेस्तरां मखना डेली, जेरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ कार्रवाई की है। इन रेस्तरां ने दिल्ली होई कोर्ट के आदेश के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क की वापस नहीं किया।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत इन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। इनको सेवा शुल्क की राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है।

सीसीपीए ने 04 जुलाई 2022 को होटल और रेस्तरां में सेवा शुल्क के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। ये दिशा-निर्देश उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए बनाए गए हैं। इनमें कहा गया है कि कोई भी होटल या रेस्तरां सेवा शुल्क को स्वत: या डिफ़ॉल्ट रूप से बिल में नहीं जोड़ेगा। साथ ही, सेवा शुल्क का संग्रह किसी अन्य नाम से नहीं किया जाएगा।

उपभोक्ताओं को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि सेवा शुल्क वैकल्पिक है और यह उनकी इच्छा पर निर्भर करता है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं के प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 28 मार्च 2025 को दिल्ली हाई कोर्ट ने सीसीपीए के सेवा शुल्क संबंधी दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा। इसके बाद, सीसीपीए को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) के माध्यम से कई शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में कहा गया कि कुछ रेस्तरां बिना पूर्व सहमति के अनिवार्य सेवा शुल्क लगा रहे हैं। सीसीपीए का गठन उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और गलत विज्ञापनों के मामलों को विनियमित करने के लिए किया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

डायमंड पावर इंफ्रा को 230 करोड़ के दो ठेके मिले

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एकल-स्थान विद्युत केबल और कंडक्टर विनिर्माता कंपनी डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (डीपीआईएल) को बिजली केबल की आपूर्ति के लिए 230 करोड़ रुपये से अधिक के दो ठेके मिले हैं। डीपीआईएल की ओर से जारी बयान के अनुसार कंपनी को दक्षिण गुजरात विज कंपनी के तहत परियोजना के लिए राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड से 1,50,98,65,000 रुपये और बिजली केबल की आपूर्ति के लिए अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड से 79,27,80,051 रुपये का ठेका मिला है।

आरबीआई मई में 1.25 लाख करोड़ के सरकारी बॉन्ड खरीदेगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई में 1.25 लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीदने की योजना बनाई है। इस पहल में, 50,000 करोड़ रुपये की किस्त 6 मई को जारी की जाएगी और आगे की तीन किस्तें 9, 15 और 19 मई को जारी की जाएंगी। इससे बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी। बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी इसके साथ ही, एक अन्य विकल्प चरखी दाधी जेनसोल इंजीनियरिंग क्षेत्र में संकट का सामना कर रही है। ईडी ने जेनसोल के परिसरों में छापा मारा और कई दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्डों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त किया। विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों में उत्पादन की वृद्धि दर मार्च, 2025 में गिरकर तीन फीसदी रही। इससे इंडस्ट्रियल उत्पादन की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

आईफोन 17 की लांचिंग पर मंडरा रहे संकट के बादल, चीन से आयात में देरी बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां) ।

चीन से आईफोन बनाने के लिए आवश्यक मशीनरी के आयात की अनुमति में लगातार हो रही देरी ने चिंता बढ़ा दी है। अगर यह देरी जारी रहती है, तो न केवल अपकमिंग आईफोन 17 के लॉन्च पर असर पड़ सकता है, बल्कि भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को दोगुना करने की एप्पल की संभावित योजना भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी का लक्ष्य था कि भारत से उत्पादन बढ़ाकर अमेरिका में आईफोन की मांग को पूरा किया जाए, ताकि चीन पर लगाए गए भारी आयात शुल्क से बचा जा सके। चीन से आयात को लेकर मंजूरी में देरी केवल इलेक्ट्रॉनिक्स तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरंग निर्माण में इस्तेमाल होने वाली ड्रिलिंग मशीनों और सोलर एनर्जी से जुड़ी मशीनों सहित अन्य क्षेत्रों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है।

यह ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार देशभर में सुरंगों के निर्माण पर आक्रामक रूप से काम कर रही है। एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के टॉप सूत्र ने बताया कि आम तौर पर एप्पल इंक हर साल एक नया मोबाइल फोन लॉन्च करता है, जबकि बाकी कंपनियां कम से कम दो मॉडल लॉन्च करती हैं। भारत में नए मॉडल असेंबल करने के लिए बड़ी मात्रा में नई आयातित मशीनों को रेट्रोफिट करना पड़ता है। लेकिन इस प्रक्रिया में अब लगातार देरी हो रही है, जो नए मॉडल के लॉन्च को प्रभावित कर सकती है। यह भी आशंका है कि मोबाइल असेंबली के लिए चीन से सेकंडहैंड मशीनरी के आयात जो कि वहां से भारत में उत्पादन क्षमता शिफ्ट करने का हिस्सा है, पर भी सख्ती बढ़ सकती है।

एथर एनर्जी को पहले दिन सिर्फ 16 फीसदी मिला सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी के आईपीओ को सब्सक्रिप्शन के पहले दिन निवेशकों से सुस्त रिस्पांस मिला। बाजार में तेजी के बावजूद पब्लिक इश्यू को पहले दिन केवल 16 फीसदी सब्सक्राइब किया गया। आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए 28 अप्रैल को खुला और 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2,981.06 करोड़ के आईपीओ को पहले दिन कुल 86,09,406 इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। जबकि बिक्री के लिए 5,33,63,160 शेयर रखे गए हैं। आईपीओ सब्सक्राइब के लिए 30 अप्रैल तक खुला रहेगा इस आधार पर पहले दिन की कुल सब्सक्रिप्शन दर 16 प्रतिशत रही। कर्मचारियों के लिए रिजर्व कोटा में सबसे अधिक भागीदारी देखी गई। इसमें 1.78 गुना बुकिंग हुई। रिटेल निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित श्रेणी में 63 प्रतिशत, नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने 16 प्रतिशत और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने लिए रिजर्व 2,89,27,363 के मुकाबले केवल 5,060 बोलियां लगाईं। एथर एनर्जी आईपीओ ग्रे मार्केट में सपाट रिस्पांस दे रहा है। अनौपचारिक बाजार गतिविधियों पर नज़र रखने वाले सूत्रों के अनुसार, कंपनी के नॉन लिस्टेड शेयर मंगलवार को ग्रे मार्केट में 322 रुपये पर कारोबार कर रहे है। यह प्राइस बैंड के अपर एंड 321 रुपये 1 रुपये के प्रीमियम को दर्शाते है।

इंफोसिस में 195 और प्रशिक्षुओं को निकाल बाहर किया

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत की दूसरे नंबर की आईटी सर्विस प्रोवाइडर फर्म इन्फोसिस ने आंतरिक मूल्यांकन (इंटरनल असेसमेंट) में खराब प्रदर्शन वाले 195 और प्रशिक्षुओं को कंपनी से बाहर कर दिया। कंपनी की ओर से भेजे गए ईमेल में यह जानकारी सामने आई है। प्रशिक्षुओं को निकालने का यह तीसरा दौर है। पहला दौर फरवरी में हुआ था जब 320 प्रशिक्षुओं को निकाल दिया था। दूसरा दौर इस महीने की शुरुआत में हुआ था, जिसमें 240 प्रशिक्षुओं को निकाला गया था। इन्फोसिस ने 2025 में कुल 15,000 प्रशिक्षुओं को काम पर रखा। प्रभावित प्रशिक्षुओं को 2022 में काम पर रखा गया था, और अक्टूबर 2024 में उन्हें शामिल किया गया था। इन्फोसिस की छंटनी ऐसे समय में हुई है जब कंपनी और उद्योग एक अनिश्चित मैक्रो माहौल से गुजर रहे हैं। कंपनी ने साल 26 के लिए 0-3 फीसदी के दायरे में रेवेन्यू ग्रोथ का अनुमान लगाया है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह वित्त वर्ष 26 के लिए लगभग 20,000 फ्रेशर्स को काम पर रखेगी।

ग्रीनप्लाई का चौथी तिमाही में मुनाफा घटकर हुआ 16.6 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्लाईवुड उद्योग की अग्रणी कंपनियों में से एक ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही का मुनाफा 41.45 प्रतिशत घटकर 16.60 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 28.36 करोड़ रुपये रहा था। ग्रीनप्लाई ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च 2025 में कंपनी की परिचालन आय 8.16 प्रतिशत बढ़कर 648.77 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 599.78 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा 28.36 करोड़ रुपये रहा था कंपनी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य में चौथी तिमाही के लिए प्लाईवुड व्यवसाय में वृद्धि संतोषजनक रही। उच्च ब्रांड प्रचार व्यय के बावजूद वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में मार्जिन सुधार के साथ 9.2 प्रतिशत हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा 31.12 प्रतिशत बढ़कर 91.72 करोड़ रुपये हो गया। एकीकृत राजस्व 14.11 प्रतिशत बढ़कर 2,487.58 करोड़ रुपये रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संधि भी की...

इस बहस के दौरान विपक्ष के नेताओं ने प्रधानमंत्री नेहरू से तीखे सवाल किए थे और इन्हीं सवाल उठाने वालों में से एक थे भारतीय जनसंघ के युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी जो बाद में देश के प्रधानमंत्री बने।अटल बिहारी वाजपेयी ने संसद में नेहरू पर यह आरोप लगाया था कि सिंधु जल समझौते पर जब भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत चल रही थी तो भारत के जल विशेषज्ञ प्रतिनिधियों ने इस एकतरफा संधि का विरोध किया था। लेकिन प्रधानमंत्री नेहरू ने इसमें दखल दिया और भारतीय प्रतिनिधि प्रतिनिधिमंडल को पाकिस्तान की मांगों के सामने झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी ने नवंबर 1960 में संसद में जो आरोप लगाए थे वो लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित लोकसभा डिबेट की सेकंड सीरीज के खंड 48 के पेज नंबर 3165 से लेकर 3240 पर प्रकाशित हुआ है। इस बहस के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय कानून के हिसाब से पाकिस्तान को इतना पानी देने की जिम्मेदारी हमारे ऊपर नहीं है। हम अगर चाहते तो पाकिस्तान को इससे कम शर्तों पर तैयार कर सकते थे, मगर पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने कहा है कि यह संधि तो होती ही नहीं अगर भारत के प्रधानमंत्री नेहरू उसमें दखल नहीं देते। मैं यह जानता हूं कि ऐसा कौन सा गतिरोध था जो दोनों देशों के अधिकारियों के बीच था और हमारे प्रधानमंत्री नेहरू ने उसमें हस्तक्षेप किया और यह समझौता हो गया। अगर प्रधानमंत्री नेहरू दोनों देशों के बीच सद्भावना और मित्रता स्थापित करने की बात करते हैं तो मेरा निवेदन है कि मित्रता और सद्भावना स्थापित करने का यह तरीका नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि पाकिस्तान अगर कोई गलत मांग रखता है तो उसका विरोध होना चाहिए। अच्छे संबंधों का आधार न्याय और तर्क को मानने से होता है। सिंधु जल समझौता भारत के हित में नहीं है। पाकिस्तान को हमने अनुचित कीमत दी है और उसके बाद भी पाकिस्तान की मित्रता हमें मिलेगी यह कोई भी विश्वास के साथ नहीं कह सकता। 65 साल पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने लोकसभा में जो कहा था वो सच साबित हुआ। पाकिस्तान को अपने हिस्से का पानी लुटाने के बाद भी भारत को पाकिस्तान की दोस्ती तो दूर सिर्फ और सिर्फ खूनी धोखा मिला है।

नवंबर 1960 में लोकसभा में विपक्ष के नेताओं ने पीएम नेहरू को इस बात पर भी घेरा कि आखिर जब हमने सिंधु नदी का 80.52 प्रतिशत जल पाकिस्तान को दे दिया था तो फिर 83 करोड़ देने की क्या जरूरत थी वो भी विदेशी मुद्रा। जबकि भारत का विदेशी भंडार जो विदेशी मुद्रा का भंडार उस समय खाली था। इस सवाल पर विश्व शांति के पैरोकार प्रधानमंत्री नेहरू की दलील थी कि हमने यह 83 करोड़ देकर शांति खरीदी है। नेहरू ने उस दिन लोकसभा में कहा था कि यह निर्णय आपके हिसाब से सही या गलत हो सकता है। आप इसका हिसाब लगा सकते हैं, लेकिन मैंने भी इसका हिसाब लगाया है और उसे समझने की कोशिश की है। मेरे सहकर्मियों ने पाकिस्तान से कई बार बात की और हमें लगा कि इन परिस्थितियों में यह 83 करोड़ देना एक सही भुगतान है। यह समझौता हमने खरीदा है।

30 नवंबर 1960 को लोकसभा में विपक्ष के सांसद और समाजवादी नेता अशोक मेहता की दूरदृष्टि ने सारा भविष्य देख लिया था। उन्हें पता था कि आगे क्या होने वाला है। अशोक मेहता ने उस दिन लोकसभा में कहा था कि 1947 में भी यह सोचकर देश का बंटवारा किया गया था कि इससे नरसंहार नहीं होगा लेकिन यह सोच गलत साबित हुई। सरकार एक बार गलती कर सकती है लेकिन कोई भी सरकार दो बार गलती नहीं कर सकती। समाजवादी नेता अशोक मेहता ने कहा कि हम पाकिस्तान को रियायतें दे रहे हैं, लेकिन क्या हम यह भरोसा कर सकते हैं कि इन रियायतों से उचित परिणाम मिलेंगे। संसद में विपक्ष नेहरू से सवाल पूछता रहा लेकिन नेहरू छोटा सा जवाब देकर संसद से बाहर निकल गए।

सिंधु जल समझौता हुआ तब मीडिया में नेहरू सरकार की कड़ी आलोचना हुई थी। अखबार ने लिखा था कि नई दिल्ली को याद होगा कि पिछले सालों में बातचीत के दौरान भारत किस तरह कदम दर कदम रियायतें देता रहा। हिंदू आगे लिखा था कि विभाजन के समय से ही भारत के साथ दुर्भाग्य रहा है और अब सिंधु नदी का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को मिल गया है। वहीं एक अन्य अखबार ने अपने संपादकीय में उस समय लिखा था कि विवाद के लगभग हर बड़े बिंदु पर भारत ने अपने हितों की कीमत पर पाकिस्तान की इच्छाओं के सामने घुटने टेक दिए हैं।

पाकिस्तान पर...

प्रतिबंधित किए गए प्लेटफॉर्म में समाचार आउटलेट डॉन, समा टीवी, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, रफ्तार, जियो न्यूज और सुनो न्यूज के यूट्यूब चैनल शामिल हैं। पत्रकार इरशाद भट्टी, अस्मा शिराजी, उमर चीमा और मुनीब फारूक के यूट्यूब चैनल भी प्रतिबंधित किए गए हैं। प्रतिबंधित किए गए अन्य हैंडल में द पाकिस्तान रेफरेंस, समा स्पोर्ट्स, उजैर क्रिकेट और रजी नामा शामिल हैं। ये यूट्यूब चैनल पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तान से तनावपूर्ण संबंधों के बीच भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और संवेदनशील सामग्री, झूठे-भ्रामक बयान और गलत सूचना प्रसारित कर रहे थे। भारत सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले पर बीबीसी की रिपोर्टिंग पर भी कड़ी आपत्ति जताई है। रिपोर्टिंग के दृष्टिकोण को लेकर नाराज केंद्र सरकार ने बीबीसी इंडिया की प्रमुख जैकी मार्टिन को पत्र लिखा है। पत्र में स्पष्ट रूप से लिख गया है कि रिपोर्टिंग घटना की गंभीरता और आतंकवाद की वास्तविकता को कमतर दर्शाती है।

भारत सरकार की इन कार्रवाइयों के बाद पाकिस्तान की बौखलाहट साफ तौर पर नजर आ रही है। पाकिस्तान ने भारत की साइबर सुरक्षा को भेदने की नापाक कोशिश की, जिसे भारतीय साइबर सुरक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान समर्थित आईओके हैकर समूह ने आर्मी पब्लिक स्कूल श्रीनगर और रानीखेत, आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गेनाइजेशन और भारतीय वायुसेना के प्लेसमेंट पोर्टल को निशाना बनाया। इसके तहत उनका मकसद वेबसाइटों को नुकसान पहुंचाना, सेवाएं बाधित करना और निजी डेटा चुराने की कोशिशें शामिल थीं। पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका सामने आने के बाद अब पाकिस्तान भारत की ऑनलाइन सेवाओं को निशाना बनाने की कोशिशें कर रहा है।

भारत की मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान की हैकिंग-हरकतों को तुरंत पहचान लिया और चारों वेबसाइटों को समय रहते प्रोटेक्ट कर लिया। कोई भी ऑपरेशनल या संवेदनशील नेटवर्क प्रभावित नहीं हुआ। वहीं, एलओसी पर भी भारत ने मजबूती से जवाब दिया है। 28-29 अप्रैल की रात को कुपवाड़ा, बारामुला और अखनूर सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी का भारतीय सेना ने प्रभावशाली जवाब दिया। यह लगातार पांचवां दिन है जब भारत ने पाकिस्तानी उकसावे पर मुंहतोड़ प्रतिक्रिया दी है।उधर सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ-साफ कह दिया है कि देश की सुरक्षा-संप्रभुता से जुड़ी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस मामले में यह महत्वपूर्ण बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पेगासस जासूसी मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि वे ऐसी किसी भी रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं करेंगे, जो देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी हो। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह संकेत दिया कि वह निजता के उल्लंघन की व्यक्तिगत आशंकाओं पर विचार कर सकता है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी समिति की रिपोर्ट पर सड़कों पर चर्चा नहीं होनी चाहिए।

पीठ ने कहा कि कोई भी रिपोर्ट, जो देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी हो, उसे छुआ नहीं जाएगा, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर अगर कोई यह जानना चाहता है कि वह रिपोर्ट में शामिल है या नहीं, उसे इसकी जानकारी दी जा सकती है। लेकिन रिपोर्ट को ऐसा दस्तावेज नहीं बनाया जाएगा कि सड़कों पर भी इसकी चर्चा हो। अदालत ने कहा कि वे इस बात की जांच करेंगे कि किस हद तक तकनीकी समिति की रिपोर्ट को संबंधित व्यक्ति के साथ साझा किया जा सकता है। इसके बाद पीठ ने मामले पर सुनवाई 30 जुलाई तक के लिए टाल दी।

जम्मू कश्मीर ...

बौद्ध मठ, हरवान, दाचीगाम (ट्राउट फार्म से आगे), स्तनपाना (कयामगाह रिसॉर्ट) और गांदरबल जिले में लछपात्री लेटरल, हंग पार्क और नरनाग शामिल हैं।यह प्रतिबंध सुरक्षा और प्रशासनिक उद्देश्यों से लगाया गया है। सरकार ने पर्यटकों से अपील की है कि वे केवल उन जगहों पर जाएं जहां सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था है और जो खुले हैं। यात्रा से पहले स्थानीय प्रशासन की अनुमतियों और विवरणों को देखने और समझ कर वहां जाने की सलाह दी गई है।

कनाडा में हारा...

मुझे पता है कि हम हमेशा डर के बजाय उम्मीद को चुनेंगे।जगमीत सिंह खालिस्तान के मुखर समर्थक रहे हैं और उन्होंने कनाडा में खालिस्तान कार्यकर्ताओं की ओर से अक्सर आवाज उठाई है। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और उनकी लिबरल पार्टी के सत्ता में बने रहने का अनुमान है। लिबरल पार्टी को संघीय चुनाव में उन्हें सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटें मिल रही हैं। कनाडा का आम चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों और कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकी के मद्देनजर लड़ा गया था। एक पोल के अनुसार, लिबरल पार्टी सोमवार के मतदान में चार अंकों की बढ़त पर थी। यह संघीय चुनाव निर्धारित समय से पहले घोषित किया गया था। नए प्रधानमंत्री बने कार्नी ने संसद को भंग कर दिया था और नए जनादेश की मांग की थी।

पाकिस्तानी सेना ...

हाशिम मूसा को पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप (एसएसजी) द्वारा लश्कर-ए-तैयबा को सौंपा गया था ताकि वह जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे सके।

पाकिस्तान में प्रशिक्षित दो स्थानीय आतंकवादी, जुनैद अहमद भट और अरबाज मीर गांगनगीर और बूटा पथरी के हमलों में भी शामिल थे। हालांकि, दोनों बाद में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे गए थे। इसी के साथ, खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि कश्मीर में कई पर्यटन स्थलों पर पहलगाम जैसे और आतंकी हमलों हो सकते हैं। जिसके चलते कश्मीर के 87 पर्यटन स्थलों में से 48 को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिए गए हैं।पहलगाम हमले और भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद घाटी में कुछ स्लीपर सेल सक्रिय हो गए हैं, जिन्हें फिर से हमला करने के निर्देश मिले हैं। बताया गया है कि आतंकवादियों के घरों को गिराने की कार्रवाई का बदला फिर से पहलगाम से बड़े पैमाने पर हमलों की योजना हो सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पुरानापुल शमशान वाटिका को शिव नारायण फाउंडेशन द्वारा मोक्ष रथ भेंट

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिव नारायण फाउंडेशन के चेयरमैन कमल किशोर अग्रवाल एवं अध्यक्ष तुषार अग्रवाल द्वारा श्री अग्रवाल सेवा समिति द्वारा संचालित पुरानापुल शमशान वाटिका में आने वाले शवों के लिए मोक्ष धाम वाहन भेंट किया गया। उक्त मोक्ष रथ में भजन के लिए साउंड सिस्टम, डीवीडी प्लेयर, शव को रखने के लिए विशेष स्थल, शव यात्रा में आने वालों के लिए गाड़ी में बैठने की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे शहर के दूर दराज से शवों को लाने में सहयोग मिलेगा। संस्था के अध्यक्ष सत्यप्रकाश तायल ने छँगामाल सत्यनारायण भालवाले, कमल अग्रवाल का आभार प्रकट किया। जिनका सहयोग संस्था के साथ हमेशा रहा है। इस अवसर पर पुरानापुल शमशान वाटिका के अध्यक्ष सत्यप्रकाश तायल ने बताया कि पुराना पुल शमशान में शवों के मोक्ष के लिए 20 नई छतरियों का निर्माण भी दानदाता-ओं के सहयोग से किया गया है और अर्थी के साथ आने वालों के लिए विश्राम होल का निर्माण भी तीन दानदाताओं के योगदान से किया गया है। जिनमें सूरजभान

छगनलाल मांढईवाले – बशीर बाग, प्यारेलाल महेश कुमार कानोडिया– महेश ट्रेडर्स, फीलखाना, रवि बंसल – बंसल एंटरप्राइजस दीवान देवढ़ी, नथमल सुरेश कुमार बसाईवाले –महेंद्र हिल्स, बजरंगलाल पुजारी– द् पुजारी पर्ल्स एंड ज्वेलर्स एम जी रोड सिकेंद्राबाद, चुन्नीलाल सुरेश कुमार मोदी– सुरेश कुमार ज्वेलर्स गु-लज़ार हौज़ एवं अबिड्स, बालाजी ज्वेलर्स एक्सपोर्टर्स – हिमायतनगर, गणेशलाल ओमप्रकाश अग्रवाल – बेगम बाजार, रुपेश कुमार मोदी – दोमलगुडा, शकुंतला अग्रवाल– सागरमल विनोद कुमार, मनोज टी ट्रेडर्स, ओल्ड मलकपेट, रघुनाथमल नरेंद्रकुमार गोयल– वेंकटेश्वरा ग्रुप, पवन कमार मोदी – पन्नालाल शंकर लाल मोदी बंजारा हिल्स, बाबुलाल राजेंद्र कुमार भालवाले – छवि सारीज चारकमान, रतनलाल अग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय रामनारायण अग्रवाल, संतलाल विजयकुमार अग्रवाल परिवार – नामपल्ली, छंगामल सतनारायण भालवाले – शिवनारायण ग्रुप आफ कंपनीज, कालूराम प्रेमचंद पोद्दार, दीपा ज्वेलर्स–चार कमान, प्रेमचंद प्रमोद कुमार –आगरा होटल वाले, रमेश चंद गोयल ताजपुरिया –फकीरचंद लालचंद ताजपुरिया, मुसद्दीलाल बालकिशन गुप्ता –हैदरगुड़ावालों का सहयोग रहा।

संस्था के परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि पुराणपुल शमशान वाटिका हैदराबाद की सबसे पुरानी शमशान वाटिका है जिसे अग्रवाल समाज द्वारा संचालित किया जाता रहा है। उन्होंने आगे बताया कि शमशान वाटिका में पुरानी छतरी जो मूसा नदी की समान ऊंचाई होने की वजह से कई बार बारिश के मौसम में नदी के पानी के साथ, नदी की पूरी गंदगी भी शमशान वाटिका में प्रवेश कर जाती है और कई बार जलती हुई अर्थी की अग्नि भी भुज जाती है, जिसे सफाई करने में बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन पुरानी छतरियों को भी ऊंचाई पर पुनः स्थापित करने के लिए एक रूप रेखा तैयार की जा रही है जो बहुत जल्द ही प्रारंभ की जाएगी। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सत्य प्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बजरंग लाल भालवाले, मंत्री अजय अग्रवाल, टी. सुनील अग्रवाल, आशीष अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

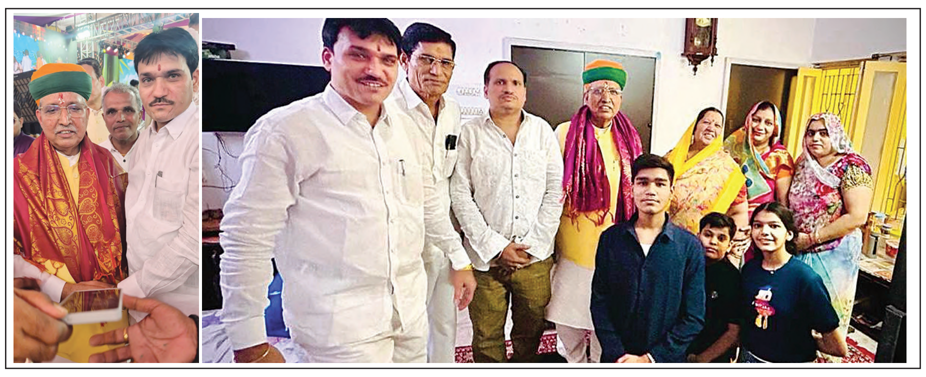

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के हैदराबाद दौरे के दौरान उन्होंने भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी के निवास पर पधारे। इस अवसर पर उनका स्वागत करते हुए परिवार के जेठमल सोनी, सुरेश कुमार सोनी अभिषेक सोनी जय लक्ष्मी सोनी राजवीर सोनी धनलक्ष्मी सोनी।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में राकेश जायसवाल, पार्षद, जामबाग डिवीजन ने भाग लिया। यह बैठक दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देने और इस दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी से प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए बुलाई गई थी।

लकड़ी का पुल स्थित होटलअबोड मे इंडियन मेडिकल असोसियेशन हैदराबाद शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ए.आई.जी. होस्पिटल्स के चेरमैन डॉ. नागेश्वर रेड्डी को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मविभूषण से सम्मानित किये जाने पर उनका अभिनंदन करते हुए फैमिली प्लानींग एसोसियेशन ऑफ इंडिया हैदराबाद शाखा के पूर्व अध्यक्ष लायन कांतिलाल शाह। साथ में हैं ऐसेट एन.एक्स. इंडिया के निदेशक सिद्धार्थ शाह एवं अन्य। उल्लेखनिय है कि डॉ. रेड्डी चिकित्सा जगत के भारत के दूसरे ऐसे डॉक्टर है जिन्हे पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया है।

सनतनगर लोधा अपार्टमेंट्स में भगवान परसुराम जयंती मनाते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, अल्का जनेनी, रेखा, सुनीता, उमा, उर्मिला रेनू, सोनिया, पिंकी,मंजू, बीना, पूजा, अनिता व अन्य।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को स्व. भवरलाल परवल (वर्मा) की पुण्यतिथि पर भवरलाल श्यामसुंदर परवाल परिचार (केमी–ड्रग्स अमीरपेट) एवं स्व. श्रीमती उर्मिला धानुका की मासिक पुण्यतिथि पर धानुका परिवार, दिल्ली तथा निलेश डालिला के जन्मदिन पर (मुन्नालाल राजेंद्रकुमार डालिला परिवार) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर महेश अग्रवाल,संजय गोयल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,अरविन्द गुप्ता,उमा रानी,प्रीतिका अग्रवाल,नंदकिशोर अग्रवाल,भगतराम गोयल,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,ई–जगन (चंपा पेट),नयन संघी,नीलेश दलेला,पूजा दलेला एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

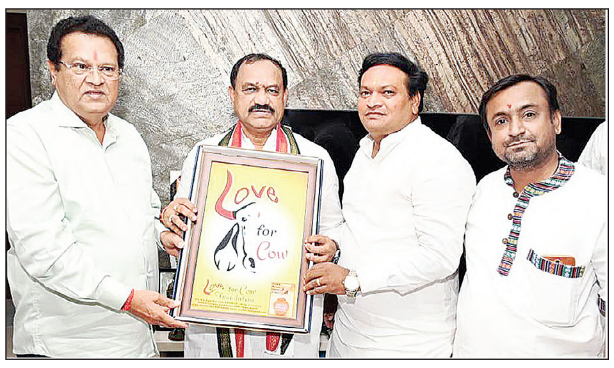

कोकापेट स्थित उनके निवास पर तेलंगाना प्रदेश कोंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड से शिष्टाचार भेंट कर लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे गौसेवा कार्यों की जानकारी देते हुए चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, आर. के. जैन व अन्य।

हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वैलरी शो (एचआईजेएस) 2025 दक्षिण भारत की प्रमुख बी2बी ज्वैलरी प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन यूनाइटेड एक्जीबिशन द्वारा 23 से 25 मई 2025 के दौरान जीएमआर एरिना (एयरपोर्ट के पास) हैदराबाद में किया जाएगा। मंगलवार को होटल मैरीग-ोल्ड में हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वैलरी शो की तारीखों की घोषणा की गई। इस अवसर पर वी.के. मनोज, निदेशक–परियोजनाएं, यूनाइटेड एक्जिबिशन्स के साथ महेंद्र तायल - अध्यक्ष - हाईटेक सिटी ज्वैलरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, मुकेश अग्रवाल–उपाध्यक्ष - हाईटेक सिटी ज्वैलरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, जगदीश प्रसाद वर्मा–अध्यक्ष तेलंगाना बुलियन जेम्स एंड ज्वैलर्स फेडरेशन, सुरेश भोसले, महासचिव - तेलंगाना बुलियन जेम्स एंड ज्वैलर्स फेडरेशन, पारसमल रांका, अध्यक्ष - तेलंगाना ज्वैलर्स एंड पॉनब्रोकर्स एसोसिएशन - सुरेशचंद संचेती–महासचिव तेलंगाना ज्वैलर्स एंड पॉनब्रोकर्स एसोसिएशन - हिमांशु बापना, संयुक्त सचिव - पॉटमार्केट ज्वैलर्स एसोसिएशन, कैलाशचरण, अध्यक्ष - ट्विन सिटीज ज्वैलर्स एसोसिएशन, प्रवीण अग्रवाल महासचिव - ट्विन सिटीज ज्वैलर्स एसोसिएशन, रोहित जैन - टीएन ज्वैलर्स टेंपल ज्वैलरी पार्टनर, सुरेश जैन - ज्वैलरी ट्रेंड पार्टनर - चिंतामणि गोल्ड, रितेश सांघी से सांघी - ज्वैलरी इनोवेशन पार्टनर आदि उपस्थित थे।

आगामी 4 मई को ललित कला तोरणम नामपल्ली में विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा आयोजित गो महाहारती कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, वीएचपी नेता श्रीनिवासा राजा, चिकोटी प्रवीण को आमंत्रित करते हुए अध्यक्ष वैभव सुर्या, डॉ. समता व अन्य।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विरोध रैली आयोजित

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पहलगांव आतंकी हमले के विरोध में रैली निकाली गई ।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रैली में हिंदुस्तान जिंदाबाद, पाकिस्तान मुरादाबाद, मोदीजी संघर्ष करो, पाकिस्तान पर आक्रमण करो हम तुम्हारे साथ है, जय जय माता भारत माता आदि के नारे लग रहे थे । रैली ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल के निवास घांसी बाज़ार से प्रारंभ होकर वैदिक वाचनालय, महिला पुलिस

स्टेशन, बड का झाड़ से होते हुए उन्ही के निवास पर समापन हुई । रैली में भारतीय जनता पार्टी, चारमीनार संभाग के अध्यक्ष प्रवीण कुमार, गोलकोंडा संभाग के कोषाध्यक्ष अशोक सेन, किसान मोर्चा के श्रीधर यादव,- ट्रस्ट के सदस्य राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, संतोष गोयल, मधु गोयल, पी. वीरमणि, पिंकी अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, राम लता अग्रवाल, लक्ष्मी दत्त, शमूली, गायत्री अग्रवाल, इशिका अग्रवाल आदि उपस्थित थे । राष्ट्रीय गान के साथ रैली का समापन हुआ । संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल ने रैली में भाग लेकर उसे सफलता प्रदान करने वाले सभी सदस्यों का आभार जताया।

डॉ. शैलजा पहली महिला विशिष्ट वैज्ञानिक नियुक्त

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर–आईआईसीटी), हैदराबाद की पूर्व वैज्ञानिक डॉ. शैलजा डोनमपुडी को सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली में बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप (बीडीजी) का नेतृत्व करने के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक (डीएस) के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने सोमवार, 28 अप्रैल को आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला।

यह नियुक्ति एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि डॉ. शैलजा सीएसआईआर के आठ दशक के इतिहास में विशिष्ट वैज्ञानिक के रूप में नामित होने वाली पहली महिला बन गई हैं।डॉ. शैलजा का सीएसआईआर–आईआईसीटी के साथ जुड़ाव 1993 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से पॉलिमर रसायन विज्ञान में पीएचडी और हैदराबाद विश्वविद्यालय से एमएससी, एम.फिल पूरा करने के बाद शुरू हुआ। 28 से अधिक वर्षों के अपने करियर में उन्होंने पॉलिमर संश्लेषण, लक्षण वर्णन और प्रौद्योगिकी और विकास में योगदान दिया है।

रामचरितमानस पारायण के मख्य यजमान परिवार द्वारा वैवाहिक वर्षगांठ पर रामायण संकल्प लेकर स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

एसएससी परीक्षा परिणाम आज घोषित किए जाएंगे

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एसएससी परीक्षा परिणाम 2025 बुधवार, 30 अप्रैल को दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा रवींद्र भारती सभागार में घोषित किया जाएगा।आधिकारिक वेबसाइटों bse.telangana.gov.in और bseresults.telangana.gov.in के अलावा , एसएससी परीक्षा परिणाम निम्नलिखित वेबसाइटों से डाउनलोड किए जा सकते हैं।तेलंगाना सरकार ने पहले की ग्रेड प्रणाली (ए1, ए2, बी1, आदि) को समाप्त कर दिया है और कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए अंक–आधारित मूल्यांकन पुनः शुरू किया है।अब अकादमिक प्रदर्शन संख्यात्मक अंकों में दिखाया जाएगा, लेकिन पाठ्येतर गतिविधियों को ग्रेड दिया जाना जारी रहेगा। अंतिम प्रमाणपत्रों में केवल पास लिखा होगा, कोई डिवीज़न निर्दिष्ट नहीं किया जाएगा।हालाँकि आंतरिक मूल्यांकन को शुरू में हटा दिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें 2024–25 शैक्षणिक वर्ष के लिए फिर से बहाल कर दिया गया, क्योंकि तीन आंतरिक परीक्षाएँ पहले ही आयोजित की जा चुकी थीं।

तेरापंथ कन्या मंडल, हैदराबाद द्वारा इतिहास की परिक्रमा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा इतिहास की परिक्रमा (शिवा महासती की जीवनी) और टॉक शो 27 अप्रैल को आयोजित किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार इतिहास की परिक्रमा और , हेलो जिंदगी – – टॉक शो का आयोजन दिनांक 27.04.2025 को मानसरोवर हाइट्स, तिरुमलगिरि में डॉ. साध्वी श्री गवेषणा श्री जी आदि ठाणा-4 के सानिध्य में किया गया। इतिहास की परिक्रमा में (शिवा महासती की जीवनी का सुंदर चित्रण नाटिका के माध्यम से कन्याओं द्वारा प्रस्तुत किया गया।किस प्रकार शिवा महासती ने शील के बल पर नगर को राख होने से बचाया और सूझ बूझ से महामंत्री को भी सतपथ पर ले आई।इस नाटिका का संचालन सह संयोजिका सुरभि बोथरा ने किया । राजा प्रद्योत का किरदार

वैशाली सुराणा , शिवा महासती का लविशा जैन , महामात्य बनी जीविका बैद, व दासी की भूमिका में छवि जैन । साध्वीवृंद एवं दर्शकगणों ने इस नाटिका का भूरी भूरी प्रशंसा की ।टॉक शो एक जीवन दिशा बदलाव वाला शो रहा।कार्यक्रम में स्वागत भाषण के साथ सभी का स्वागत कन्या सह- प्रभारी रेखा संकलेचा ने किया, एवं वक्ता का परिचय कन्या मंडल की सह – संयोजिका सुरभि बोथरा द्वारा दिया गया।डॉ.साध्वी श्री गवेषणा श्री जी ने टॉक शो के तीनों मुख्य बिंदुओं जड़ों की ओर वापसी, हमें सामाजिक क्यों होना चाहिए, सपने कैसे वास्तविकता में बदल सकते हैं (लक्ष्य निर्धारण की शक्ति) को आज की नव पीढ़ी को धर्म से कैसे जुड़े रहना है वह बहुत ही सुन्दर ढंग से समझाया ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुश्री रुचि सेठिया (परामर्श मनोवैज्ञानिक) ने टॉक शो के तीनों मुख्य बिंदुओं पर बहुत ही सरल, दिलचस्प कहानी के माध्यम से कन्याओं को समझाया एवं बताया कि कैसे हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकते है और हमारे संस्कार बंधन नहीं हैं वे हमें सही एवं स्वस्थ जीवन जीना सीखते हैं। और हम हमारे जीवन में बेहतर बदलाव कर सकेंगे।

नाटिका के सभी पात्रों को महिला मंडल द्वारा पुरस्कृत किया गया साथ ही हमारी वक्ता सुश्री रुचि सेठिया का भी सम्मान महिला मंडल की मंत्री श्रीमती सुशीला जी मोदी, एवं कन्या सह – प्रभारी श्रीमती रेखा जी संकलेचा द्वारा साहित्य भेंट एवं दुपट्टा पहना कर किया गया।

इस कार्यक्रम में कई पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्तियो के साथ सैकड़ों श्रावक श्राविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार व्यक्त सह- प्रभारी श्रीमती रेखा जी संकलेचा ने किया । कार्यक्रम का कुशल संचालन सह-संयोजिका सुश्री सुरभि बोथरा ने किया। कार्यक्रम में कन्याओं की अच्छी उपस्थिति रही ।कार्यक्रम की संपन्नता साध्वी श्री जी के मंगलपाठ द्वारा हुआ। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती शीतल कोठारी, सहप्रभारी श्रीमती रेखा जी संकलेचा, संयोजिका सुश्री पूर्वा सुराणा और सह-संयोजिका सुश्री सुरभि बोथरा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग किया।

तेलंगाना डीजीपी पद के लिए दौड़ तेज सरकार ने यूपीएससी को नाम भेजे

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के डीजीपी डॉ. जितेन्द्र इस साल 6 सितंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं, इसलिए राज्य सरकार ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश में तेजी से काम शुरू कर दिया है। सरकार ने प्रारंभिक चयन प्रक्रिया पूरी कर ली है और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की सूची संघ लोक सेवा आयोग (यूप-ीएससी) को भेज दी है। कुल आठ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है और उनके नाम यूपीएससी को भेजे गए हैं। इन अधिकारियों में शामिल हैं: रवि गुप्ता, सी.वी. आनंद, डॉ. जितेन्द्र, आप्टे विनायक प्रभाकर, कोथाकोटा श्रीनिवास रेड्डी, बी. शिवधर रेड्डी, डॉ सौम्या मिश्रा, शिखा गोयल

यूपीएससी अधिकारियों की योग्यता का मूल्यांकन करेगा और राज्य सरकार को तीन नामों की सिफारिश करेगा, जो अंतिम चयन करेगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सी.वी. आनंद, बी. शिवधर रेड्डी और डॉ. सौम्या मिश्रा शीर्ष पद के लिए प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं। यदि डॉ. सौम्या मिश्रा चुनी जाती हैं, तो वह तेलंगाना की पहली महिला डीजीपी बनकर इतिहास रच सकती हैं। हालांकि, राजनीतिक और प्रशासनिक समीकरणों के आधार पर, अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि सी.वी. आनंद और बी. शिवधर रेड्डी वर्तमान में इस प्रतिष्ठित पद के लिए अग्रणी उम्मीदवार हैं।

यूपीएससी जल्द ही अपनी सिफारिशें भेजेगा। अगले कुछ दिनों में पता चल जाएगा कि तेलंगाना पुलिस विभाग के नए प्रमुख के रूप में कौन कार्यभार संभालेगा।

यदाद्री भोंगीर जिले में प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स फैक्ट्री में विस्फोट में तीन लोगों की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रीमियर एक्सप्लोसिव कंपनी के तीन कर्मचारियों की मंगलवार को फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बेहतर इलाज के लिए यहां अस्पताल ले जाया गया है। विस्फोटक फैक्ट्री मोटाकोंदूर गांव के कटेपल्ली गांव में स्थित है।सूत्रों का कहना है कि विस्फोट कंपनी के ब्लॉक 18ए में हुआ। जबर्दस्त विस्फोट हुआ, उस समय ब्लॉक में छह कर्मचारी थे, जिसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी जा सकती थी। विस्फोट के कारण ब्लॉक 18ए की इमारत ढह गई।

मृतकों की पहचान जी संदीप, चौधरी चरण और नरेश के रूप में हुई है।

नरेश की मौत नजदीकी अस्पताल ले जाते समय हो गई, जबकि दो अन्य के शव अभी तक नहीं मिले हैं।घायलों में बुग्गा लिंगस्वामी, श्रीकांत, श्रीकांत और महेंद्र शामिल हैं। उन्हें भोंगीर के एक स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया और बाद में हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया।अंतिम रिपोर्ट मिलने तक कटेपल्ली के ग्रामीण मृतक श्रमिकों के परिवार के सदस्यों के लिए मुआवजे की मांग को लेकर फैक्ट्री के सामने प्रदर्शन कर रहे थे।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में डॉ. मांगीलाल जाट ने किया भाकृअनुप का दौरा

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भाकृअनुप, पद्मभूषण डॉ. आर एस पड़ौदा, भूतपूर्व सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भाकृअनुप, डॉ. डी के यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) तथा डॉ. आर सी अग्रवाल, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भाकृअनुप ने 27-28 अप्रैल, 2025 के दौरान भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। डॉ. मांगी लाल जाट ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने इस संस्थान का श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नयन किया है, अतः हमारे दायित्व एवं जवाबदेही बढ़ जाती है। सर्वप्रथम हमें लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और समय-समय पर उनके कार्यान्वयन की समीक्षा करके उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। हमें बिना घबराए चुनौतियों का सामना करना चाहिए चूंकि हर चुनौति के साथ अवसर भी होते हैं जिनका हमें सदुपयोग करना चाहिए। हमारा मुख्य ध्येय किसानों के चेहरों पर मुस्कान ही होना चाहिए।

डॉ. आर एस पड़ौदा ने कहा कि एक संगठन के स्टाफ में संतुलन एवं समन्वय बनाए रखना चाहिए ताकि प्रत्येक कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि श्री अन्न के क्षेत्र में गिरावट को रोकने हेतु प्रयास करते हुए, उन्हें प्रतिस्पर्धी फसलें बनाना होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एवं महर्षि जैसी योजनाओं व पहलों हेतु हमें हमारे कौशल का परिष्कार करना आवश्यक है। हमें श्री अन्न जननद्रव्य/जीन संग्रह को मजबूत करना चाहिए और आवश्यकता, मांग एवं आपूर्ति में संतुलन रखने हेतु प्रयास करने चाहिए। संस्थानों को विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी अनुसंधान के माध्यम से कम संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए।

डॉ. डी के यादव ने भी संस्थान का दौरा किया एवं संस्थान में संचालित विविध निर्माण एवं शोध कार्यों की समीक्षा की तथा उनमें तीव्रता लाने हेतु उपयुक्त सुझाव दिए। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने संस्थान में संचालित विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों तथा वैश्विक श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण संबंधी योजनाओं, महर्षि सचिवालय एवं संचालित अन्य कार्यों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

उक्त पदाधिकारियों ने प्रारंभ में संस्थान में जारी श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण कार्यों, श्री अन्न प्रक्षेत्र एवं जैव-प्रौद्योगिकी, जैव-रसायन, जीनोम संपादन प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। डॉ. मांगी लाल जाट ने आईआईएमआर एफपीओ एग्रो मार्ट तथा आईसीआईसीआई फाउंडेशन के माध्यम से निर्मित फील्ड हट का उद्घाटन किया। इसके अलावा अधिकारियों ने संस्थान में स्थापित विविध सुविधाओं - किसानों हेतु स्थापित प्राथमिक प्रसंस्करण सुविधाओं, प्रक्षेत्र अनुसंधान सुविधाओं, मूल्यवर्धन उत्कृष्टता केंद्र, सामान्य सुविधा केंद्र, न्यूट्रीहब का भी दौरा किया तथा संस्थान के प्रशासनिक भवन में प्रदर्शित विविध श्री अन्न जननद्रव्यों एवं बीजों का भी अवलोकन किया। पदाधिकारियों ने संस्थान में संचालित कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें और मजबूती प्रदान करने हेतु प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

अग्रवाल समाज अशोकनगर शाखा का चुनाव 18 मई को

हैदराबादा, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज अशोकनगर शाखा की संस्थापिका पूजा गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसर कार्यकारिणी बैठक में शाखा के नये पदाधिकारियों, केन्द्रीय समिति सदस्य एवं कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव 18 मई को साधारण सभा में करने का निर्णय लिया गया।

शाखा की बशीरबाग स्थित शाकाहारी पार्क होटल पर कार्यकर्णी बैठक सम्पन्न हुई। सभा का आरंभ शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता की अध्यक्षता में हुई ।

पूजा गुप्ता ने साल भर में प्रोग्राम की रिपोर्ट पेश की, और कोषाध्यक्ष सुलभ ने आय व्यय का ब्यूरो प्रस्तुत किया। जिसे सभी ने करताल ध्वनि से स्वीकार किया।इसके बाद चुनाव के संबंध में चर्चा हुई जिसमें सभी ने 18 मई को चुनाव कराने का निर्णय लिया इसके लिए अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता ने अजय कुमार अग्रवाल को चुनाव अधिकारी एवं अशोक अग्रवाल को अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया है। फकीरचंद बंसल द्वार धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

अवसर प्रति पूजा गुप्ता सतना एवं गुप्ता सत्यनारायण गुप्ता अजय कुमार अग्रवाल फकीरचंद बंसल संजीव अग्रवाल हेमन्त अग्रवाल अशोक अग्रवाल एवीएन सुलभ अग्रवाल उपस्थित रहे।

सूत्रधार साहित्यिक संस्था द्वारा पहलगाम हमले के पीड़ितों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद, भारत द्वारा 65वीं मासिक गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया। यहां पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में संस्थापिका सरिता सुराणा ने बताया कि यह गोष्ठी पहलगाम हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित थी। उन्होंने गोष्ठी में उपस्थित सभी रचनाकारों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया और वरिष्ठ गज़लकार श्रीमती सुनीता लुल्ला को गोष्ठी की अध्यक्षता करने हेतु मंच पर आमंत्रित किया। श्रीमती रिमझिम

झा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वन्दना से गोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। प्रथम सत्र में दिवंगत आत्माओं की शान्ति हेतु दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात् सरिता सुराणा ने नए जुड़ने वाले सदस्यों- नवल अग्रवाल, रेखा अग्रवाल और शोभा देशपांडे को विशेष अतिथि के रूप में मंच पर आमंत्रित किया और संस्था के कार्यों की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की।

हम सभी जानते हैं कि पहलगाम हमले के बाद देश की जनता में आक्रोश है, दुःख है और आतंकवादियों को मुँहतोड़ जवाब देने की बेताबी है। सभी रचनाकारों ने इसी आक्रोश को अपनी रचना का आधार बनाकर अपनी-अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इस काव्य गोष्ठी में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर को विशेष रूप से याद किया गया और उनकी क्रांतिकारी रचनाओं का भी पाठ किया गया।

दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान संपदा द्वारा आईसीडी-11 और टीएम मॉड्यूल-2 पर ऑनलाइन दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह सपन्न हुआ ।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, तथा पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक एवं साहित्यिक अनुसंधान के, विश्व स्वास्थ संगठन के सहयोगी केंद्र के रूप में कार्यरत इस संस्थान द्वारा आयुष क्षेत्र में आईसीडी-11 और ढच् मॉड्यूल-2 के कार्यान्वयन के प्रशिक्षकों का चल रहा दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम समापन समारोह सम्पन्न हुआ ।इस का आयोजन डॉ एन. श्रीकान्थ, उप-महानिदेशक, सीसीआरएएस के ऑनलाइन उपस्थिति में एवं अध्यक्षता में किया गया था । कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद डॉ जी पी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, छखखचक ने दो दिवसीय कार्यशाला में प्राप्त किए गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया । डॉ एन. श्रीकान्थ, उप-महानिदेशक, सीसीआरएएस ने इस कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षित की गए प्रतिभागियों को आगे चल कर देश के विभिन्न हिस्से में कार्यरत अन्य आयुर्वेद चिकित्सा समुदाय में आईसीडी-11 और टीएम मॉड्यूल-2 के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने को कहा गया । डॉ व्ही के लवानीया, अनु. अधि. (आयु.), सीसीअ-ारएस ने आभार प्रकट का कार्य किया ।

सैयद मुकर्रम को डिप्टी एक्जीक्यूटिव इंजीनियर नेशनल हाईवे मेहबूब नगर डिवीजन के रूप में नियुक्त

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सैयद मुकर्रम, रोड्स एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट, हैदराबाद जो सेंट्रल बिल्डिंग डिवीजन में सहायक कार्यकारी अभियंता के रूप में सेवा कर रहे थे।

आर एंड बी विभाग के हालिया पुनर्गठन के बाद, अब

उन्हें वर्ष 2024-25 के लिए पदोन्नति पैनल के तहत वरिष्ठता सूची के अनुसार चयनित सहायक कार्यकारी इंजीनियरों के साथ पदोन्नत किया गया है और जी.ओ. 168 के माध्यम से, उन्हें रोड्स एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट के नेशनल हाईवे डिवीजन महबूब नगर में डिप्टी एक्जीक्यूटिव इंजीनियर (तकनीकी) के रूप में नियुक्त किया गया है।

न्यायमूर्ति शमीम अख्तर को तेलंगाना मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के रूप में उनकी हाल ही में हुई नियुक्ति पर हार्दिक बधाई देते हुए स्नैप्स इंडिया के संपादक मो. शम्सुद्दीन। तेलंगाना उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अख्तर को तीन साल के कार्यकाल के लिए आयोग का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया गया है। अपनी न्यायिक सूझबूझ और ईमानदारी के लिए व्यापक रूप से सम्मानित न्यायमूर्ति अख्तर ने हाल ही में तेलंगाना सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों के बीच उप-वर्गीकरण की जांच और सिफारिश करने के लिए गठित न्यायिक आयोग की अध्यक्षता की।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, LAKSHMI Spouse of Service No.JC674964F Sub NARAYANA KANKAM, R/o.3-88F, Pusalapadu, Prakasam, Andhra Pradesh-523334 have changed my name from LAKSHMI to KANAKAM LAKSHMI DEVI vide affidavit dt:26-4-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SAROJA Spouse of Service No. 227673R Master Warrant Officer Honorary Flying Officer (Retd) A H M M NATARAJESWARA RAO, R/o.1-2-24, Flat No.505, Venkkat-aKrupa Apartments, GaganMahal, Domalguda, Himayathnagar, Hyderabad-500029, Telangana have changed my name and DOB from SAROJA, DOB:07-04-1945 to A SAROJA, DOB:07-04-1944 vide affidavit dt:29-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, SUNITHA Legally wedded wife of ARMY No7431602K Rank Naik Name PALUGULLA RAJASEKAR REDDY Resident of H/No 415 Shamrock appartment (Beeramguda) Ameenapur (VTC, Post) Sangareddy (Dist) Telangana (State) 502032 do hereby declare that I have Changed my Name from SUNITHA to PALUGULLA SUNITHA due to variation of my Name in army and Civil documents vide affidavit Swarn before public notary date 29/04/2025

हमारी मदद करो या मेरे बेटे को मरने दो: कलेक्टर कार्यालय के बाहर एक माँ की आंसू भरी गुहार

जनगांव, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जनगांव जिले में एक बेहद भावनात्मक और दुखद घटना सामने आई, जहां एक मां ने सरकारी अधिकारियों से दिल दहला देने वाली गुहार लगाई- या तो उसे सहायता प्रदान करें या उसके बेटे को मरने दें। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिसने पूरे राज्य में लोगों का ध्यान और सहानुभूति आकर्षित की है।

लक्ष्मी, एक दिहाड़ी मजदूर, पिछले 30 सालों से अपने शारीरिक रूप से विकलांग बेटे की देखभाल कर रही है। उसका बेटा जन्मजात बीमारी के साथ पैदा हुआ था, जिसके कारण उसके दोनों हाथ और पैर लकवाग्रस्त हो गए थे। भारी चुनौतियों के बावजूद, उसने अपने बेटे की रक्षा की और उसकी देखभाल अपनी आँखों की तरह की, साथ ही साथ एक दिहाड़ी मजदूर के

रूप में कड़ी मेहनत करके अपना पेट पालना भी जारी रखा।

हाल के दिनों में लक्ष्मी ने खुलासा किया कि उन्हें महत्वपूर्ण सरकारी कल्याण लाभ नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने दुख जताया कि उनके बेटे की विकलांगता पेंशन 4,000 है जो आवश्यक डायपर की लागत को कवर करने के लिए भी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें इंदिराम्मा आवास (इंदिरम्मा इल्लू) और शून्य बिजली बिल (जीरो पावर बिल) जैसी प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच से वंचित रखा गया है , जबकि वह एक गरीब मजदूर के रूप में पात्र हैं।

मदद की हताशा में लक्ष्मी अपने बेटे को लेकर जनगांव जिला कलेक्टर के कार्यालय में सहायता मांगने गई। हालांकि, जब कोई अधिकारी उसकी शिकायतों को सुनने के लिए आगे नहीं आया, तो वह फूट-फूट कर रोने लगी। भावनाओं से अभिभूत होकर उसने चिल्लाते हुए कहा, मेरी मदद करो, या मेरे बेटे को मरने दो। उसकी चीख पूरे परिसर में गूंजी, जिससे वहां मौजूद कई लोग रो पड़े।

एक राहगीर ने इस दिल दहला देने वाले पल को वीडियो में कैद कर लिया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। इस क्लिप ने तुरंत ही लोगों का ध्यान खींचा और व्यापक आक्रोश और सहानुभूति पैदा की। नेटिज़ेंस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य सरकारी अधिकारियों को टैग करना शुरू कर दिया, और उनसे तत्काल कार्रवाई करने और लक्ष्मी और उसके बेटे का समर्थन करने का आग्रह किया।

जैसे-जैसे वीडियो प्रसारित होता जा रहा है, सरकार पर करुणा और तत्परता से प्रतिक्रिया करने के लिए जनता का दबाव बढ़ रहा है। नागरिक न केवल लक्ष्मी के लिए वित्तीय सहायता की मांग कर रहे हैं, बल्कि तेलंगाना में विकलांगों और वंचितों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को कैसे लागू किया जा रहा है, इसकी व्यापक समीक्षा की भी मांग कर रहे हैं।

रेलवे बोर्ड ने दी पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसीकृष्ण के ज्ञापन को मंजूरी

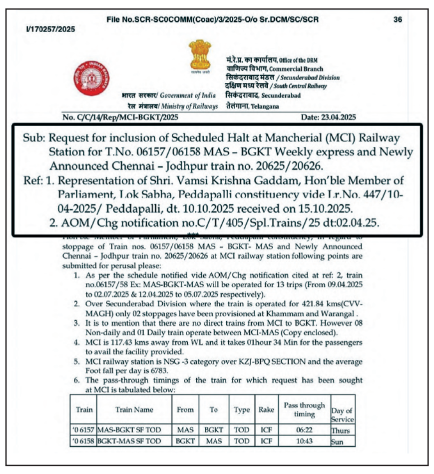

File No.SCR-SC0COMM(Coac)/3/2025-O/o Sr.DCM/SC/SCR 36
I/170257/2025
भारत सरकार/ Government of India
रेल मंत्रालय/ Ministry of Railways
मं.रे.प्र. का कार्यालय, Office of the DRM
वाणिज्य विभाग, Commercial Branch
सिकंदराबाद मंडल / Secunderabad Division
दक्षिण मध्य रेलवे / South Central Railway
सिकंदराबाद, Secunderabad
तेलंगाना, Telangana
No. C/C/14/Rep/MCI-BGKT/2025 Date: 23.04.2025

Sub: Request for inclusion of Scheduled Halt at Mancherial (MCI) Railway Station for T.No. 06157/06158 MAS – BGKT Weekly express and Newly Announced Chennai – Jodhpur train no. 20625/20626.
Ref: 1. Representation of Shri. Vamsi Krishna Gaddam, Hon'ble Member of Parliament, Lok Sabha, Peddapalli constituency vide Lr.No. 447/10-04-2025/ Peddapalli, dt. 10.10.2025 received on 15.10.2025.
2. AOM/Chg notification no.C/T/405/Spl.Trains/25 dt:02.04.25.

stoppage of Train nos. 06157/06158 MAS - BGKT- MAS and Newly Announced Chennai – Jodhpur train no. 20625/20626 at MCI railway station following points are submitted for perusal please:
1. As per the schedule notified vide AOM/Chg notification cited at ref: 2, train no.06157/58 Ex: MAS-BGKT-MAS will be operated for 13 trips (From 09.04.2025 to 02.07.2025 & 12.04.2025 to 05.07.2025 respectively).
2. Over Secunderabad Division where the train is operated for 421.84 kms(CVV-MAGH) only 02 stoppages have been provisioned at Khammam and Warangal .
3. It is to mention that there are no direct trains from MCI to BGKT. However 08 Non-daily and 01 Daily train operate between MCI-MAS (Copy enclosed).
4. MCI is 117.43 kms away from WL and it takes 01hour 34 Min for the passengers to avail the facility provided.
5. MCI railway station is NSG -3 category over KZJ-BPQ SECTION and the average Foot fall per day is 6783.
6. The pass-through timings of the train for which request has been sought at MCI is tabulated below:

Train	Train Name	From	To	Type	Rake	Pass through timing	Day of Service
'0 6157	MAS-BGKT SF TOD	MAS	BGKT	TOD	ICF	06:22	Thurs
'0 6158	BGKT-MAS SF TOD	BGKT	MAS	TOD	ICF	10:43	Sun

मंचेरियाल, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी समाज के लोग मंचेरियाल में भारी मात्रा में है जिनको अपने जन्मभूमि तक जाने के लिए कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड रहा था आखिरकार समाज के लोगों ने जाकर निवेदन पूर्वक ज्ञापन सौपा ज्ञापन पर अम्ल करके पेद्दापल्ली सांसद वामसीकृष्ण से लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप रेलवे बोर्ड ने मंचेरियाल (एमसीआई) रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 06157/06158 (M-S-BGKT-M-S) 5 का ठहराव देने के मामले पर विचार किया हालांकि रेलवे बोर्ड के नियमों के अनुसार ठहराव की मंजूरी के लिए आवश्यक आय मानदंड पूरा नहीं किया गया है बोर्ड ने सांसद के अनुरोध का सम्मान करते हुए जनता के हित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है मंचेरियाल क्षेत्र में रहने वाले लगभग 2.36 लाख लोगों के साथ यह ठहराव उन्हें यात्रा में आसानी प्रदान करेगा लाख लोगों की आबादी के साथ यह ठहराव इसके अतिरिक्त सांसद गद्दाम वामसीकृष्ण ने मंचेरियाल स्टेशन पर नई घोषित चेन्नई-जोधपुर ट्रेन संख्या 20625/20626 के लिए सांसद द्वारा दिए गए प्रतिनिधित्व पर विचार करने के लिए रेलवे बोर्ड को अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया इस अवसर पर सांसद ने कहा लोगों की जरूरतें हमारी प्राथमिकता है मंचेरियाल के लोगों के लिए आवश्यक रेलवे सुविधाएं लाना गर्व की बात है यह स्थानीय लोगों के जीवन में एक महत्व-पूर्ण मील का पत्थर होगा।

मंत्री सीताक्का ने ऑपरेशन 'कगार' को तत्काल समाप्त करने की मांग की

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर ऑपरेशन 'कागर' को लेकर तनाव बढ़ गया है। तेलंगाना की जनजातीय कल्याण मंत्री अनसूया सीथक्का ने केंद्र से जनजातीय हितों की रक्षा और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए ऑपरेशन को तुरंत रोकने का आग्रह किया है।मंत्री सीताक्का ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य और केंद्र दोनों सरकारों का प्राथमिक लक्ष्य शांति की स्थापना होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आदिवासी क्षेत्र संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आते हैं, इसलिए किसी भी हस्तक्षेप से आदिवासी समुदायों के शांतिपूर्ण जीवन में बाधा नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऑपरेशन 'कागर' ने स्थानीय आदिवासी आबादी में भय और दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।भारत बचाओ संगठन के प्रतिनिधियों ने भी आज हैदराबाद में मंत्री सीताक्का से मुलाकात की और सीमा क्षेत्रों में तनाव कम करने के प्रयास करने की अपील की।संबंधित घटनाक्रम में, प्रतिबंधित सीपीआई (माअ-ोवादी) केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक बयान जारी कर कहा कि समूह शांति वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार है, बशर्ते कि केंद्र सरकार पहले युद्ध विराम की घोषणा करे। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से इस पहल पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने का आग्रह किया।

अभय ने आगे आरोप लगाया कि पिछले साल जनवरी से ऑपरेशन 'कागर' के तहत पुलिस, अर्धसैनिक और कमांडो बलों की कार्रवाई के दौरान सैकड़ों माओवादी और निर्दोष आदिवासी मारे गए हैं। उन्होंने दावा किया कि करे गट्टा जैसे इलाकों को करीब 10,000 सुरक्षाकर्मियों ने घेर लिया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों पर व्यापक अत्याचार हो रहा है।

केरल लॉटरी धोखाधड़ी का निशाना हैदराबाद निवासी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबर जालसाज अपने पीड़ितों को धोखा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और धोखाधड़ी वाले मोबाइल एप्लिकेशन का फायदा उठाकर केरल लॉटरी से संबंधित धोखाधड़ी के जरिए हैदराबाद के निवासियों को निशाना बना रहे हैं।हाल ही में एक घटना में, शहर के एक 67 वर्षीय स्वरोजगार व्यक्ति को 2.17 लाख रुपये से अधिक की ठगी का शिकार होना पड़ा। पीड़ित को इंस्टाग्राम पर एक संदेश मिला जिसमें दावा किया गया था कि उसने 'केरल लकी ड्रॉ' लॉटरी में 5 लाख रुपये जीते हैं। दावे पर विश्वास करते हुए, उसने धोखाधड़ी करने वालों के निर्देशानुसार प्रोसेसिंग फीस के बहाने विभिन्न बैंक खातों में

धनराशि स्थानांतरित कर दी।

हालांकि, भुगतान प्राप्त होने के बाद धोखेबाजों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसके बाद पीड़ित ने हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई ।

तेलंगाना राज्य साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने लॉटरी धोखाधड़ी के मामलों में वृद्धि की सूचना दी है। अकेले जनवरी 2024 में, 15 ऐसे मामले दर्ज किए गए, जिसमें पीड़ितों ने सामूहिक रूप से करोड़ों रुपये गंवाए। घोटालेबाज अक्सर लोगों को भारी पुरस्कार जीतने का वादा करके लुभाते हैं और बाद में उन्हें प्रोसेसिंग फीस, टैक्स या अन्य शुल्क के भुगतान में फंसा लेते हैं।जांच में केरल राज्य लॉटरी का नाम लेकर लगभग 60 धोखाधड़ी वाले मोबाइल एप्लिकेशन का पता चला है।

ये ऐप, जिनमें से कुछ गूगल प्ले स्टोर जैसे प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध हैं, ऑनलाइन लॉटरी सेवाएँ देने का झूठा दावा करते हैं। इसके अतिरिक्त, 25 फ़र्ज़ी फ़ेसबुक प्रोफ़ाइल और 20 भ्रामक वेबसाइट की पहचान की गई है, जो सभी गैर-मौजूद ऑनलाइन लॉटरी योजनाओं को बढ़ावा दे रहे हैं।ऐसे मामलों में तेज़ी से वृद्धि के साथ, केरल सरकार ने पहले इन धोखाधड़ी गतिविधियों को रोकने के लिए कदम उठाए थे। इसने वैध लॉटरी टिकटों के निष्पक्ष वितरण को सुनिश्चित करने और अनधिकृत बिक्री पर नकेल कसने के उपायों की घोषणा की। राज्य टिकट वितरण को सुव्यवस्थित करने के लिए 'कॉमन पूल सिस्टम' लागू कर रहा है और धोखाधड़ी की प्रथाओं के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।घटना के मद्देनजर, साइबर क्राइम पुलिस ने एक ताजा एडवाइजरी जारी की है, जिसमें नागरिकों को फर्जी केरल लॉटरी योजनाओं, खासकर फेसबुक और व्हाट्सएप के जरिए विज्ञापित योजनाओं के प्रति हाई अलर्ट पर रहने की चेतावनी दी गई है। पुलिस ने लोगों से लॉटरी जीतने के बहाने पीड़ितों को ठगने वाले धोखेबाजों के इरादों से सावधान रहने और उनसे दूर रहने का आग्रह किया है।

हाइड्रा प्रतीक का दुरुपयोग करने वाले फर्जी सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मन्ने गोवर्धन रेड्डी, के किशोर गौड़, आशीष कुमार यादव और अभिलाष रंगिनेनी सहित बीआरएस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें हाइड्रा खातों के रूप में प्रस्तुत किए जाने वाले फर्जी सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। बीआरएस नेताओं ने फर्जी खातों को संचालित करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने, जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए साइबर अपराध जांच और हाइड्रा से ऐसी सामग्री को अस्वीकार करने के लिए आधिकारिक सार्वजनिक स्पष्टीकरण सहित तत्काल कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने आयुक्त से सेवा की गरिमा को बनाए रखने और तत्काल सुधारात्मक उपायों के माध्यम से जनता का विश्वास बहाल करने का आग्रह किया। अपने ज्ञापन में नेताओं ने असत्यापित एक्स खातों द्वारा हाइड्रा के नाम और तेलंगाना सरकार के प्रतीक के राजनीतिक रूप से प्रेरित दुरुपयोग को चिह्नित किया। उन्होंने कहा कि ये हैंडल अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम के नियम 5 का उल्लंघन करते हुए राजनीतिक रूप से पक्षपाती सामग्री प्रसारित कर रहे थे, जो सिविल सेवकों को राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने से रोकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक उद्देश्यों के लिए प्रवर्तन एजेंसियों की तटस्थता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

आरटीसी हड़ताल: 6 मई की मध्यरात्रि से तेलंगाना की बसें बंद रहेंगी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) 7 मई, 2025 से शुरू होने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए तैयार है , क्योंकि आरटीसी श्रमिक संघों ने सरकार द्वारा उनकी लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने में विफल रहने के कारण राज्यव्यापी बंद की घोषणा की है। आरटीसी कर्मचारियों ने 6 मई की आधी रात से सभी बस सेवाएं बंद करने का फैसला किया है , बसों को तेलंगाना भर के डिपो तक ही सीमित रखा जाएगा। इस कदम से राज्य भर में सार्वजनिक परिवहन में भारी व्यवधान पैदा होने की आशंका है।यूनियनों की प्राथमिक मांगें इस प्रकार हैं:राज्य सरकार के साथ आरटीसी के विलय की प्रक्रिया पूरी करना ।कर्मचारी कल्याण एवं श्रमिक अधिकारों के संरक्षण का आश्वासन ।सरकार द्वारा पूर्व में किये गये वादों का क्रियान्वयन।श्रमिकों का आरोप है कि 27 जनवरी को हड़ताल का नोटिस जारी करने के बावजूद आरटीसी प्रबंधन, तेलंगाना सरकार या श्रम आयुक्त की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।हाल ही में हैदराबाद के सुंदरय्या विज्ञान केंद्र में आयोजित एक संयुक्त बैठक में आरटीसी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने सभी प्रमुख यूनियनों को एक साथ लाया। यूनियनों ने एक ही नारे के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया: एक आवाज़, एक रास्ता – हड़ताल का रास्ता।

मां द्वारा बच्चे की पिटाई का विचलित मामला सामने आया, शिकायत दर्ज

जगतियाल, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिला मुख्यालय के तुलसी नगर में बाल शोषण का एक परेशान करने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक माँ अपने छोटे बेटे को कुल्हाड़ी से बेरहमी से पीटती हुई वीडियो में कैद हो गई । इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है और अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा है।

इलाके के निवासियों ने, जिन्होंने महिला को अक्सर बच्चे पर हमला करते देखा था , चुपके से ऐसी ही एक घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। फुटेज में मां बच्चे को बेरहमी से पीटती हुई दिखाई दे रही है, जिसकी तुलना कुल्हाड़ी से मारे जाने से की जा रही है। क्रूरता

से स्तब्ध स्थानीय लोगों ने सरकार द्वारा समर्थित महिला और बाल सहायता सुविधा सखी केंद्र से संपर्क किया और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।शिकायत के बाद, अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और लड़के को बचाया , उसे संरक्षण और आगे की देखभाल के लिए सखी केंद्र में ले जाया गया । अधिकारी वर्तमान में उसकी शारीरिक और भावनात्मक स्थिति का मूल्यांकन कर रहे हैं।बच्चे के पिता, आंजनेयुलु , वर्तमान में दुबई में काम कर रहे हैं , और उन्हें दुर्व्यवहार की सीमा के बारे में पता नहीं था। माँ की लगातार हिंसा को सहन करने में असमर्थ, स्थानीय निवासियों ने अधिकारियों को सचेत करने और लड़के की सुरक्षा सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया ।

एनडीएसए ने कालेश्वरम परियोजना को 'स्वतंत्र भारत की सबसे खराब मानव निर्मित आपदा' बताया

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार, 29 अप्रैल को हैदराबाद में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के हिस्से के रूप में निर्मित मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराजों को हुए संरचनात्मक नुकसान पर राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

परियोजना के लिए मूल रूप से प्रस्तावित स्थल तुम्मिडीहट्टी में पानी की अनुपलब्धता के बारे में पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के झूठे दावों को उजागर करते हुए रेड्डी ने कहा कि सेवानिवृत्त इंजीनियरों की पांच सदस्यीय समिति ने परियोजना को मेदिगड्डा में स्थानांतरित करने के खिलाफ सिफारिश की थी। हालांकि, तत्कालीन बीआरएस सरकार ने न केवल सिफारिशों को नजरअंदाज किया बल्कि रिपोर्ट को भी दबा दिया, जो अब कांग्रेस सरकार के तहत उपलब्ध है।एनडीएसए रिपोर्ट का हवाला देते हुए रेड्डी ने कहा कि अन्नाराम और सुंडिला बैराज का निर्माण उनके मूल रूप से डिजाइन किए गए स्थानों से 2.2 किमी और 5.4 किमी दूर किया गया था – नदी तल के स्तर से नीचे की स्थिति, जिसे उन्होंने बेहद असामान्य बताया। एनडीएसए विशेषज्ञ समिति ने कहा कि इससे अन्नाराम बैराज के ऊपर की

ओर भारी मात्रा में रेत जमा हो गई।रेड्डी ने कहा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज के नए स्थलों पर कोई जांच नहीं की गई। उन्होंने बैराज की नींव के बुनियादी मापदंडों को बदल दिया। इससे भी बुरी बात यह है कि निर्माण के दौरान स्थानों के स्थानांतरण के कारण पहले की गई बोरहोल जांच बेकार हो गई।उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सौंपे जाने से पहले ही शुरू हो गया था, जबकि डीपीआर निर्माण शुरू होने के छह महीने बाद दाखिल की गई थी। रेड्डी ने दावा किया कि परियोजना की लागत को दोगुना करने को उचित ठहराने के लिए डीपीआर जल्दबाजी में तैयार की गई थी।प्रस्तुत करने के बाद भी, निष्पादन के दौरान परियोजना में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए, निर्माण डीपीआर के अनुरूप नहीं था। डीपीआर को अभी भी सीडब्ल्यूसी की मंजूरी का इंतजार है, इसके बावजूद काम शुरू कर दिया गया। रेड्डी ने कहा कि एनडीएसए रिपोर्ट ने परियोजना मापदंडों में गंभीर विचलन की ओर इशारा किया है, उन्होंने कहा कि अन्नाराम और सुंडिला में कोई भू-तकनीकी जांच नहीं की गई थी, और सुंडिला के लिए डिजाइन बाढ़ मूल्य पर उचित रूप से विचार नहीं किया गया था।उन्होंने पूछा, यदि ऐसा किसी अन्य देश में हुआ होता तो क्या वे चुप रहते?

रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय डिजाइन संगठन (सीडीओ), जो आमतौर पर सिंचाई परियोजना की योजना से लेकर रखरखाव तक का काम करता है, को शीर्ष स्तर के अधिकारियों के लगातार हस्तक्षेप के कारण कालेश्वरम परियोजना के दौरान दरकिनार कर दिया गया।

उन्होंने एनडीएसए रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, समय-समय पर निरीक्षण रिपोर्ट सीडीओ के समक्ष नहीं रखी गई। नतीजतन, बैराज, जिन्हें शुरू में तैरती संरचनाओं के रूप में डिजाइन किया गया था, उन्हें कठोर संरचनाओं के रूप में बनाया गया।रेड्डी ने आगे बताया कि तेलंगाना राज्य इंजीनियरिंग अनुसंधान प्रयोगशालाओं ने स्पष्ट रूप से सिफारिश की थी कि परियोजना को नियामक आवश्यकताओं के अनुसार लगातार संचालित नहीं किया जा सकता है, लेकिन परियोजना निर्माण इकाइयों (पीसीयू) ने इन सिफारिशों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे संरचनात्मक संकट पैदा हो गया।

उन्होंने कहा, यहां तक कि गेट संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों की भी अनदेखी की गई। उद्घाटन के बाद, मेडिगड्डा बैराज से मलबा और कोफ़रडैम नहीं हटाया गया, जिससे पानी का प्रवाह बाधित हुआ।एनडीएसए की रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि 2019 के उद्घाटन के तुरंत बाद संकट के संकेत दिखाई देने लगे थे। कंक्रीट ब्लॉक और कट-ऑफ दीवार के निचले इलाकों से पानी निकलता देखा गया था।रेड्डी ने कहा, फिर भी रोके गए पानी को नहीं निकाला गया और जलाशय का उपयोग जारी रहा। जब एनडीएसए ने पीसीयू से पूछताछ की, तो उन्होंने जवाब दिया कि उनके पास सरकार की अनुमति नहीं है।उन्होंने कहा कि खराब रखरखाव प्रोटोकॉल के कारण स्थिति खराब हुई। सैंड-पाइपिंग की घटना और अन्य मुद्दों के बारे में जानकारी होने के बावजूद, एजेंसियां कार्रवाई करने में विफल रहीं। अन्नाराम और सुंडिला में कोई रखरखाव नहीं किया गया।

एनडीएसए ने पाया कि न तो मानसून पूर्व और न ही मानसून पश्चात कोई निरीक्षण किया गया था, तथा रखरखाव संबंधी कोई रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं था – जो बांध सुरक्षा अधिनियम का उल्लंघन है।रेड्डी ने बताया, पहले साल में भी रखरखाव में गंभीर देरी हुई। कोई ऑपरेशन मैनुअल तैयार नहीं किया गया। गुण-वत्ता नियंत्रण भी नहीं था।उन्होंने कहा कि एनडीएसए रिपोर्ट में आगे के लिए एक व्यापक पुनर्वास डिजाइन, भू-तकनीकी अध्ययन और हाइड्रोलिक मॉडल अध्ययन की सिफारिश की गई है।रेड्डी ने बीआरएस नेताओं द्वारा एनडीएसए के अधिकार पर सवाल उठाए जाने पर जवाब देते हुए कहा, किसी में भी थोड़ी सी भी शर्म होगी तो वह इस तरह की बात नहीं करेगा।

उन्होंने याद दिलाया कि एनडीएसए एक संवैधानिक निकाय है जिसका गठन संसद के एक अधिनियम द्वारा किया गया था, जिसे बीआरएस के सत्ता में रहने के दौरान पारित किया गया था, और उन्होंने इसका समर्थन किया। शीर्ष विशेषज्ञों वाली समिति ने 12-13 महीने का समय लिया, सैकड़ों बैठकें कीं और 100 से अधिक सरकारी एजेंसियों के माध्यम से जांच की।उन्होंने कहा कि बीआरएस के सत्ता में रहने के दौरान यह परियोजना ध्वस्त हो गई थी और एनडीएसए की टीम ने उस अवधि के दौरान दौरा किया और अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए। उन्होंने जोर देकर कहा, प्रारंभिक, अंतरिम और अंतिम रिपोर्ट की टिप्पणियां सुसंगत थीं।

तेलंगाना की प्रतिष्ठा पर पड़ने वाले प्रभाव को उजागर करते हुए रेड्डी ने कहा कि जब राज्य ने सीताराम सागर बैराज के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से मंजूरी मांगी, तो सचिव मुखर्जी ने सिंचाई विभाग द्वारा डिजाइन की गई कालेश्वरम परियोजना के ध्वस्त हो जाने का हवाला देते हुए मंजूरी देने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, इसके बाद हमें तकनीकी मंजूरी और 67 टीएमसी पानी के आवंटन के लिए प्रस्ताव सीडब्ल्यूसी को भेजना पड़ा।

सिंचाई में परियोजना के योगदान के बारे में बीआरएस के दावों को खारिज करते हुए रेड्डी ने कहा कि मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज के निष्क्रिय हो जाने के बावजूद तेलंगाना में धान की रिकॉर्ड पैदावार होगी – खरीफ 2024 में 1.53 लाख टन और रबी 2024-25 में 1.27 लाख टन।

जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर रेड्डी ने कहा कि न्यायमूर्ति पीसी घोष जांच समिति सक्रिय रूप से काम कर रही है और उसे एनडीएसए रिपोर्ट सौंप दी गई है।

उन्होंने कहा, न केवल गलत काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, बल्कि उन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी जिन्होंने उन्हें आदेश दिया था। जहां तक हमें पता है, जब परियोजना की समस्याएं शुरू हुईं, तब केसीआर सिंचाई मंत्री और मुख्यमंत्री थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि कानून अपना काम करेगा।यह पूछे जाने पर कि क्या परियोजना को वापस तुम्मिडीहट्टी में स्थानांतरित किया जा सकता है, रेड्डी ने कहा कि कोई भी निर्णय राज्य के सर्वोत्तम हित में, एनडीएसए विशेषज्ञ समिति की सलाह और मंत्रिमंडल की चर्चा के आधार पर किया जाएगा।

मिस वर्ल्ड पेजेंट 2025 के लिए कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी : सीएम

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार, 29 अप्रैल को पुलिस को मिस वर्ल्ड पेजेंट 2025 के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया, जो 10 मई को हैदराबाद में शुरू होने वाला है।उन्होंने पुलिस से हवाई अड्डे, उन होटलों, जहां दुनिया भर से आने वाले अतिथि ठहरेंगे, तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के सभी स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कमांड कंट्रोल सेंटर में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए बैठक की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पुख्ता व्यवस्था करें, ताकि प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को कोई असुविधा न हो।

संबंधित अधिकारी ने मुख्यमंत्री को मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए किए जा रहे विस्तृत प्रबंधों के बारे में जानकारी दी।रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में मेहमानों के लिए ऐतिहासिक स्मारकों और पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को एक व्यापक योजना तैयार करने, प्रतियोगिता के सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने तथा योजनाओं का त्रुटिरहित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री को रसद, सुरक्षा, आतिथ्य, बुनियादी ढांचे और कार्यक्रम समन्वय से संबंधित विस्तृत योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने तेलंगाना में आने वाले प्रतियोगियों, प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को एक सहज, विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

तेलंगाना की सांस्कृतिक समृद्धि को मान्यता देते हुए, मुख्यमंत्री ने पर्यटन और सांस्कृतिक विभाग को मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों के लिए राज्य भर में विरासत स्मारकों और शीर्ष पर्यटन स्थलों के निर्देशित भ्रमण की सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया।सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने तैयारियों की देखरेख और अंतर-विभागीय कार्यान्वयन को सुचारू बनाने के लिए प्रत्येक विभाग के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश की।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का भी जायजा लिया और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे महोत्सव से पहले शहर के सौंदर्यीकरण को बढ़ाने के लिए लंबित नागरिक परियोजनाओं में तेजी लाएं।

आयोजन के महत्व को दो-हराते हुए रेवंत रेड्डी ने एक व्यापक मास्टर प्लान बनाने का आह्वान किया, जिसमें मिस वर्ल्ड 2025 के हर पहलू को शामिल किया जाए, तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि तेलंगाना का सर्वश्रेष्ठ चेहरा दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाए।बैठक में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव शेषाद्रि, पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तेलंगाना कारागार विभाग ने भर्ती की घोषणा की

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कारागार विभाग ने केंद्रीय कारागार चंचलगुडा, चेरलापल्ली, संगारेड्डी और निजामाबाद में स्थित अपने नशामुक्ति केंद्रों में विभिन्न पदों पर भर्ती की घोषणा की है।प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, अकाउंटेंट-कम-क्लर्क (अंशकालिक), मनोवैज्ञानिक/परामर्शदाता, सामाजिक कार्यकर्ता/सामुदायिक कार्यकर्ता, नर्स (पुरुष), वार्ड बॉय और सहकर्मी शिक्षक के चार-चार पदों पर नियुक्ति की जानी है। ये सभी रिक्तियां अस्थायी नियुक्ति के लिए हैं।21-35 वर्ष की आयु के उम्मीदवार अधिसूचना के 10 दिनों के भीतर आवेदन करने के पात्र हैं। आवेदन, उत के साथ, महानिदेशक कारागार एवं सुधार सेवाएं, तेलंगाना, जेल भवन, मालकपेट, हैदराबाद-500024 के कार्यालय को डाक द्वारा भेजा जाना चाहिए या dgpri-sonstggmail.com पर ईमेल करना चाहिए।

सीबीआई ने तेलंगाना और महाराष्ट्र में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के आरोप में दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद, तेलंगाना के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के यहां कार्यरत एक मंडल परिचालन प्रबंधक (डीओएम) के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद तेलंगाना और महाराष्ट्र में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली।सीबीआई ने उप मुख्य सतर्कता अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद से प्राप्त शिकायत के आधार पर अधिकारी सैयद मुनव्वर बाशा के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अधिकारी ने दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय में परिचालन विभाग में यातायात निरीक्षकों और मुख्य नियंत्रकों के पदों के लिए।उम्मीदवारों का चयन करने के लिए रिश्वत की मांग की थी।यह भी आरोप लगाया गया कि संदिग्ध ने चार उम्मीदवारों से यूपीआई ट्रांसफर के माध्यम से अपने बेटे के बैंक खाते में कुल 1,25,000 रुपये की रिश्वत प्राप्त की और एक उम्मीदवार से जुलाई-अगस्त 2023 के दौरान 40,000 रुपये नकद प्राप्त किए।अधिकारियों ने बताया कि यह भी आरोप लगाया गया है कि उनके खाते और उनके बेटे के खाते में संदिग्ध लेनदेन के माध्यम से कुल 31,62,500 रुपये प्राप्त हुए, जो उनके स्रोतों से परे हैं।

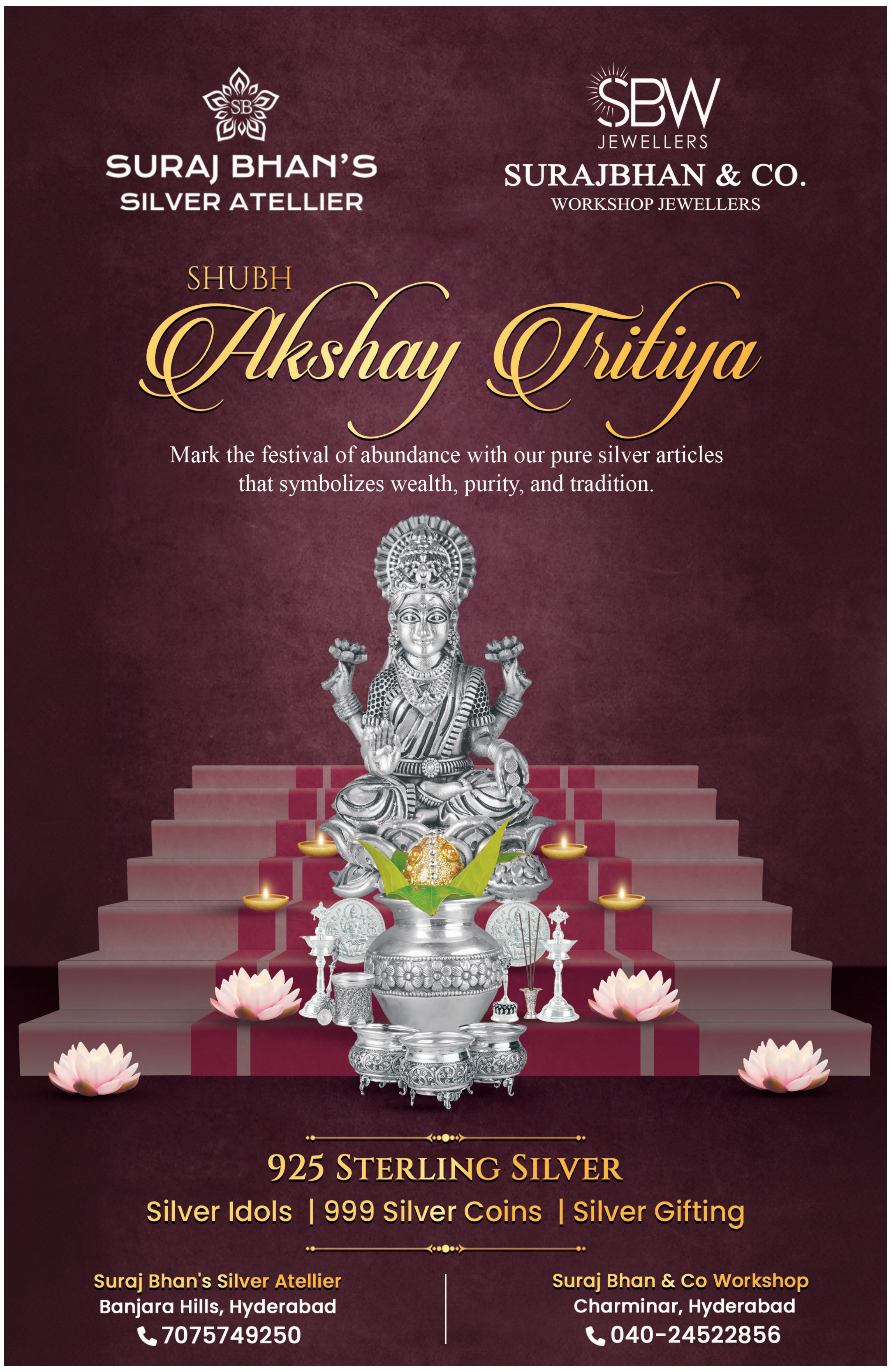

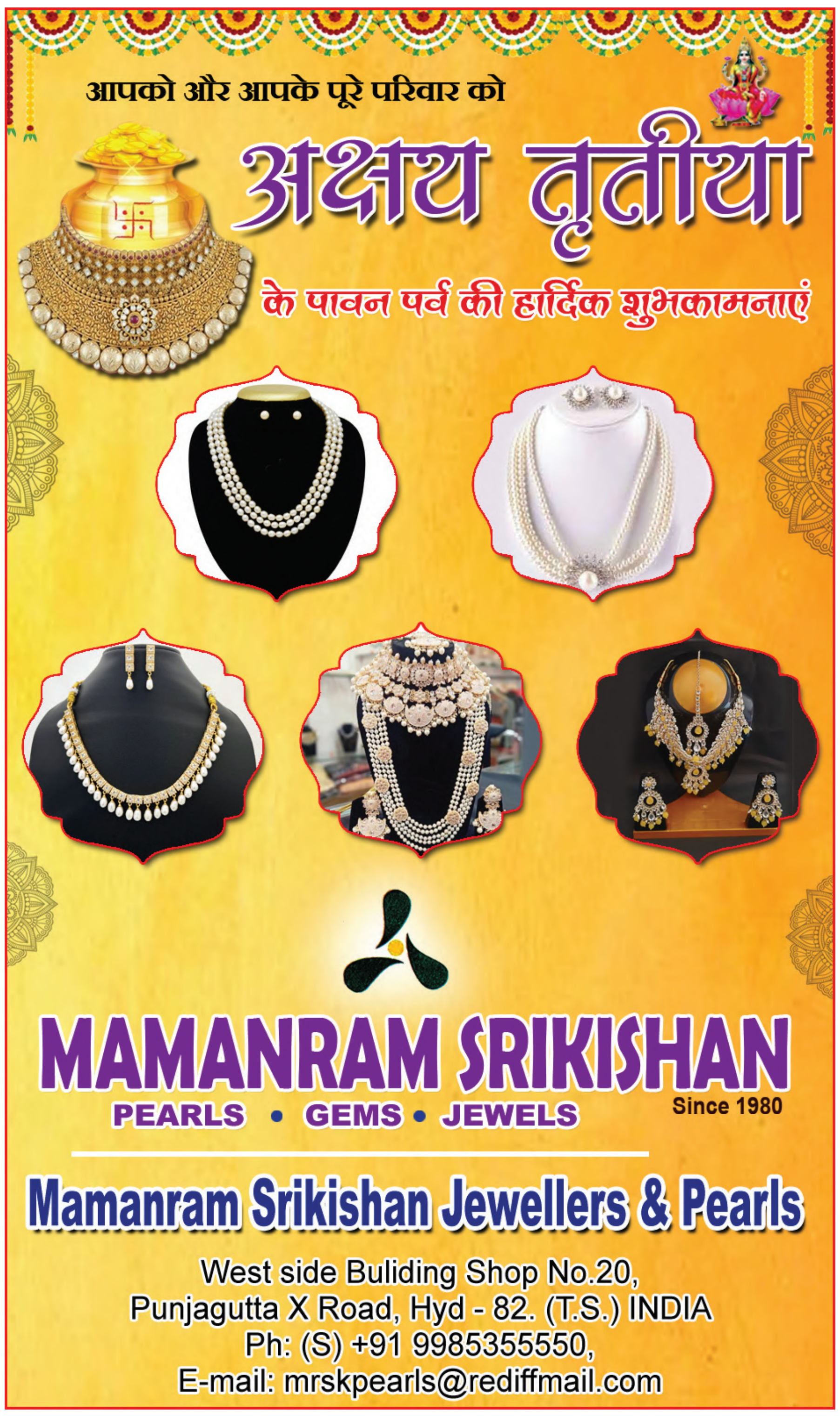

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.